जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 8 फरवरी, 2026

इतिहास में पहली बार WHATSAPP VOICE NOTE से ऑर्डर करें

सिर्फ अपना ऑर्डर व्हाट्सएप पर रिकॉर्ड करें और 90704 90704 पर भेज दीजिए

WhatsApp से ऑर्डर करने के लिए स्कैन करें

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

FIXED PRICE

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- प्लैटिनम शरबती चावल
- एलीट बासमती चावल
- पोहा
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सौंफ
- लौंग
- इलायची
- काली मिर्च
- दालचीनी
- चना दाल
- मूंग दाल (छिलका)
- मूंग दाल
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- उड़द दाल
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- काला चना
- काबुली चना
- हरा चना
- हरा मटर
- मोठ
- हरा मूंग
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी
- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम
- गुड़
- गुड़ पाउडर

COMING SOON

- कच्ची घानी सरसों का तेल
- ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल
- रोस्टेड फ्लेवर्ड मखाने
- खजूर
- अंजीर
- मूंगफली
- अजवाइन
- राई
- मेथी दाना
- कसूरी मेथी
- हींग
- अमचूर पाउडर
- ब्लेंडेड मसाले
- हिमालयन पिंक सॉल्ट
- मिश्री धागा
- मिश्री पाउडर
- सोया चंक्स
- चाय और भी बहुत कुछ

रिटेलर हो या कस्टमर: कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800 120 2727

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON APP

AVAILABLE AT

32000+ RETAILERS | SUPERMARKETS | QUICKCOM/ECOM

WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

T&C Apply.

विचार बिन्दु

जीवन एक फूल है और प्रेम उसका मधु। –ह्यूगो

वसंत में वनानुभव

एकाग्र मन से ज्ञानेन्द्रियों और कर्मेन्द्रियों का प्रयोग कर वनों की समग्रता का अनुभव (देखना, सुनना, सूंघना, स्पर्श करना, स्वाद लेना) वनानुभव कहलाता है! चरकसंहिता में वसंत की आरोग्यदायी ऋतुचर्या का वर्णन करते समय भगवान आत्रेय ने वसंत में वनानुभव का महत्त्व स्पष्ट किया है (च.सू.6.22-26, अंश): वसन्तेऽनुभवेत्काननानांयौवनम्।। तात्पर्य यह है कि उद्यानों एवं वनों में घूमना, पैदल चलना, पुष्पित पल्लवित वनों का अनुभव लेना चाहिए। प्रकृति-अनुभव और वनानुभव चिकित्सा का इतिहास बहुत प्राचीन है। यह आयुर्वेद की एक श्रेष्ठ गैर-औषधीय चिकित्सा है जिस पर समकालीन शोध भी बहुत समृद्ध है। हरियाली, प्राकृतिक वातावरण, वनों और उपवनों में प्रकृति-अनुभव या दीर्घकालिक जुड़ाव का प्रसन्नता में योगदान पर पूर्व में यहाँ प्रमाण-आधारित ठोस विश्लेषण प्रस्तुत किया गया था। परन्तु क्या यह हरियाली में किया गया व्यायाम और योग तुलनात्मक रूप से बेहतर स्वास्थ्य भी प्रदान करता है? वर्ष 2023 के प्रारंभ में आज तक प्रकाशित शोध को समाहित कर आज की चर्चा पुन: इसी विषय पर है।

संहिताओं में स्वास्थ्य-रक्षण और रोगोपचार दोनों के लिये ऐसे अनेक सन्दर्भ हैं (देखें, च.चि.3.260-266; च.चि.2/3, 26-30, च.चि.4.106-109; च.वि.6.17, सु.उ.47.55-57 आदि)। उक्त सभी सन्दर्भ केवल उदाहरणार्थ और प्राचीनता दर्शित करने के उद्देश्य से उद्धृत किये गये हैं। समकालीन शोध में पिछले कई दशकों से विभिन्न विषयों के विद्वानों ने अपनी विधा के अनुसार इस बात की ओर ध्यान खींचा है कि प्रकृति से जुड़ने और मानव स्वास्थ्य में सुधार के बीच सकारात्मक संबंध है। यह आम समझ की बात है कि प्रकृति और पर्यावरण के सानिध्य में समय बिताना हमारे लिये स्वाभाविक रूप से अच्छा हो सकता है। प्राचीन सभ्यताओं के अवशेषों, प्राचीनकाल से चली आ रही सांस्कृतिक परम्पराओं और चिकित्सा पद्धतियों में इस बात के प्रमाण मिलते हैं कि मानव सभ्यता का अपने स्वास्थ्य, चिकित्सा और आध्यात्मिकता के लिये प्रकृति के साथ अन्योन्याश्रित जुड़ाव रहा है।

जहाँ तक हरियाली का शारीरिक और मनोरोगों को रोकने में योगदान है उस पर बहुत शोध है और उसका सम्पूर्ण विश्लेषण यहाँ देना संभव नहीं है। इस विषय में एक बेहद उपयोगी पुस्तक "द एक्सपीरियंस ऑफ़ नेचर-अ साइकोलॉजिकल पर्सपेक्टिव" वर्ष 1989 में प्रकाशित हुई थी। राचेलकपलान और स्टेफेनकपलान की यह पुस्तक इस विषय में विश्व की सर्वाधिक संदर्भित पुस्तक है जिसे लगभग 8000 प्रकाशनों में संदर्भित किया गया है। प्राकृतिक वातावरण, लोगों और उनके बीच के संबंधों का एक प्रमाण-आधारित लेखा-जोखा इस पुस्तक में है। लेखकों ने यह समझने की कोशिश की है कि लोग प्रकृति का अनुभव कैसे करते हैं और वे किस प्रकार के प्राकृतिक वातावरण पसंद करते हैं, वे जंगल के अनुभवों से क्या मनोवैज्ञानिक लाभ उठाते हैं, और हमारे आसपास के उद्यान लोगों के लिये क्यों महत्वपूर्ण हैं। इस विषय में अद्यतन स्थिति को 832 अध्ययनों के आधार पर की गई 16 मेटा-एनालिसिस को मिलाकर की गई एक भारी मेटा-एनालिसिस विश्व में अब तक का श्रेष्ठ प्रमाण भी यही निष्कर्ष देती है (देखें, सी. बरगन-जैसन इत्यादि, बायोलॉजिकल कंसर्वेशन, 277, 109842, 2023)। वर्ष 2022 में 8 मेटा-एनालिसिस अतिरक्त प्रमाण प्रदान करती हैं कि वनानुभव शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर करता है। बच्चों के कल्याण के लिए भी वनानुभव व प्रकृति-अनुभव आवश्यक हैं (देखें, टी. अरोला इत्यादि, जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल साइकोलॉजी, 85,101913, 2023)।

यहाँ यह बताना आवश्यक है कि ऐसा नहीं है कि प्रकृति के सभी आयाम स्वास्थ्यवर्धक और सुरक्षित ही हों। कई प्राकृतिक स्थल मानव में अकेले डर पैदा कर सकते हैं। जो हवा, पानी और मिट्टी स्वास्थ्य के लिये सर्वथा उपयुक्त होती है, वही प्रदूषित होने या प्राकृतिक आपदाओं के स्वरुप में आने पर स्वास्थ्य के लिये हानिकारक हो सकती हैं। प्राकृतिक वातावरण के जो प्राणी बहुत सुन्दर लगते हैं उनमें से बहुत हिंसक भी हो सकते हैं। इन बातों को ध्यान में रखते हुये प्रकृति-अनुभव अपने अन्य रूपों में हमारे स्वास्थ्य की स्थिति को निर्धारित करते हैं। इस दृष्टिकोण से प्रकृति और पर्यावरण को निहारना, प्राकृतिक वातावरण में घूमना-फिरना स्वास्थ्यकर होता है।

प्रकृति-अनुभव किन कारणों से हमारे स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है? या अन्य शब्दों में कहें तो प्रकृति से जुड़ाव के स्वास्थ्यकर होने की मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन क्या है? अनेक अध्ययनों के प्रमाण स्पष्ट करते हैं कि प्रकृति का मानव शरीर और मन पर स्वास्थ्यकर प्रभाव स्वास्थ्य के विविध आयामों को बेहतर करने में प्राकृतिक वातावरणों की भूमिका के कारण होता है। उदाहरण के लिये प्रकृति-अनुभव से स्वास्थ्य में सुधार की मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन को मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद में कमी, मन की प्रसन्नता में बढ़ोत्तरी, अच्छीनिद्रा, मनोहारी अनुभूति, दर्द-नियंत्रण, बेहतर सामाजिक संपर्क, व्यायाम में बढ़ोत्तरी, हृदय रोगों में कमी, प्रतिरक्षा तंत्र में सुधार आदि के प्रकाश में देखा जा सकता है। वनानुभव-चिकित्सा (वनों में घूम-फिर कर प्रकृति का अनुभव करना) इम्यूनिटी भी बढ़ाती है (देखें, वाय. चे इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 18(16), 2021)।

शहरों में हरियाली से स्वास्थ्य लाभ के बारे में वर्ष 1800 के बाद से कई छिटपुट अध्ययन मिलते हैं और शहरी विकास में इन्हें शामिल करने के प्रयास भी दुनिया भर में हुये है। इन सब अध्ययनों में एक सन्देश मिल रहा था कि हरियाली को अनुभूत करना या हरियाली का एक्सपोज़र स्वास्थ्य के लिये लाभकारी है, परन्तु व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-एनालिसिस अब आना शुरू हुये हैं। हाल ही में हरियाली से मिलाने वाले लगभग 100 प्रकार के स्वास्थ्य-लाभ के निष्कर्षों वाले 143 अध्ययनों को शामिल कर एक मेटा-एनालिसिस की गयी। इससे कई रोचक परिणाम मिले। जैसे-जैसे हरियाली के साथ जुड़ाव बढ़ा वैसे वैसे लार के कोर्टिसोल, हृदय गति, व डायस्टोलिक रक्तचाप में कमी पायी गयी। एचडीएल कोलेस्ट्रॉल व हृदय गति की परिवर्तनशीलता में बेहतरी हुई। समय-पूर्व प्रसव-जोखिम, मधुमेह, तथा समस्त-कारण मृत्यु दर (आल-कॉजमोर्टेलिटी) और हृदय रोग मृत्यु दर में भी कमी पाई गयी। स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप, डिस्लिपीडेमिया, अस्थमा, और कोरोनरी हृदय रोग की घटनाओं में भी कमी होती गयी। अलग-अलग अध्ययनों को देखने पर यह भी स्पष्ट हुआ कि स्वास्थ्य परिणामों में 66.7 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक बेहतरी हुई है। इनमें न्यूरोलॉजिकल, कैंसर, व श्वसन रोगों से मृत्यु दर में कमी भी पाई गयी (देखें, सी. टोहिग-बेनेट, ए. जोन्स, एनवायर्नमेंटलरिसर्च, 166: 628-637, 2018)।

> **हाल ही में हरियाली से मिलाने वाले लगभग 100 प्रकार के स्वास्थ्य-लाभ के निष्कर्षों वाले 143 अध्ययनों को शामिल कर एक मेटा-एनालिसिस की गयी। इससे कई रोचक परिणाम मिले। जैसे-जैसे हरियाली के साथ जुड़ाव बढ़ा वैसे-वैसे लार के कोर्टिसोल, हृदय गति, व डायस्टोलिक रक्तचाप में कमी पायी गयी। समय-पूर्व प्रसव-जोखिम, मधुमेह, तथा समस्त-कारण मृत्यु दर (आल-कॉजमोर्टेलिटी) और हृदय रोग मृत्यु दर में भी कमी पाई गयी। स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप, डिस्लिपीडेमिया, अस्थमा, और कोरोनरी हृदय रोग की घटनाओं में भी कमी होती गयी।**

इस विषय में सबसे भारी अध्ययन जिसका वित्त-पोषण विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किया गया था, वह वर्ष 2019 में दुनिया के एक अगुआ जर्नल में प्रकाशित हुई। हरियाली को स्वास्थ्य-निर्धारक, स्वास्थ्य में सुधार, और विभिन्न प्रसन्नता के लिये उपयोगी माना जाता रहा है। इस व्यवस्थित अध्ययन में विश्व भर के अनुदैर्ध्य अध्ययनों से प्राप्त प्रमाणों की इस बात के लिये समीक्षा की गयी कि हरियाली, पार्क्स, गार्डन्स आदि की उपलब्धता का सकल मृत्यु दर में प्रभाव क्या है। इस मेटा-एनालिसिस में प्रारम्भ में 9298 अध्ययन और 13 अन्य अध्ययनों की पहचान की गयी। इनमें से 9234 (99प्रतिशत) अध्ययनों को शीर्षक और सारांश जांचने के बाद अपग करते हुये शेष 77 अध्ययनों में से 68 (88प्रतिशत) को सम्मिलित किया गया। उक्त के साथ ही मात्रात्मक मूल्यांकन हेतु नौ (12प्रतिशत) अध्ययनों को शामिल किया। इनमें सात देशों के 8.32 लाख व्यक्ति शामिल थे। कुल मिलाकर निष्कर्ष स्पष्ट करते हैं कि आसपास की हरियाली और सकल-कारण मृत्यु दर के बीच एक व्युत्क्रम रिश्ते का प्रमाण पाया गया। कहने का तात्पर्य यह कि जैसे-जैसे हरियाली की उपस्थिति बढ़ती जाती है वैसे-वैसे सभी कारणों से मृत्यु दर में कमी आती जाती है। सन्देश यह है कि मानव समाज जहाँ रहता और काम करता है वहां हरियाली बढ़ाने और जैव-विविधता संरक्षण को बढ़ावा देना मानव स्वास्थ्य के लिये बहुत उपयोगी है (देखें, डी. रोजसरुएडा आदि, द लैंसेटप्लेनेटरी हेल्थ, 3,11:ई469-ई477,2019)।

एक अन्य महत्वपूर्ण मेटा-एनालिसिस में बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न पर जांच की गयी कि गर्भावस्था मंज प्रतिकूल परिणामों पर आवासीय हरियाली का क्या प्रभाव रहता है। इसमें कुल 36 अध्ययन शामिल थे और कुल मिलाकर 1.19 करोड़ (11.9 मिलियन) प्रतिभागी थे। परिणाम स्पष्ट करते हैं कि हरियाली वाले स्थलों में जन्म के समय न्यूनतम वजन का जोखिम उच्च स्तर की हरियाली वाले समूह में काफी कम था। गर्भावधि उम्र कम रहने की संभावना भी उच्च हरियाली वाले क्षेत्रों में घटी पायी गयी। इसके अलावा अधिक हरियाली वाले क्षेत्रों में मातृ-जोखिम कम पाया गया और मानसिक विकारों में भी कमी पायी गयी। यह समीक्षा आवासीय हरियाली और गर्भावस्था के प्रतिकूल परिणामों के बीच एक उलटे रिश्ता होने की पुष्टि करती है। अध्ययन के निष्कर्ष स्पष्ट कर देते हैं कि हरियाली गर्भवती महिलाओं के लिये जोखिम घटाती है (वाइ. झान आदि, साइंसऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 718: आर्ट. 137420, 2020)। हाल ही में वनानुभव को मानसिक स्वास्थ्य में बेहतरी लाने के ठोस प्रमाण मेटा-एनालिसिस से प्राप्त हुए हैं (देखें, वाई. कोटेरा इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मेंटल हेल्थ एंड एडिक्शन, 20(1):337-361, 2022)। एक अन्य मेटा-एनालिसिस से सिद्ध होता है कि वनानुभव अवसाद व चिंता से बचाने हेतु श्रेष्ठ गैर-औषधीय युक्ति है (पी.एस. येओन इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 18(23): 2021)। रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल्स की मेटा-एनालिसिस का निष्कर्ष भी स्पष्ट करते हैं कि वन-आधारित गैर-औषधीय चिकित्सकीय दखल मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं (देखें, एम.जे. कांग इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नलऑफ़एनवायर्नमेंटलरिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 19(8): 2022)। हाल ही में 52 अध्ययनों में समाहित 5.2 मिलियन लोगों के आंकड़ों को लेकर की गई मेटा-एनालिसिस सिद्ध करती है कि ग्रीन-स्पेस के आसपास रहने वाले लोगों में डायास्टोलिक और सिस्टोलिक ब्लडप्रेशर में सुधार होता है (देखें, वाई. झाओ इत्यादि, साइंस ऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 817: 152513,2022)

हमारा समाज आज शहरीकरण, संसाधन-विदोहन और जीवनशैली में बदलाव के कारण प्रकृति-उन्मुखता से प्रकृति-विमुखता की ओर जा रहा है। संहिताओं, शोध और अनुभव की त्रिवेणी से उत्पन्न ज्ञान इस बात के पुख्ता प्रमाण दर्शित करता है कि प्रकृति-अनुभव मानव स्वास्थ्य के लिये अनिवार्य है। शोध स्पष्ट करती है कि प्रकृति-अनुभव से स्वास्थ्य-लाभ के मूल में वायु गुणवत्ता, शारीरिक गतिविधि और व्यायाम, सामाजिक सामंजस्य और तनाव में कमी आदि कारक हैं।

इस तमाम चर्चा का मूल संदेश यह है कि पर्यावरण के साथ हमारे संबंध हमारे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं। वनानुभव और प्रकृति-अनुभव अनेक रूपों में हो सकता है। हमारे आसपास हरियाली को बढ़ावा देना, वनों उपवनों में घूमना, प्राकृतिक स्थलों में सैर-सपाटा, प्रतिदिन समीपवर्ती बाग-बगीचों में जाकर कम से कम एक घंटे का समय बिताना, कार्य-स्थलों में हरियाली बढाने के लिये छोटे-छोटे गार्ड नया बगीची विकसित करना, बैठने के स्थान में खिड़की से दिखने वाला हरा-भरा दृश्य, कार्यालय में पांच मिनट का ब्रेक लेकर हरियाली में टहल कर आना आदि सब छोटे-छोटे ऐसे कार्य हैं, जिनके माध्यम से हमारा प्रकृति के साथ जुड़ाव बना रहता है। इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह याद रखने योग्य है कि चूंकि प्रतिदिन व्यायाम और योग करना स्वास्थ्य के लिये आवश्यक है अत: व्यायाम और योग वनों, हरे-भरे स्थलों, बाग-बगीचों, नदी या झील के समीप किया जाये तो शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य के लिये अधिक उपयोगी है। बच्चों को भी वनानुभव और प्रकृति-अनुभव कराइये। हरियाली से जुड़ाव बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए परम आवश्यक है। जीवन के प्रारम्भिक काल में प्रकृति से जुड़ाव मानव और प्रकृति के मध्य आजीवन सार्थक रिश्ता बनाने हेतु आवश्यक है। प्रकृति के साथ जुड़े रहिये। योग और व्यायाम कीजिये। आनंदित रहिये। स्वस्थ रहिये।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंगप्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

आओ राष्ट्र प्रेम, सनातन दक्षता की परीक्षा के लिये प्रश्न पत्र तैयार करें!!!!

महावीर सिंह

मॉर्निंग वर्क्स के ग्रुप्स में हुए गंभीर व मजाकिया अंदाज में हुए रोचक संवादों पर आधारित है यह लेख। दिमाग में भार लेने की कतई आवश्यकता नहीं, मुस्कराते रहिए। चर्चा पूरे जोर शोर से हो रही थी कि कौन राष्ट्र प्रेमी, राष्ट्र भक्त, राष्ट्रवादी, सच्चा सनातनी और कौन गद्दार? समूह के सबसे उम्र दराज व्यक्ति में कहा कि देश में जब तक हर आदमी ईमानदारी से अपना काम करता है, सभी देश प्रेमी है। लेकिन युवा साथी उनसे सहमत नजर नहीं आए। उन में से एक ने कहा बाहरी तौर पर तों सभी अपना अपना काम ठीक ठाक करते दिखते है लेकिन दिलों से देश के खिलाफ काम करते रहते है। आखिर उनकी बहसबाजी में वह बात निकल ही आई कि अत्यंत अल्प संख्या में कुछ लोग एक धर्म विशेष के लोगों की देश भक्ति हमेशा संदिग्ध बताते रहते है। ग्रुप के ज्यादातर समझदार लोग उनकी बात से असहमत नजर आए।

उस उम्र दराज बुजुर्ग में फिर समझाने का प्रयास किया कि सारे नागरिक देश प्रेमी हैं। हमें किसी की राष्ट्र भक्ति का इम्तिहान लेने का कोई अधिकार नहीं। अगर किसी की कोई गतिविधियां देश विरोधी लगती है तो देश की सरकार है, कानून है, इस पर कार्यवाही करने के लिए। किसी धर्म विशेष के सारे लोगों के लिए यों कहना पूर्णत: अनुचित है। बहुत सारे हिंदू दूसरे देश के हितों को साधते पकड़े जाते है और ऐसा ही मुस्लिम धर्म में भी है।यह व्यक्ति विशेष से जुड़े मामले है । ऐसे कतिपय उदाहरणों के आधार पर किसी पूरे धर्म के लोगों पर ऐसी तोहमत लगाना ठीक नहीं। यह देश की साझा संस्कृति के भी विपरित है।

एक कुछ जानकार से लगने वाले ने भी कहा, देखो, सुरक्षा एजेंसियां समय-समय पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी के लिए और अन्य प्रतिबंधित संगठनों के लिए काम करते हुए मुस्लिम, हिंदू दोनों समुदायों के संदिग्धों को पकड़ती आई है। देशभक्ति तो धर्म से भिन्न है, राष्ट्र के प्रति निष्ठा है। जो कोई राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता को खतरा नहीं पहुंचता वह देश भक्त है और जो इन्हें खतरा पहुंचता है वह राष्ट्र द्रोही है चाहे किसी मजहब को मानता हो। लेकिन ग्रुप के कुछ जोर से बोलने वाले सदस्य इस से संतुष्ट नहीं दिखे। उनका मानना था कि देश भक्ति हर व्यक्ति के व्यवहार, आचरण में दिखे, इसके कुछ मोटे-मोटे पैमाने तो होने ही चाहिए। बात चली की क्या टेस्ट होने चाहिए? एक अति उत्साही नौजवान बंदा बोला देखो कुछ साधारण साधारण प्रश्न पूछो हां या ना में उतर लो। इनके आधार पर उस बंदे को राष्ट्रवादी आदि के टेस्ट में पास अथवा फेल मानो।वैसे तो टेस्ट केवल गैर हिंदुओं के लिए ही होगा किंतु कुछ सिरफिरे हिंदुओं का भी टेस्ट लेना जरूरी है जो आए दिन सनातन और परम पूज्य धर्माचार्यों के विरुद्ध जहर उगलते रहते हैं। उस बुजुर्ग सदस्य ने फिर समझाने का प्रयास किया ---क्यों फालतू की माथापच्ची कर रहे हो।यह काम तो बहुत से अखबारों व टीवी चैनल्स के लिए संवाद तैयार करने वाले लोग और एंकर्स आदि बखूबी कर रहे है। क्या जरूरत है यह सब करने की। कुछ विशेष टीवी चैनल्स सुन लिया करो, भरपूर हास्य भी होगा और जो सामग्री चाहते हो वैसी चटपटी सामग्री खूब मिल जाएगी। अधिकतर युवाओं ने उसकी बात को अनसुना कर दिया। उन अति उत्साही लोगों ने, देश प्रेमी, राष्ट्रवादी होने या न होने का टेस्ट का प्रश्न पत्र यों तय किया गया::-

1. हिंदुओं को चार बच्चे पैदा करना लाजमी किया जाए और जो नहीं करें उन्हें आर्थिक रूप से, सरकारी सहूलियत वापिस लेकर दंडित किया जाए। जो इस से तत्काल सहमत हो वे ही सच्चे हिन्दू, सनातनी हैं।

उस बंदे में जोर देकर कहा कि कुछ बड़े धर्माचार्य, कुछ राष्ट्रीय - अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के सर्वेसर्वा ऐसा करना सनातन बचाने के लिए जरूरी मानते हैं। विश्व के एक बड़े संगठन के मालिक ने थोड़ी रियायत देकर संख्या तीन भी मान्य करदी है। किसी ने पूछ लिया यह सभी वर्णों के लिए एक समान होगा या अलग-अलग वर्ण वालों के लिए संख्या अलग-अलग होगी? उसी ने कहा देखो ज्यादा बच्चे करेंगे तो तो उनकी देखभाल, पढ़ाई, लिखाई में कोताही होगी।

इसीलिए संख्या वर्णानुसार ठीक रहेगी। जो हिंदू इस फतवे को नहीं माने उन्हें गद्दार, देश द्रोही तो नहीं कहें किंतु देश के प्रति उनकी वफादारी 100 प्रतिशत से कम ही है। इसलिए उन्हें संदिग्धों की श्रेणी में रखा जाए।

2.गैर हिंदू बंदों से पूछा जाए कि उन्हें वंदे मातरम गाने में कोई आपत्ति? अगर आपत्ति हो तो उनके विरुद्ध तत्काल देशद्रोह की शिकायत करो। अगर वंदे मातरम गाएं तो देश के प्रति वफादारी की एक शर्त पास।

3.गैर सनातनी व्यापारियों,टैक्सी रिक्शे वालों,खानपान की दुकान - ढाबा - स्टाल लगाने वाले हिंदू देवी देवताओं के नामों का उपयोग ठाहकों को भ्रमित करने, धर्म भंग करने के प्रयास के लिए किया जाता है।उन्हें यह नाम हटाने के लिए आदेश दो।यदि संबंधित दुकानदार आदि मान जाएं तो टेस्ट में पास मानों वरना स्थानीय धार्मिक नाम की किसी सेना को बुला कर पाठ पढ़ा दो जैसे हमारे ज्यादा बहादुर भाई कई जगह करते हैं।

3. पाकिस्तान मुर्दाबाद का नारा भी लगवाया जा सकता है। बोले तो पास वरना हर टाइम पुलिस में क्यों जाना तत्काल मौके पर ही कुछ जोर आजमाइश कर डालो!!!!

4. यह पूछ लिया जाए कि जो राम जादे नहीं उन हरामजादों को पाकिस्तान जाना चाहिए या नहीं? जो इस से सहमत हों वे देश प्रेमी, राष्ट्रवादी वरना तुम सच्चे देश भक्तों की तरह से मौके पर ही कुछ फौजदारी कर डालो बशर्ते ऊपर के संरक्षकों की मौन सहमति हो। उनमें से एक बोल पड़ा, यारो रामजादे, हरामजादे का मतलब क्या है, समझाओ तो सही, मुझे ही नहीं पता??!!

5. कुछ तथाकथित हिंदू भी गैर सनातनी काम करते है। शास्त्रों के अनुसार जिस वर्ण का जो काम है उससे हट के उच्च वर्ण वालों का काम करने लग जाते है, जैसे धार्मिक कथा वाचन तो वे भी 100 प्रतिशत हिंदू निष्ठा वाले नहीं। ऐसा करने वाले समझाने पर समझ जाएं और केवल उनके लिए शास्त्रों में निर्धारित कर्म ही करें तो ठीक वरना मौके पर ही हल्की-फुल्की पुलिसिया कार्यवाही कर मनवा डालों। इस प्रकार की स्थानीय जोर आजमाइश को जायज मानने वाले सारे सनातनी और नहीं मान ने वालों को हराम जादे वाली श्रेणी में रख दो।

6. धार्मिक सेनाओं द्वारा गौतस्करों के साथ मार पीटाई, लिंचिंग आदि, स्वप्रेरणा से धर्म की रक्षा व ध्वजा को ऊंचा रखने वाली कोई भी स्थानीय स्तर की पुलिसिया कार्यवाही वाला काम अपराध नहीं माना जाए। जो सहमत हो वे सनातनी है बाक़ी संदिग्ध निष्ठा वाले हिंदू।

7. जो हिंदू लड़की मुस्लिम लड़के से प्यार का इजहार करे, शादी करे, उसके माता-पिता को हिंदू धर्म से बहिष्कृत करना देश प्रेम की पहचान होगी। जो इस से सहमत हैं वे ही सच्चे हिन्दू है। मुस्लिम लड़के और उसके परिवार वालों के विरुद्ध स्थानीय धर्म सेना को बुलडोजर टाइप एक्सन की पूरी छूट हो!!!! जो मुसलमान लव जिहाद को हिंदू धर्म विरोधी कृत्य मानते हों तो ठीक अन्यथा देश भक्त श्रेणी से बाहर। ऐसे लोगों को मौके पर ही सबक सिखाओ।पुलिसिया कार्यवाही में तो वर्षों लगते हैं और तब तक तो पता नहीं, विधर्मी कितने लव जिहाद कर डालें!!!!

8. कुछ ओर मानक भी है सच्चे देश भक्त प्रमाण पत्र के लिए यथा हलाल प्रोडक्ट्स का बहिष्कार करना देश भक्ति है और ऐसी वस्तुओं के उत्पादक को देश द्रोही मानें जाएं। एक ने दबी जबान में कहा यह थोड़ा ज्यादा नहीं हो जाएगा, निर्यातकों को कुछ छूट होनी ठीक लगती है, वे लोग देश के लिए ही तो कमाते हैं!!

9. कैफे, होटल्स आदि में महिलाएं भड़काऊ कपड़े पहन कर नहीं जाएं, यह हिदायत, फरमान देना, पाकिस्तानी उत्पादों का बहिष्कार, हिंदू संगठनों के व्हाट्सएप पोस्ट्स को बिना देरी दूसरे ग्रुप्स में तुरंत फॉरवर्ड करना आदि काम करने वालों को उच्च श्रेणी हिंदू का सम्मान देना चाहिए। कुछ धर्माचार्यों द्वारा सुझाए नए अनुष्ठानों को तत्काल पूर्ण निष्ठा से स्वीकार करना भी सच्चे सनातनी का काम है, जैसे "दिव्य सन्तान गर्भधारण संस्कार" जो नया नया है, जन्म से लेकर अंत्येष्टि तक के पहले प्रचलित 16 संस्कारों के अतिरिक्त नया है।

अंत में फिर हिम्मत की उस बुजुर्ग ने और पूछा कि यह टेस्ट लेगा कौन? किसी ने कहा गांव मोहल्ला स्तर पर 100 प्रतिशत कट्टर सनातनियों की कमेटी बनाई जाए और वह टेस्ट ले और सही या संदिग्ध निष्ठा वाले सनातनी होने का प्रमाण पत्र जारी करे।यही कमेटी देश प्रेमी, राष्ट्रवादी होने या नहीं होने का भी सर्टिफिकेट जारी करे। अभी तो बड़ा कंफ्यूजन है। हर कोई, हर जगह इस प्रकार के प्रमाण पत्र जारी करने को बेताब है। एक के द्वारा जारी प्रमाण पत्र दूसरा मान भी लें, नहीं भी मानें। तो फिर क्या होगा??

युवाओं का जवाब था, ऐसे प्रमाण पत्रों की तहसील, जिला, प्रदेश, राष्ट्रीय स्तर तक मान्यता हो, इसके लिए कोई केंद्रीय कमेटी होनी चाहिए। इसलिए सर्वोच्च धर्माचार्यों की उच्चस्तरीय कमेटी, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी जैसी कोई एजेंसी बनाए जो राष्ट्रीय स्तर की मान्यता चाहने वालों का साल में एक, दो, तीन बार टेस्ट ले, रिजल्ट निकाले, प्रमाण पत्र जारी करे। जब तक यह एजेंसी नहीं बने तब तक स्थानीय कमेटियां यह काम करें। किसी भी स्थानीय कमेटी द्वारा जारी प्रमाण पत्र कम से कम तहसील स्तर पर तो मान्य हो वरना विभिन्न कमेटियों द्वारा जारी प्रमाण पत्रों में ही लड़ाई की आशंका रहेगी। उसे सुलझाने के लिए कोई नई कमेटी बनानी पड़ेगी।

समझदार बुजुर्ग बंदे ने फिर समझाने का प्रयास किया कि विद्वानों का मानना है "मन में राम, रहीम हो तो, मंदिर मस्जिद सब बेमानी है। मस्जिद, मंदिर के अस्तित्व अवधि से, कोमें अधिक पुरानी है।" धर्मगुरु/ जगदगुरु (झगड़ गुरु !!!!!!)/ पादरी/ पोप/ लामा/ मौलवी/ जो भी ईश्वर के करीब होने का दावा करते है (कई तो अपने आप को ईश्वर के प्रतिनिधि ही कहते है) वो ?? केवल और केवल भ्रम फैलाते है। यह लोग और बहुत सारे पॉलिटिशियंस धार्मिक उन्माद से अपनी रोटियां सेकते है।

वर्तमान में ऐसे उन्मादी, नफरती शब्दों, जुमलों, कार्यवाहियों को लेकर समाज में जैसा डरावना परिदृश्य बनता है उस पर एक साहित्य कर्मी ने लिखा है। "मुझे नहीं पता कि आज यदि संजय होते तो इन स्थितियों का वर्णन धृतराष्ट्र के सामने कैसे करते किंतु इस नफरती माहौल में संजय के लिए, (जो केवल देख रहा था वहीं बता रहा था) किसी ने क्या सटीक पंक्तियां कही हैं"। वो खुले आम खोलता है खिड़कियां सच की,,चलो बचाएं उसे मार न डाले कोई।"

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की जिंदगी सस्ती नहीं हैं

राजेन्द्र जोशी

पिछले लंबे समय से जर्जर होते स्कूल भवन गिर रहे हैं। उसके बाद उसकी जांच शुरू होती है। मामला माननीय न्यायालय तक जाता है। और फिर सभी जर्जर भवनों की पहचान और सर्वे प्रारंभ होता हैं। परंतु राजकीय भवनों के रखरखाव की कार्य योजना धरातल पर नजर नहीं आती, तीन दशक पहले तक सरकारी विद्यालयों का उजला पक्ष रहा है। राजकीय विद्यालय जो कि सरस्वती के मंदिर हैं सरकार की जिम्मेदारी में शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों प्राथमिकता से होना चाहिए। सरकारी विद्यालयों का वातावरण आनंदमयी होना चाहिए।

।देश में सरकार और निजी क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था का नियंत्रण सरकार के पास है ऐसे में जितनी जिम्मेदारी निजी क्षेत्र की है, उससे अधिक जिम्मेदारी सरकार की होनी चाहिए। और सरकारी विद्यालयों की देखरेख के लिए सरकार के पास पूरा लवाजमा मौजूद है।

स्कूल नियमों से संचालित होते है। निजी क्षेत्र में संचालित होने वाले शिक्षण संस्थाओं को उत्कृष्ट क्यों बताया जाता है। जबकी सरकारी विद्यालय में धन अधिक खर्च होता है लेकिन उनका मूल्यांकन ही नहीं किया जाता। निजी क्षेत्र के स्कूल प्रबंधन को सरकार मान्यता देती है, मान्यता के लिए सरकार द्वारा नियमावली बनाई गई है।

सरकारी नियमों के अनुसार निजी विधालय नहीं चले तो उनकी मान्यता रद्द करने का प्रावधान किया गया है। उनका भवन, उनकी पद्धति और सरकार के बने हुए नियमों के अनुरूप किसी भी स्कूल को होना अनिवार्य होता है। और होना भी चाहिए। आखिरकार बच्चों का और देश के भविष्य का सवाल हैं। कायदा प्रत्येक स्कूल पर लागू होना चाहिए।

स्कूल सरकार भी खोलती है। यहां सवाल यह उठता है कि आखिर सरकारी स्कूल के संचालन को नियमों से चलाने की जिम्मेदारी किसकी है? क्या सरकार स्कूल खोलते वक्त नियमों का पालन करती है। सरकारी स्कूल में भी देश के बच्चें पढ़ने जाते हैं। फिर दोहरे मापदंड क्यों? सरकार में पढ़ने वाले बच्चों की जिंदगी सस्ती नहीं हैं। अथवा उनकी जिंदगी की कोई कीमत नहीं हैं। और निजी विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों की हिफाजत की सरकार को चिंता होना स्वागत होग्य है। ऐसे में सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों की चिंता कौन करेगा। यह शिक्षा विभाग को जवाब देना पड़ेगा। वह तो अपनी लापरवाही पर आंसू भी नहीं बहा सकते।

होना यह चाहिए कि साधन-सम्पन्न सरकार सरकारी विद्यालयों को नियमों से संचालित करें। खुद के बनाए हुए नियम अपनी स्कूलों पर लागू क्यों नहीं करना चाहती सरकार। इस पर ध्यान देने के लिए सरकार के पास या तो समय नहीं है, या आबादी बढ़ने के कारण उनके नियंत्रण में नहीं है। स्कूल भवन सुरक्षित हो, समय-समय पर उनकी देखभाल होनी चाहिए। सरकारी स्कूल भवन के देखभाल की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत स्तर पर निर्धारित हो।

सरकार को विकेंद्रीकरण की दृष्टि से काम करना होगा। प्रशासनिक दृष्टि से ग्राम पंचायत सबसे छोटी इकाई के रूप में कार्यरत रही है। ग्राम पंचायत क्षेत्र में जिला परिषदों द्वारा धन उपलब्ध करवाया जाता है, जिसका उपयोग कल्याणकारी कार्यों में किया जाता है। होना यह चाहिए कि ग्राम पंचायत स्तर पर प्राथमिकताएं निर्धारित कि जाए। सरकारी स्कूल भवन सुरक्षित नहीं रहेंगे तो बार-बार सरकारी स्कूलों की छत गिरेगी। मासूम बच्चे या तो दब जाते हैं और फिर उनकी जान तक चली जाती है।

उस समय स्पष्ट रूप से सरकार का सिस्टम फेल दिखाई देता है, दबे हुए बच्चों को निकालते और जर्जर स्कूलों की तस्वीर समाचार पत्रों में प्रकाशित होती हैं। वह तस्वीर खुद बोलती हुई पाठक के पास अपना दर्द बयां करती है।

सरकार के कान में जूं तक नहीं रैगती , वैसे भी शिक्षा में राजनीति अधिक होती है और जब-जब भी स्कूल भवन जर्जर होते हुए गिरते है,अनेक बार बच्चे नीचे दबकर मर भी जाते हैं। हादसा बड़ा होता है तो सरकार में बैठी सत्ता की पार्टी विपक्षी पार्टी को कोसने लगती हैं। आरोप-प्रत्यारोप शुरु होता है। ऐसी घटनाओं से सबक लेकर भविष्य में ऐसी घटनाएं न हो इस पर विचार प्रारंभ होना चाहिए। इस आपदा से निजात पाने के लिए सरकार ग्राम पंचायत को इकाई मानकर काम करें। छोटे स्तर पर जवाबदेही तय होने पर शिक्षा सहित किसी भी क्षेत्र में हादसे की संभावना कम होगी।

ग्राम पंचायत में जो धनराशि वार्षिक रूप से आवंटित की जाती है उसके व्यय करने से पहले ग्राम पंचायत की आवश्यकताओं को भी वार्षिक रूप से प्राथमिकताओं से तय किया जाना चाहिए। जबकि देखा यह गया है की प्राथमिकता स्कूल भवन बनाने की होती ही नहीं है। और बिना बरसात के तालाब खोदा जाता है और आंधी-तूफान के बाद जब तालाब फिर रेत से भर जाता है तो फिर अगले बरस उसी तालाब को खोदने का काम किया जाता है। देखा जाए तो धन की कमी नहीं है।

प्रबंधन की लापरवाही स्पष्ट रूप से देखी जाती है। हमारे यहां जवाबदेही कभी तय नहीं होती, सोशल ऑडिट नहीं होने से सरकारी अधिकारी-कर्मचारी बिना काम किये सेवानिवृत्त होकर घर चले जाते हैं। नरेगा योजना चल रही है जिसमें निर्माण कार्य सतत रूप से संचालित किए जाते हैं। ऐसे में स्कूलों का निर्माण क्यों नहीं होता। सरकार हमारी नींव को कमजोर क्यों करना चाहती है ? सरकार ही सरकारी विद्यालयों में बच्चों को क्यों नहीं सुरक्षित रखना चाहती। बुनियादी सवाल यह है कि गैर सरकारी शिक्षण संस्थान से पहले सरकारी शिक्षण संस्थाओं की देखभाल करे। इमारत की सुरक्षा का प्रमाण पत्र शिक्षा विभाग एवं समग्र शिक्षा विभाग में बैठे हुए अधिकारी क्यों नहीं देते।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद्-साहित्यकार

राशिफल रविवार 8 फरवरी, 2026

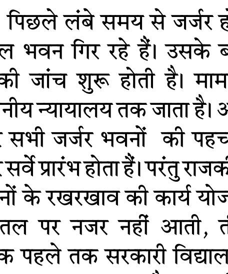

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, स्वाती नक्षत्र सोमवार प्रात: 5:03 तक, गंड योग रात्रि 12:08 तक, विष्टि करण दिन 3:58 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मकर, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-कुम्भ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात है। भद्रा दिन 3:58 तक है। बुध उदय पश्चिम में सायं 6:17 पर होगा। आज श्रीनाथ जी पाटोत्सव है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:35 से 9:57 तक, लाभ-अमृत 9:57 से 12:41 तक, शुभ 2:03 से 3:25 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:13, सूर्यास्त 6:08

मेष
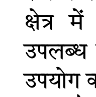

परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

वृष

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मिथुन
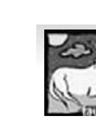

महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

कर्क
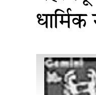

घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सिंह
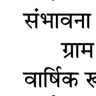

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आज महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

तुला

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। मन:स्थिति ठीक रहेगी। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

धनु
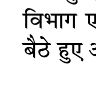

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
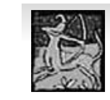

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मीन
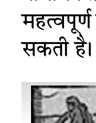

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Justice of Patiala and His First Murder Case

Baba Khadak Singh's reputation as a fair and wise leader spread throughout the region of Patiala, where he was seen not only as a spiritual leader but also as someone who could offer counsel in matters of legal disputes

Geopolymer Theory of the Great Pyramid of Giza

राहुल गांधी काफी निराश हैं, अपनी पार्टी के राज्यसभा सदस्यों से

निराशा का कारण है, इन सदस्यों का एक तरह से ''सरैण्डर'' सा होना मोदी व भाजपा के समक्ष राज्यसभा में

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- राहुल की निराशा, इस समय विशेष महत्व रखती है, क्योंकि कांग्रेस के 7 राज्यसभा सदस्य रिटायर हो रहे हैं तथा पार्टी के ग्यारह नेता पुनः निर्वाचित होंगे। मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा किसी का टिकट पक्का नहीं है।
- राहुल चाहते हैं, युवा ब्रिगेड के सदस्य भेजे जाएं, राज्यसभा में सदस्य के रूप में, जो मोदी सरकार व भाजपा का जमकर मुकाबला कर सकें सदन में, जैसा राहुल के अनुसार, कांग्रेस ने लोकसभा में किया।
- पर, दिक्कत यह है कि राहुल की युवा ब्रिगेड का न इतना अध्ययन है, न ही अनुभव, कि मोदी सरकार का सामना कर सके, सदन में।
- राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ''सोशल इंजीनियरिंग'' पर फोकस कर रही है, जहाँ तक, राजनीतिक नियुक्तियों का सवाल है। अतः अब थक हारकर, शायद कांग्रेस को अपना फोकस थोड़ा बदलना पड़ेगा। सोशल इंजीनियरिंग के ''कोटे'' में छोटा कोटा, उन नेताओं का भी बनाना होगा, जिन्हें संसद की कार्यवाही की जटिलता व राजनीतिक समझ पर गहरी पकड़ हो, जिससे कांग्रेस राज्यसभा में प्रभावशाली प्रदर्शन कर सके।

नई दिल्ली, 7 फरवरी। कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लोकसभा में बोलने से रोकने में सफल रही। वे राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का उत्तर देने में असमर्थ रहे।

लेकिन यही बात राज्यसभा के बारे में नहीं कही कहा जा सकती।

विपक्ष ने शोर तो मचाया, लेकिन उसका कोई खास असर नहीं हुआ। थोड़ी देर बाद, विपक्ष वॉकआउट कर गया। प्रधानमंत्री ने राज्यसभा से अपना उत्तर दिया और उन्हें पूरी स्वतंत्रता मिली।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी इस बात से काफी नाराज़ हैं कि राज्यसभा में कांग्रेस के नेता मोदी और भाजपा का मुकाबला बेहतर ढंग से नहीं कर पाए। उनका मानना है कि राज्यसभा के वर्तमान कांग्रेसी सदस्य गुलाम नबी आज़ाद के दौर के हैं और वे (राहुल) चाहते हैं कि उच्च सदन में नए, युवा नेता आएं, जो भाजपा का प्रभावी मुकाबला कर सकें।

राहुल गांधी पहले भी युवा और आक्रामक नेताओं को राज्यसभा में लाये थे, जिन्हें ''शोर मचाने वाली ब्रिगेड'' कहा गया, जिन्होंने सदन में जोरदार उपस्थिति दर्ज कराई और कांग्रेस की आवाज़ सुना जाना सुनिश्चित किया।

राज्यसभा चुनाव नज़दीक हैं, और ऐसा समझा जा रहा है कि राहुल गांधी बोलने में प्रवीण युवा नेताओं की तलाश में हैं जो ऊपरी सदन में हलचल पैदा कर सकें। समस्या यह है कि राहुल गांधी के कृपा-पात्र अधिकांश नेता मोदी के खिलाफ प्रभावी साबित होने के लिए न तो आवश्यक राजनीतिक समझ रखते हैं और न ही पर्याप्त क्षमता।

कांग्रेस के 7 राज्यसभा सदस्य सेवानिवृत्त हो रहे हैं और 11 पुनर्निर्वाचित होने जा रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा में तीन मंजिला बिल्डिंग ढही

कोटा, 07 फरवरी। शहर के कोचिंग हब इलाके में शनिवार रात एक बड़ा हादसा हुआ। जवाहर नगर थाना क्षेत्र के इंद्र विहार में ओपेरा हॉस्पिटल के नजदीक एक तीन मंजिला बिल्डिंग अचानक भरभराकर ढह गई। इस हादसे में मलबे के नीचे कई लोग दब गए हैं। जिनमें कोचिंग छात्रों के भी शामिल होने की आशंका है। बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर

- कोचिंग छात्रों सहित कई लोगों के दबे होने की आशंका।

पर तीन अलग-अलग रेस्टोरेंट चल रहे थे, जिनमें मुरादाबादी नॉन-वेज रेस्टोरेंट प्रमुख था। नीचे दुकानों में ग्राहक और कर्मचारी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि बाहर बाइक पार्किंग एरिया में बैठे कुछ लोग भी प्रभावित हुए हैं।

जानकारी के अनुसार, घटना के समय तेज आवाज आई, जिसे कुछ लोगों ने ब्लास्ट जैसा बताया और पूरी इमारत ढ ह गई। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन, नगर निगम की टीमें, सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ की कंपनियां मौके पर पहुंच गईं। रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से चलाया जा रहा है। अब तक आधा दर्जन से ज्यादा लोगों को बाहर निकाला गया है जिनमें कुछ कोचिंग छात्र भी शामिल हैं। सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है।

अमेरिका ने अपने नक्शे में पूरे कश्मीर को भारत का हिस्सा दिखाया

सरकार द्वारा जारी नक्शे, कई स्तर पर अवलोकन व पुनरावलोकन के बाद ही जारी किए जाते हैं, अतः अमेरिका द्वारा जारी इन नक्शों में पूरे पाक अधिकृत कश्मीर, अक्साई चिन व अरूणाचल को भारत का हिस्सा स्वीकार करना अमेरिका की विदेश नीति में भारी परिवर्तन दिखलाता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- अमेरिका अब इस कृत्य से यह संदेश दे रहा है कि हालांकि, पाकिस्तान अभी सामरिक दृष्टि से अमेरिका के लिए महत्व रखता है, पर, पाकिस्तान का अब, इस क्षेत्र में भारत के बराबर का महत्व नहीं है और अमेरिका ने यह मैसेज दिया है कि वह दक्षिण एशिया को अब नई जमीनी सच्चाई की दृष्टि से देखता है, पुराने मतभेदों व विवादों के ऐनक के जरिए से नहीं।

नई दिल्ली, 7 फरवरी। पाकिस्तान के लिए इसे एक बहुत बड़ा झटका माना जा रहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के ट्रेड प्रतिनिधि (यू.एस.टी.आर.) ने भारत के साथ अंतरिम व्यापार ढांचे पर आधिकारिक जानकारी के हिस्से के रुप में एक नक्शा प्रकाशित किया है। इस नक्शे में जम्मू-कश्मीर का पूरा क्षेत्र, जिसमें पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पी.ओ.के.) भी शामिल है, भारत का हिस्सा दिखाया गया है, बिना किसी बाउन्ड्री लाइन या शेडिंग के। डिप्लोमैटिक शब्दों में, यह कोई मामूली डिज़ाइन चॉइस नहीं है, यह एक संकेत है।

इस नक्शे में अक्साई चिन भी दिखाया गया है। यह एक ऐसा इलाका है, जिस पर चीन का कंट्रोल है, लेकिन इस पर भारत दावा करता है, और अरुणाचल प्रदेश जैसे क्षेत्र भी, भारत के ऑफिशियल पॉलिटिकल मैप के मुताबिक, भारत की सीमाओं के अंदर हैं।

यह तस्वीर यू.एस.टी.आर. की एक पोस्ट के साथ साझा की गई थी, जिसमें ट्रेड फ्रेमवर्क के तहत अमेरिका के बाजार में पहुँच बढ़ाने पर जोर दिया गया था, जिसमें दोनों देशों के बीच होने वाले ट्रेड के सामानों पर लगने वाले शुल्क का जिक्र था।

सरकारों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले नक्शे शायद ही कभी गलती से बनाए जाते हैं। उन्हें कई स्तरों की सरकारी प्रक्रिया से मंजूरी मिलती है, क्योंकि उनका राजनीतिक अर्थ उनके सीधे संदर्भ से कहीं ज्यादा हो सकता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका के साथ आनन-फानन में ''सीक्रेट डील'' कर रहा है बांग्लादेश

डील का कोई भी प्रावधान सार्वजनिक रूप से उजागर नहीं किया जाएगा व संसद में भी पेश नहीं होगा

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- बांग्लादेश के अर्थशास्त्री व राजनैतिक दलों ने इस पर सवाल उठाया और कहा कि ऐसी डील करने का अधिकार चुनाव के बाद निर्वाचित सरकार का होना चाहिए, यूनुस का नहीं।
- डील के तहत अमेरिकन सामान, खासकर वाहन, बिना किसी जाँच के बांग्लादेश के बाज़ार में बेचे जाएंगे। सूत्रों के अनुसार, भारत के साथ अमेरिकन ट्रेड डील से चिंतित होकर बांग्लादेश यह डील कर रहा है।

नई दिल्ली, 7 फरवरी। भारत और अमेरिका के बीच मुक्त व्यापार समझौते (फ्री ट्रेड एग्रीमेंट-एफ़टीए) के औपचारिक रूप से लागू होने के तुरंत बाद, और बांग्लादेश के चुनावों से मात्र तीन दिन पहले, मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार अमेरिका के साथ आनन-फानन में पारस्परिक शुल्क (रेसिप्रोकल टैरिफ) पर एक समझौता करना चाहती है।

इस समझौते में गोपनीयता (नॉन-डिस्क्लोज़र) की शर्त होगी, यानी व्यापार और टैरिफ से जुड़ी बातचीत को जनता से गुप्त रखा जाएगा। रिपोर्टों के अनुसार, किसी भी मसौदा समझौते को न तो संसद के सामने रखा गया है और न ही बांग्लादेशी उद्योग जगत के प्रमुख हितधारकों के साथ साझा किया गया है। इससे बांग्लादेश में चिंताएँ पैदा हो गई हैं, क्योंकि ऐसे महत्वपूर्ण फैसले लेना तो नई निर्वाचित सरकार का अधिकार होना चाहिए था। फेसबुक पर एक पोस्ट में एक बांग्लादेशी अर्थशास्त्री ने ''राष्ट्रीय चुनावों से चन्द रोज़ पहले, यूनुस सरकार द्वारा बंदरगाह लीज़ पर देने, हथियार आयात करने और अमेरिका के साथ अधीनता वाले समझौते करने की जल्दबाज़ी पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब ''पूरी तरह अपारदर्शी, तर्कहीन और अनियमित तरीके'' से किया जा रहा है।

रिपोर्टों के मुताबिक, इस सौदे के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टी-20 विश्व कप के बहिष्कार पर पाक का यू टर्न

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 फरवरी। उम्मीद है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) 15 फ़रवरी को कोलंबो में होने वाले

- पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि श्रीलंका क्रिकेट के आग्रह पर वह टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के साथ नहीं खेलने के रूख पर पुनर्विचार के लिए सरकार से बात करेगा।

टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार पर पुनर्विचार करने के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'क्या अनिल अंबानी ने एप्स्टीन से महिला से सानिध्य की मांग की थी, ई-मेल भेजकर?'

जैफरी एप्स्टीन फाइल्स के नए कागज़ात, जो हाल ही में प्रकाशित हुए, ने यह उपरोक्त जानकारी उजागर करके भारत की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में कई तकलीफ देह सवाल उठाए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- पहला और सबसे महत्वपूर्ण सवाल है, भारत की सुरक्षा से जुड़े, अस्त्र-शस्त्र सप्लाई करने वालों के ''बैकग्राउण्ड'' (पृष्ठभूमि) की बारीकी से छानबीन की व्यवस्था केवल एक घोषित ''दावा'' ही है।
- अनिल अंबानी को 30,000 करोड़ रूपए में फ्रांस से खरीदे जा रहे राफेल विमान की खरीद व भारत में इनके मैन्युफैक्चर में पार्टनर की भूमिका निभाने की इजाज़त देने से पहले क्या सप्लायरों की भी जाँच हुई थी। अगर हुई थी तो जाँच की रिपोर्ट में क्या कहा गया था?
- अंबानी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि किसी संदिग्ध व्यक्ति की फाइल में नाम का उल्लेख होना, किसी अपराध का सबूत नहीं माना जा सकता।

नई दिल्ली, 7 फरवरी। दिवंगत कुख्यात फाइनैंसर जैफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेज़ों के सार्वजनिक होने से भारत में एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। इन दस्तावेज़ों में उद्योगपति अनिल अंबानी का नाम सामने आने के बाद कॉरपोरेट ताक़त, राजनीतिक प्रभाव और राष्ट्रीय हितों के आपसी रिश्तों पर तीखी बहस छिड़ गई है।

एपस्टीन से जुड़े अमेरिकी अदालत की कार्यवाहियों के तहत हाल ही में सार्वजनिक किए गए दस्तावेज़ों के अनुसार, मार्च 2017 की निजी बातचीत में अनिल अंबानी का नाम दर्ज है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया और राजनीतिक टिप्पणीकारों द्वारा व्यापक रूप से उद्धृत किए जा रहे एक संदेश में कथित तौर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में ओबामा और उनकी पत्नी को बंदर के रूप में दिखाया

ट्रंप की इस पोस्ट पर अमेरिका में भारी विरोध हो रहा है, लेकिन ट्रंप ने इस पर खेद जताने से इन्कार कर दिया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- ट्रंप की इस शर्मनाक हरकत पर सभी अमरीकी, चाहे वो डैमोक्रेटिक पार्टी के हों या रिपब्लिक पार्टी के या तटस्थ सोच वाले, स्तब्ध हैं। रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं ने भी कहा कि ट्रंप को इस पर माफी मांगनी चाहिए।
- ट्रंप की इस पोस्ट को उनकी नस्लवादी सोच का परिचायक बताया जा रहा है। मीडिया भारी दुविधा में है, क्योंकि अगर वीडियो की खबर दिखाता है तो उस पर इस घृणित वीडियो का प्रचार करने का आरोप लग सकता है और नहीं दिखाता है तो इतनी बड़ी घटना की उपेक्षा करने का दोष लग सकता है।

नई दिल्ली, 7 फरवरी। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की है, जिसमें पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा को जंगल में बंदरों के रूप में दिखाया गया है। इस पोस्ट से अमेरिका में भारी हंगामा मच गया है।

यह आपत्तिजनक सामग्री 2020 के चुनाव में कथित वोटिंग मशीन धोखाधड़ी और चुनाव परिणाम ''चुराए जाने'' से जुड़े एक वीडियो के अंत में दिखाई देती है। वीडियो अचानक खत्म होता है और उसमें ओबामा दंपती के चेहरों को बंदरों के शरीर पर दिखाया जाता है। शुरुआत में वाइट हाउस ने इस वीडियो क्लिप को अप्रासंगिक बताकर टालने की कोशिश की, लेकिन इसके बाद ऐसा तूफान उठा कि वाइट हाउस के सहायकों को अपने रुख पर दोबारा विचार करना पड़ा।

रिपब्लिकन हों, डेमोक्रेट हों या तटस्थ हों, लगभग सभी अमेरिकियों को इस पोस्ट ने नाराज़ कर दिया है। अधिकांश अमेरिकी डॉनल्ड ट्रंप के व्यवहार और उनकी इस अशोभनीय हरकत के लिए माफी न मांगने के अड़ियल रवैये से स्तब्ध हैं। लोग इस घटनाक्रम को ''अत्यंत आपत्तिजनक'' बता रहे हैं। कई रिपब्लिकन नेताओं ने भी राष्ट्रपति से इस घटना के लिए माफी मांगने की मांग की है। लेकिन एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने माफी मांगने से इनकार कर दिया।

वाइट हाउस के प्रवक्ताओं ने सफाई दी कि यह पोस्ट राष्ट्रपति के सोशल मीडिया अकाउंट पर वाइट हाउस के एक जूनियर स्टाफ सदस्य द्वारा अपलोड की गई थी। जब इस आपत्तिजनक मीम की ज़ोरदार और व्यापक निंदा होने लगी, तब इसे हटा दिया गया। हालांकि, इस शर्मनाक व्यवहार पर शर्मिन्दा होने के बजाय, राष्ट्रपति कार्यालय के अधिकारियों ने इस घटना को मामूली बात बताने की कोशिश की और दोषी की पहचान बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने केवल इतना कहा कि पोस्ट हटा दी गई है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि यह आपत्तिजनक पोस्ट पूरे बारह घंटे तक ऑनलाइन रही, उसके बाद ही हटाई गई। समाचार चैनलों में इस बात पर बहस चल रही है कि इस घटनाक्रम को कैसे डील किया जाए। वे असमंजस में हैं कि राष्ट्रपति के आधिकारिक हैंडल पर जो हुआ है, उसे दिखाया जाए या नहीं। एंकर इस दुविधा में हैं कि यदि पोस्ट दिखाई गई तो कहीं उसे और प्रचार तो नहीं मिल जाएगा। वहीं, यदि नहीं दिखाया गया तो इस घृणित कृत्य की गंभीरता जनता के सामने कैसे आएगी। लेकिन, जो भी हो, इस घटना ने डॉनल्ड ट्रंप के समर्थकों और कट्टर रिपब्लिकनों तक को हिलाकर रख दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस पोस्ट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा की रितु तावड़े बनीं मुम्बई की मेयर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 फरवरी। भाजपा की ऋतु तावड़े मुंबई की नई मेयर होंगी। इसके साथ ही, 25 साल में पहली बार यह पद शिवसेना के अलावा किसी अन्य

- 1997 से अब तक मुम्बई के मेयर का पद शिव सेना (यूबीटी) के पास था।

पार्टी के पास जाएगा।

घाटकोपर की पार्षद ऋतु तावड़े इससे पहले बृहन्मुंबई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) की शिक्षा समिति की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संक्षिप्त

महिला की हत्या कर गहने टूटने का आरोपी गिरफ्तार

बौंली- बामनवास। क्षेत्र के कोडियाई ग्राम के माल में बकरियां चरा रही 65 वर्षीय वृद्ध महिला कमला देवी मीणा की नसंह हत्या कर गहने लूटने की आरोपी रामलाल जोगी उम्र 47 वर्ष निवासी कोडियाई थाना बौंली जिला सवाई माधोपुर को जिला पुलिस की विशेष टीम ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है बौंली पुलिस थाने पर आयोजित पत्रकार वार्ता में सवाई माधोपुर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल ने बताया कि 3 फरवरी को मृतका के पुत्र हंसराज मीणा ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारदार हथियार से गर्दन व दोनों पैर काटकर निर्मम हत्या कर देने एवं चांदी के कड़े, कानो के कुंडल, गले की चेन लूटने का मामला दर्ज कराया था।

कैंसर इंस्टीट्यूट का उद्घाटन

जयपुर। कालवाड रोड पर स्थित चिरायु अस्पताल में जगद्गुरु निम्बार्काचार्य श्री श्याम शरण देवाचार्य श्री जी महाराज ने रेडिएशन थेरेपी के लिए लेटेस्ट लीनियर मशीन का पूजन कर अत्याधुनिक चिरायु कैंसर इंस्टीट्यूट का उद्घाटन किया अस्पताल प्रबंधन ने महाराज जी के पैर धोकर पूजन किया और चेयरमेन डॉ मनोज चौधरी ने स्वागत किया और डाइरेक्टर मंजू चौधरी और डॉ निक्की पुनिया ने महाराज को शाल ओढ़ाकर भेंट प्रदान की कार्यक्रम संयोजक सर्वेश्वर शर्मा ने बताया कि श्रीजी महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि सबसे पहले में चिरायु हॉस्पिटल परिवार को शुभकामनाएं प्रदान करता हूँ और बड़े ही हर्ष की बात है कि इन्होंने रेडिएशन के लिए स्वदेशी मशीन लगाई है

चिकित्सा शिविर का समापन

दूदू। नगर पालिका मुख्यालय के एक निजी गार्डन में राष्ट्रीय आयुष मिशन एवं आयुर्वेद विभाग जयपुर ब क्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 10 दिवसीय निशुल्क अंतरंग अर्श भगंदर क्षार सूत्र शल्य चिकित्सा शिविर का समापन आज किया गया शिविर के दौरान कुल 5388 रोगियों का लाभान्वित किया गया। समापन के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों की टीम व कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया शिविर समापन पर लाभान्वित हुए रोगियों ने विचार व्यक्त कर बताया कि पाइल्स की बीमारी से कई वर्षों से परेशान चल रहे थे का हमारा यहां शिविर में सफल ऑपरेशन चिकित्सकों द्वारा किया गया जो क्षेत्र की जनता के लिए आयुर्वेदिक विभाग की और से वरदान साबित होगा।

किशनगढ़ बास में हिंदू सम्मेलन आज

किशनगढ़ बास। विराट हिन्दू सम्मेलन रविवार को सुबह 11 बजे अलवर रोड दशहरा मैदान पर संत कमल दास महाराज छतरी वाले भिडूसी के सानिध्य में आयोजित होगा। इस सम्मेलन में मुख्य वक्ता डॉ मोनिका रस्तोगी होगी। कार्यक्रम के अध्यक्ष मदन लाल गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। शहर विभिन्न अलग अलग मंदिरों से एकत्रित होकर हजारों की तादाद में महिलाएं व पुरुष पैदल मुख्य मार्गों से ध्वज यात्रा लेकर दशहरा मैदान पर पहुंचेंगे।

खोया पाया

मेरे भूखंड संख्या ए-13 नागरिक गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड जयपुर से आवंटित भूखंड की जारी मूल रसीद कहीं गुम हो गई है मिलने पर सूचित करें जगदीश-9414460146

नाम परिवर्तन

मैंने मेरा नाम माधव टाटीवाला से बदलकर राघव टाटीवाला रख लिया है भविष्य में इसी नाम से जाना, पहचाना जावे निवास 5-बी, लाल निवास, हीरा बाग टोंक रोड जयपुर

I have changed my Name from Mohmmed Husain to Mohammed Hussain for all future purposes. Mohammed Hussain R/o 3844 Maliyon Ki Gali Phuta Khurra Ramganj Bazaar, Jaipur (Raj.)

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

विधायक पटेल ने विभिन्न विकास कार्यों का किया लोकार्पण व उद्घाटन

विधायक हंसराज पटेल ने शनिवार को ग्राम रघुनाथपुरा एवं पाथरेड़ी में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

■ आमजन की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुये विकास कार्यों का क्रम निरंतर जारी रहेगा : पटेल

कोटपूतली। क्षेत्रीय विधायक हंसराज पटेल ने शनिवार को ग्राम रघुनाथपुरा एवं पाथरेड़ी में विधायक कोष से निर्मित कुल 01 करोड़ 88 लाख की लागत से किये गये विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

इस मौके पर पटेल ने महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में समग्र शिक्षा अभियान एवं विधायक कोष के माध्यम से निर्मित 03 नवीन कक्षा-कक्षों मय बरामदा एवं विधायक कोष से निर्मित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रार्थना स्थल पर इंटरलॉकिंग कार्य का विधिवत लोकार्पण किया।

साथ ही राजकीय उप-स्वास्थ्य केंद्र भवन पाथरेड़ी, पंचायत परिसर में चार दीवारी व इंटरलॉकिंग चौक निर्माण तथा विभिन्न स्थानों पर विधायक कोष से निर्मित सी.सी. सड़क निर्माण कार्य का भी लोकार्पण एवं उद्घाटन किया। पटेल ने कहा कि ये सभी विकास कार्य क्षेत्र के समग्र विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। विद्यार्थियों को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण प्रदान करना एवं शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को सशक्त बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आमजन की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुये विकास कार्यों का क्रम निरंतर जारी रहेगा। विधायक पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। हमारी प्रतिबद्धता है कि विकास की रोशनी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। इस दौरान पाथरेड़ी सरपंच रामस्वरूप कसाना, पूर्व प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी, मंडल अध्यक्ष राजवीर यादव, एड. प्रेमप्रकाश शर्मा, विद्यालय स्टॉफ एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पूर्व मंत्री हेमसिंह भड़ाना को दी श्रद्धांजलि

किशनगढ़ बास। शनिवार को राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पूर्व मंत्री स्वर्गीय हेमसिंह भड़ाना के निवास पर पहुंचकर दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके सार्वजनिक जीवन व समाजसेवा में दिए गए योगदान को याद किया। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हेमसिंह भड़ाना का जीवन जनसेवा, सामाजिक सरोकारों और क्षेत्रीय विकास के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने अपने कार्यकाल में आमजन के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी, जिसकी छाप आज भी क्षेत्र में दिखाई देती है। उनका व्यक्तित्व और कार्यशैली सदैव प्रेरणादायक रहेगी। उपमुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की।

किशनगढ़ बास के गांव बघेरी कला निवास पहुंचकर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल दें। उन्होंने कहा कि यह क्षति अपूरणीय है, लेकिन पूरा प्रदेश परिवार के साथ खड़ा है। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने भी स्वर्गीय भड़ाना को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके द्वारा किए गए विकास कार्यों व जनसेवा को स्मरण किया। सभी ने उन्हें सरल, मिलनसार और जनहितैषी नेता बताते हुए उनके योगदान को सदैव याद रखने की बात कही।

बेंगलुरु कॉर्पोरेशन चुनाव को लेकर बैठक में जीत का लिया संकल्प

बेंगलुरु/जयपुर। भाजपा कर्नाटक प्रदेश कार्यालय बेंगलुरु में ग्रेटर बेंगलुरु कॉर्पोरेशन चुनाव को लेकर संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई।

बैठक में कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा, चुनाव प्रभारी राम माधव, कर्नाटक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र येदियुरप्पा, भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं बेंगलुरु कॉर्पोरेशन चुनाव के सह प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां, चुनाव सह प्रभारी संजय उपाध्याय, कर्नाटक विधानसभा नेता प्रतिपक्ष आर अशोका, विधान परिषद नेता प्रतिपक्ष चलवादी नारायणस्वामी इत्यादि सहित प्रमुख नेताओं ने संबोधित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के समर्थन में बेंगलुरु कॉर्पोरेशन चुनाव जीतने का आह्वान किया।

भाजपा कर्नाटक प्रदेश कार्यालय बेंगलुरु में ग्रेटर बेंगलुरु कॉर्पोरेशन चुनाव को लेकर संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई।

■ सांसद, विधायक, पार्टी पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता, पूर्व कॉरपोरेटर, सोशल मीडिया पदाधिकारी एवं प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक

■ बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा, राम माधव, विजेंद्र येदियुरप्पा, डॉ. सतीश पूनियां, संजय उपाध्याय, आर अशोका, चलवादी ने किया संबोधित

भाजपा कर्नाटक प्रदेश कार्यालय में आयोजित संगठनात्मक बैठक में सांसद, विधायक, पार्टी पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता, पूर्व कॉरपोरेटर, सोशल मीडिया पदाधिकारी एवं प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत चर्चा कर मोदी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने एवं बेंगलुरु कॉर्पोरेशन चुनाव में भाजपा की जीत के लिये संकल्प लिया।

बावड़ी धाम से लुनियावास के लिए बाबा बालनाथ जी महाराज की भव्य पदयात्रा रवाना

पावटा। आस्था, श्रद्धा और भक्ति के अद्भुत संगम के साथ बावड़ी धाम पावटा से लुनियावास जयपुर के लिए बाबा बालनाथ महाराज एवं बस्तीनाथ महाराज की भव्य एवं ऐतिहासिक पदयात्रा विधिवत रूप से रवाना हुई।

■ जयकारों से गूंजा क्षेत्र, उमड़ा जनसैलाब

बालनाथ महाराज एवं बस्तीनाथ महाराज की भव्य एवं ऐतिहासिक पदयात्रा विधिवत रूप से रवाना हुई।

पदयात्रा के शुभारंभ के साथ ही संपूर्ण क्षेत्र बाबा बालनाथ महाराज की जय एवं बस्तीनाथ महाराज अमर रहें के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान हो उठा। हजारों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने इस धार्मिक यात्रा को विशाल जनआस्था का प्रतीक बना दिया।

यह विशाल पदयात्रा बाबा बस्तीनाथ महाराज के पावन सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में संपन्न हो रही है। उनके निर्देशन में श्रद्धालु अनुशासन, सेवा भावना और भक्तिभाव के साथ पदयात्रा में भाग ले रहे हैं। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर पदयात्रियों का भव्य स्वागत किया गया।

महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों एवं बच्चों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने इस पदयात्रा को ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय स्वरूप प्रदान किया। पदयात्रा के दौरान भजन-कीर्तन, धार्मिक ध्वज, ढोल-नगाड़ों की गूंज और भक्तों के जयकारों से वातावरण पूर्णतः भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालु नाचते-गाते और बाबा के जयकारे लगाते हुए अपनी आस्था प्रकट करते नज़र आए। यह पदयात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि सामाजिक समरसता, भाईचारे, संस्कृति एवं परंपराओं को मजबूत करने का सशक्त संदेश भी दे रही है। पूर्व सरपंच मदन यादव ने कहा कि बाबा बालनाथ महाराज एवं बस्तीनाथ महाराज की असीम कृपा से श्रद्धालुओं के जीवन में सुख, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि ऐसी धार्मिक यात्राएं समाज में एकता और आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करती हैं। पदयात्रियों की सेवा के लिए डॉ. सुरेंद्र यादव सहित विभिन्न भक्त मंडलियों द्वारा जल, फलाहार, प्राथमिक चिकित्सा एव विश्राम की उत्कृष्ट व्यवस्थाएं की गई।

कार्यालय उपायुक्त हवामहल-आमेर जोन नगर निगम जयपुर
(चौगान स्टेडियम के पास, गणगौरी बाजार, जयपुर)
Email ID: dchmw.jmc@gmail.com, Phone No. 0141-2329953
क्रमांक- F510Dept. Comm./H.M.A.Z./2026/2049

सार्वजनिक सूचना दिनांक-6/2/26

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुनीता नागपाल पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार नागपाल निवासी भूखण्ड संख्या 672 डी, नागपाल पैट्रोल पम्प आमेर रोड जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या- 672 डी, नागपाल पैट्रोल पम्प आमेर रोड जयपुर जिसका क्षेत्रफल 839.81 वर्गमीटर है का धारा 69-क का पट्टा चाहने हेतु आवेदन किया गया है। जिसमे आवेदक द्वारा आवेदन-पत्र, शपथ-पत्र, विक्रय पत्र, नक्शे की प्रति, एवं अन्य स्वामित्व संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत किए गए है। अतः उक्त के संबंध में किसी व्यक्ति / सरकारी / गैर सरकारी संस्था या अन्य को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित में सूचित करें। मियाद गुजरने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

उपायुक्त, हवामहल-आमेर जोन, नगर निगम जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1316 चूंकि प्रार्थी श्री DHARMPAL, 2/69 T 1 APPLE RESIDENCY VAISHALI NAGAR JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री गुरू जम्भेश्वर सेवा संस्थान 26 KRISHNA COLONY KHATIPURA ROAD JHARKHAND MODE KHATIPURA JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 04.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 13.04.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1304 चूंकि प्रार्थी श्री DHARAMVEER SINGH KATEWA, A-3/302, JEEVAN ANAND APARTMENT, SECTOR 2, VIDYADHAR NAGAR JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास राजस्थान राज्य गाँधी स्मारक निधी B190, UNIVERSITY MARG BAPU NAGAR JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 04.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 10.04.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भागीदारी फर्म M/s RD Derewala Industries, एच 2163, इण्डस्ट्रीयल एरिया, रामचन्द्रपुरा, सीतापुरा एक्सटेंशन, जयपुर पंजीयन संख्या 13/1789/2014 दिनांक 17.11.2025 से भागीदारी श्रीमति गोविन्दी देवी गर्ग, पत्नि श्री नन्द लाल जी गर्ग, श्रीमति अंजली गर्ग पत्नि श्री कृष्ण मुरारी जी गर्ग, श्रीमती अन्नु गर्ग पत्नि श्री विष्णु गर्ग रिटायर हो गये है यदि किसी को आपत्ति हो तो 07 दिवस में रजिस्ट्रार ऑफ फर्म्स जिला उद्योग केन्द्र, जयपुर (शहर) में आपत्ति दर्ज करावें ।

M/s RD Derewala Industries

राजस्थान आवासन मण्डल
वृत-तृतीय, जे0एल0एन0 मार्ग,
जवाहर सर्किल के पास, जयपुर -0141-4901853
क्रमांक-437 दिनांक-06/02/26

आम जाहिर सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर आवास संख्या 6/घ/8 जवाहर नगर, जयपुर, क्षेत्रफल 98.00 वर्ग गज का आवंटप श्री चन्द्रभान पुत्र श्री गणेश दास को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 543 दिनांक 03/01/1975 जारी किया गया था। उनके द्वारा आवास के पंजीयन प्रपत्रो का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम मे दिनांक 12/03/1991 को करवाया गया।

आवास के मूल आवंटी श्री चन्द्रभान की मृत्यु दिनांक 17.10.2001 को हो जाने के कारण श्री मनोज अरोड़ा एवं श्री विनोद कुमार अरोड़ा पुत्रान स्व. श्री चन्द्रभान अरोड़ा के द्वारा आवेदन पत्र के साथ जमा प्रशासनिक शुल्क की छाया प्रति, शपथ पत्र, क्षितपूर्ति बन्धक पत्र एवं रजिस्टर्ड हकत्याग की छाया प्रति प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने संयुक्त नाम से करने का निवेदन किया गया हैं।

अतः उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध मे किसी भी व्यक्ति/बैंक / संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस मे अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय मे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि मे कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री मनोज अरोड़ा एवं श्री विनोद कुमार अरोड़ा पुत्रान् स्व. श्री चन्द्रभात अरोड़ा के पक्ष मे आवास के प्रतिस्थापन की कार्यवाही करदी जावेगी।

सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, रा0आ0मण्डल, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1349 चूंकि प्रार्थी श्री RATNA KUMARI, RAGHUKUL MODEL TOWN-A, JAGATPURA ROAD, MALVIYA NAGAR, JAIPUR, RAJASTHAN ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास रघुकुल शोध एवं तकनीकी संस्थान RAGHUKUL MODEL TOWN-A, JAGATPURA ROAD, MALVIYA NAGAR, JAIPUR, RAJASTHAN के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 05.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 15.04.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 2257/2026
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।

प्रार्थी नाम 1. श्रीमती आशा अरोड़ा पत्नि स्व.आनन्द कुमार शर्मा, प्लाट नं.डी-261, महेश मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर, 2. श्रीमती रश्मि शर्मा पत्नि डेनवेन सेनटेन पुत्री स्व.आनन्द कुमार शर्मा निवासी प्लाट नं.डी-261, महेश मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर
मृतक स्व.आनन्द कुमार शर्मा की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 17.03.2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम आनन्द कुमार शर्मा पुत्र रामशरण दास शर्मा जाति.... निवासी डी-398, पंचवटी भीलवाडा राज., प्लाट नं.डी-261, महेश मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।

अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 17 माह 03 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 30 माह 01 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

प्रार्थीगण ने मृतक आनन्द कुमार शर्मा के नाम प्रा.पत्र में वर्णित बैंक खाते में जमा राशि बाबत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र चाहा है।

मोहर अदालत
आज्ञा न्यायालय से-वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सैंशन न्यायालय
जयपुर महानगर-प्रथम

परिशिष्ठ G-अपील, निर्देश व पुनर्विलोकन, संख्यांक 6
न्यायालय : अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश-3, जयपुर जिला जयपुर, (राजस्थान) पीठासीन अधिकारी का नामः श्री राजेंद्र सिंह जाटव
अपील की सुनवाई के लिए नियम दिन की प्रत्यर्थी को सूचना (आदेश 41 का नियम 14)
विविध सिविल अपील/233/2025 गंगासहाय व अन्य बनाम रामजीलाल व अन्य
NEXT DATE: 13-02-2026
के न्यायालय की तारीख को संख्यांक वाद में पारित डिक्री की अपील।

प्रेषिती-**राजकुमार पुत्र बंशीधर मीना प्लॉट नंबर बी-21, योजना श्री राम विहार, मीनावाला, सिरसी रोड, जयपुर, राजस्थान**

आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले में की डिक्री की अपील गंगासहाय व अन्य द्वारा उपस्थापित की गई है और इस न्यायालय में रजिस्टर कर ली गई हैं और इस अपील की सुनवाई के लिए इस न्यायालय द्वारा ता0 13-02-2026 नियत की गई है।

यदि इस अपील में आपकी ओर से आप स्वयं या आपके प्लीडर या आपके लिए कार्य करने के लिए विधिना प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात नहीं होगा तो यह आपकी अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चित की जाएगी।

यह आज ता0 29-01-2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर अदालत
आज्ञा से-वरिष्ठ रीडर
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश
क्रम संख्या-03, जयपुर महानगर-।।

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहित पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय FC-5 Jaipur Metro Jaipur स्थान...
पूजा नामा विरूद्ध सुनील उदयवाल सन्नी
वाद/प्रार्थना पत्र 144 BNSS
प्रार्थना-पत्र संख्या 15/2024 सन्

नाम सुनील उदयवाल सन्नी पुत्र दीपक उदयवाल जाति... पता प्लाट नं. 14-15, महावीर नगर, गोपालपुरा फ्लाई ओवर के पास, जयपुर (राज.)

उक्त प्रार्थीया ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि नकल संलग्न है।

अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 16 माह 03 सन् 2026 को 10.30 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।

यह आज दिनांक 05 माह 02 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर अदालत
वरिष्ठ मुंसरिम
पारिवारिक न्यायालय क्रम-5
जयपुर महानगर प्रथम

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, (अनाज), चौमूँ (जयपुर)

क्रमांक-436-45 **निविदा सुचना** दिनांक-5/2/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस मंडी समिति में निम्नलिखित व्यवस्थायें / कार्य करवाने हेतु ठेके देने के लिये इच्छुक निविदादाता फर्मों / व्यक्तियों से दिनांक 18.02.2026 को प्रातः 11.30 बजे तक निर्धारित निविदा प्रपत्र में बन्द लिफाफे में निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य / व्यवस्था का नाम	ठेके की अवधि	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू. में)
1	लेखन मुद्रण कार्यालय एंव लेखन मुद्रण व्यापारी	एक वर्ष	5.00
2	विद्युत संबंधी सामग्री व्यवस्था	एक वर्ष	5.00

प्राप्त निविदाओं को उसी दिन दोपहर 2.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं (यदि कोई उपस्थित हों) के समक्ष खोला जायेगा। निविदा से सम्बंधित अन्य विस्तृत विवरण, निविदा शर्तें व जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट www.mandi.agriculture.rajasthan.gov.in पर तथा किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में कार्यालय में उपस्थित होकर अवलोकन की जा सकती है।

सचिव-कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) चौमूं जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1311 चूंकि प्रार्थी श्री RAMA NAND MODI, P. NO. 610, SECTOR-1, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास अग्रसेन मेडिकल रिलीफ एंड रिसर्च सोसायटी AGRASEN HOSPITAL MARG, CENTRAL SPINE, SECTOR-7, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 04.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 13.04.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1368 चूंकि प्रार्थी श्री SARITA MITTAL, A-49, KIRTI NAGAR, TONK ROAD, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास ओजस्वी फाउंडेशन B-14, DEV NAGAR, TONK ROAD, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 05.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 15.04.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1328 चूंकि प्रार्थी श्री Malay Kumar, 68/345, Pratap Nagar, Sector-6, Sanganer, Jaipur, Rajasthan ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास प्रयत्न संस्था 68/337, Pratap Nagar, Sector-6, Sanganer, Jaipur, Rajasthan के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 05.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 13.04.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1326 चूंकि प्रार्थी श्री BAIJU M/S, 40/75, SWARN PATH, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास इवेन्जेलिकल क्रिश्चिन सोसायटी 40/76, SWARN PATH, MANSAROVAR, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 05.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 10.04.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1325 चूंकि प्रार्थी श्री TREVOR DE LINARES, VILLA NO. 19, SAMANVAY, LATA NAGAR, RAWAN GATE, KALWAR ROAD, JHOTWARA, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास न्यू लाइफ मिनिस्ट्रीज सोसायटी MANDA ROAD, GRAM KALWAR, JHOTWARA, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 05.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 09.04.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1282 चूंकि प्रार्थी श्री DHARAMVEER SINGH KATEWA, A 3/302, JEEVAN ANAND APARTMENT SECTOR 2, VIDHYADHAR NAGAR JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास इण्डियन अस्थमा केयर सोसायटी जयपुर C 86, SHASTRI NAGAR JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 04.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 10.04.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1355 चूंकि प्रार्थी श्री JAGDISH GUJAR, NADOO GHEWAR ALWAR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास ग्राम गौरव संस्थान F 2, FIRST FLOOR MILLENNIUM RESIDENCY PLOT NO 489, JANPATH RANISATI NAGAR JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 05.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 15.04.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1353 चूंकि प्रार्थी श्री MAMMOHAN SINGH SHEKHAWAT, 25 PURANI HAWELI OSHDHYAYLY KE PASS NANGAL JAISA BOHARA JHOTWARA JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास मेरी पहल संस्था 33-34, GREEN VAKITA COLONY SHREE GANESH MANDIR NANGAL SAISA BOHRA JHOTWARA JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 05.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 15.04.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1338 चूंकि प्रार्थी श्री KARAN SINGH, 172 BACK SIDE OF FCI GODAWN KARAN VIHAR KARNAL (RURAL) (PART 1) KARNAL ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास एलफटास्टिक 90 K K ROYAL DAYS CHANDRA MAHAL COLONY DELHI ROAD AMER JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 05.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 15.04.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1337 चूंकि प्रार्थी श्री ABHIMANYU SHARMA, B 113 SUMER NAGAR EXT. MANSAROVAR JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास सेन्ट ड्यून्स अकादमी 116 VIVEK VIHAR NEW SANGANER ROAD SODALA JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 05.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 15.04.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

जयपुर में ''हाईटेक सिटी'' विकसित करने के लिए विशाखापट्टनम की क्वांटम सिटी और तेलंगाना की आईटी सिटी का अध्ययन करेंगे अफसर

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शनिवार को यू.डी.एच. की उच्चस्तरीय बैठक में हुआ निर्णय

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की बजट घोषणा के मुताबिक राजधानी जयपुर के नजदीक ''हाईटेक सिटी'' जल्द विकसित करने के लिए अधिकारियों का दल विशाखापट्टनम की क्वांटम सिटी और तेलंगाना की आईटी सिटी का अध्ययन करने जाएगा। ताकि आधुनिक शहरी नियोजन, तकनीकी अधोसंरचना और नवाचार आधारित मॉडल को जयपुर में अपनाया जा सके। मुख्य सचिव वी. श्रनिवास की अध्यक्षता में शनिवार को आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में इस संबंध में निर्णय हुआ।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को नगरीय विकास विभाग की उच्चस्तरीय बैठक ली।

मुख्य सचिव ने शनिवार को जयपुर विकास प्राधिकरण के सभागार में नगरीय विकास एवं आवासन विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली थी। जिसमें उन्होंने शहरी विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार राजस्थान के सुव्यवस्थित तथा भविष्य की जरूरतों के मुताबिक विकास करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने लंबित प्रकरणों का समय पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने तथा अधिवक्ताओं के साथ निरंतर संवाद बनाए रखते हुए कोर्ट में पैंडिंग मामलों में राज्य सरकार का प्रभावी पक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

■ **मुख्य सचिव ने बैठक में 5 करोड़ से अधिक राशि के तमाम प्रगतिरत प्रोजेक्ट्स की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने पिछले 2 वर्ष की बजट घोषणाओं की स्थिति, सड़कों की मरम्मत, नवीनीकरण एवं गुणवत्ता नियंत्रण से जुड़े कार्यों, सीबीयूडी एप के प्रभावी उपयोग तथा विभिन्न शहरों के लिए तैयार किए जा रहे मास्टर प्लान की वर्तमान स्थिति एवं आगामी रूपरेखा पर भी चर्चा की।**

बैठक में प्रमुख शासन सचिव देवाशीष पृष्टि तथा जयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने वर्तमान में जारी विकास परियोजनाओं एवं भविष्य की कार्ययोजना पर आधारित प्रभावी प्रस्तुतीकरण दिया। जिस पर मुख्य सचिव ने 5 करोड़ से अधिक राशि के तमाम प्रगतिरत प्रोजेक्ट्स की विस्तार से जानकारी ली।

उन्होंने नगरीय विकास विभाग की बजट घोषणाओं वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 की वर्तमान स्थिति, सड़कों की मरम्मत, नवीनीकरण एवं गुणवत्ता नियंत्रण से जुड़े कार्यों, सीबीयूडी ऐप के प्रभावी उपयोग तथा विभिन्न शहरों के लिए तैयार किए जा रहे मास्टर प्लान की वर्तमान स्थिति एवं आगामी रूपरेखा पर भी चर्चा की।

बैठक में 31 मार्च 2025 तक मासिक राजस्व प्राप्ति, बकाया राज्यांश के विरुद्ध जमा राशि एवं शेष बकाया की स्थिति, लंबित ऑडिट पैरा की समीक्षा की गई। साथ ही राजस्थान उच्च न्यायालय में लंबित एवं अवमानना प्रकरणों, जिनमें राज्य सरकार द्वारा जवाब प्रस्तुत किया जाना शेष है, पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में न्यास जैसलमेर द्वारा प्रस्तावित थीम पार्क निर्माण का प्रस्तुतीकरण भी किया गया, साथ ही कोटा एवं जोधपुर विकास प्राधिकरण द्वारा भी वहाँ करवाए जा रहे शहरी सौंदर्यकरण एवं जनउपयोगी कार्यों की प्रस्तुति दी गई।

मुहाना मंडी के थड़ी-ठेला व्यवसायियों को राहत

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने मुहाना मंडी के थड़ी-ठेला व्यवसायियों को राहत देते हुए उन्हें मौजूदा स्थान से बेदखल नहीं करने को कहा है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में कृषि सचिव, कृषि विपणन निदेशक और कृषि उपज मंडी के सचिव व प्रशासक से जवाब तलब किया है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश नंद सिंह व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

■ **राजस्थान हाईकोर्ट ने कृषि सचिव, कृषि विपणन निदेशक और कृषि उपज मंडी के सचिव, प्रशासक से जवाब मांगा**

याचिका में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता कई सालों से मुहाना मंडी के मुख्य प्रांगण में थडी और ठेला लगाकर अपनी आजीविका चला रहे हैं। पूर्व में कृषि उपज मंडी के सचिव व अध्यक्ष ने विशेष प्रस्ताव पारित किया था कि थडी-ठेला व्यवसायियों की समस्या निराकरण और मंडी प्रांगण में जलपान की व्यवस्था के लिए इन व्यवसायियों को कियोस्क आवंटित किए जाएंगे। इस प्रस्ताव को 26 जून, 2012 को कृषि विपणन निदेशक ने अनुमोदित कर दिया।

इसके बावजूद भी आज तक इस प्रस्ताव को लंबित रखा गया है। याचिका में कहा गया कि मंडी समिति ने सर्वे लिस्ट जारी कर याचिकाकर्ताओं को अतिक्रमी घोषित कर बेदखल करने का निर्णय लिया है। जबकि वे मासिक किराया भी अदा करते आ रहे हैं।

इसके अलावा मुहाना मंडी थड़ी-ठेला व्यवसायी मजदूर संघ की याचिका में हाईकोर्ट कियोस्क आवंटन तक उन्हें बेदखल नहीं करने को कह चुका है। ऐसे में मंडी समिति की कार्रवाई को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए याचिकाकर्ताओं को मौजूदा स्थान से बेदखल नहीं करने को कहा है।

काली थार से पुलिसकर्मी को रौंदने की कोशिश

जयपुर (कासं)। करणी विहार क्षेत्र में ट्रैफिक ड्यूटी के दौरान एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां काली थार जीप के चालक ने पुलिसकर्मी को रौंदने की कोशिश की। ट्रैफिक कांस्टेबल ने फुर्ती दिखाते हुए उछलकर सड़क के दूसरी ओर छलांग लगाई। जिससे उसकी जान बच सकी। आरोपी चालक पुलिसकर्मियों को धमकी देकर थार जीप लेकर फरार हो गया। इस संबंध में ट्रैफिक एएसआई ने थाने में मामला दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

■ **ट्रैफिक कांस्टेबल ने छलांग लगाकर बचाई जान**

पुलिस के अनुसार करधनी के गोकुलपुरा निवासी सीताराम यादव (57) ट्रैफिक ब्रांच जयपुर में एएसआई के पद पर कार्यरत हैं। 5 फरवरी को उनकी ड्यूटी कॉन्स्टेबल हरि सिंह गुर्जर के साथ गांधी पथ पुलिया के नीचे थी। दोपहर करीब 12 बजे लालरपुरा की ओर से एक काली थार जीप तेज गति और लहराते हुए आई। चालक द्वारा खतरनाक तरीके से वाहन चलाने पर पुलिसकर्मियों ने उसे रोकने का इशारा किया। चालक ने बिना सीट बेल्ट लगाए जीप को पुलिसकर्मी के पास लाकर अचानक तेज ब्रेक लगाए और फिर कुछ दूरी तक वाहन पीछे ले गया। इसके बाद आरोपी ने थार को दोबारा तेज रफ्तार में दौड़ाते हुए कांस्टेबल हरि सिंह को कुचलने का प्रयास किया। कांस्टेबल ने समय रहते साइड में छलांग लगाकर जान बचाई। इस दौरान सड़क पर मौजूद दो महिलाओं सहित अन्य राहगीरों ने भी भागकर अपनी जान बचाई। भीड़ एकत्र होती देख आरोपी चालक पुलिसकर्मियों को धमकी देता हुआ थार जीप लेकर गलियों में फरार हो गया। एएसआई सीताराम यादव ने बताया कि उक्त थार जीप के खिलाफ पहले भी रफ ड्राइविंग की शिकायतें मिल चुकी हैं। आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे है।

सार-समाचार

प्रेमभाया सरकार का फागोत्सव मनाया

जयपुर (कासं)। फाल्गुन मास में शहर के विभिन्न मंदिरों में आयोजित हो रहे फागोत्सव के क्रम में शनिवार को श्री प्रेमभाया मंडल समिति द्वारा चांदपोल बाजार स्थित जयलाल मुंशी का रास्ता युगल कुटीर में श्री प्रेमभाया सरकार के फागोत्सव मनाया गया। जिसमें सरकार के ऋतु पुष्पों से भव्य श्रृंगार किया गया व गुलाल अर्पित की गई। सांय 7:30 फागोत्सव प्रारंभ हुआ, जिसमें दीपक शर्मा ने ऐ श्याम फागुन आया लाया संदेशा पवन भुवन में रंग छाया .. .. पुनीत खंडेलवाल ने नन्द बाबा रा लाडला होली का रसिया सांवरा, थांरो गोपी रूप बणास्यां आवरे आवरे........ हरि मोहन गोयल ने आओ कन्हैया थांसै होली खेलालां आज रंगाला थांको चीर थांको चीर... के साथ लोकेश सैनी, अभिषेक साहु सहित अन्य भक्तों ने भक्ति रस बरसाया। प्रवक्ता लोकेश शर्मा और समिति के अध्यक्ष दुर्गा चौधरी ने बताया कि 8 फरवरी को मंदिर श्री प्रेमभाया सरकार, हरियुगल विहार चंदलाई टोंक रोड पर भव्य फागोत्सव मनाया जाएगा।

श्याम भजन संध्या आयोजित

जयपुर। टीम 39 जहां चाह वहां राह जन कल्याण ट्रस्ट के तत्वाधान में केडिया परिवार द्वारा आयोजित श्री श्याम भजन संध्या का आयोजन पानीपेच स्थित स्वर्णकार सेवा सदन में किया गया। बाबा खाटू श्याम जी की दिव्य एवं भव्य की झांकी सजाई गई। प्रधान ट्रस्टी विष्णु बियानी एवं मीडिया प्रभारी मनीष केडिया ने बताया कि कार्यक्रम में सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा के पुत्र जिज्ञासु शर्मा, निवर्तमान चेयरमैन एवं पार्षद मनोज मुद्गल, विष्णु बियानी श्रीराम अग्रवाल, महेश सैनी, कालीचरण शर्मा, दुर्गेश शर्मा, पानीपेच व्यापार संघ के अध्यक्ष राम अवतार अग्रवाल आदि उपस्थित हुए। कार्यक्रम में गायकों ने भजनों से समा बांधा।

दुष्कर्म करने वाले युवक को सजा

जयपुर (कासं)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1, महानगर प्रथम ने नाबालिग को डरा-धमकाकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त पंकज प्रजापत को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही पीठासीन अधिकारी मीना अवस्थी ने अभियुक्त पर 55 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुरेन्द्र सिंह राजावत ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीडिता के चाचा ने 23 फरवरी, 2024 को गांधीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा कि वह अपनी भतीजी को स्कूल छोडक़र आया था। जब छुट्टी के समय उसे वापस लेने स्कूल पहुंचा तो वह उसे नहीं मिली। उसकी सहेली ने बताया कि पहले ही एक लडके के साथ चली गई है। जब उस लडके के घर जानकारी की तो पता लगा कि वह भी घर से नया मोबाइल लेने के नाम पर 17 हजार रुपए लेकर गया है। उसे शक है कि वह लडका पंकज उसकी भतीजी को लेकर चला गया है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीडिता ने अदालत को बताया कि वह अभियुक्त को पहले से जानती थी। घटना से तीन साल पहले जब वह नाबालिग थी तो अभियुक्त ने उसे अपने घर बुलाया और डरा-धमकाकर संबंध बनाए। इसके बाद वह उसे आए दिन बुलाता और अलग-अलग जगह ले जाकर संबंध बनाता। घटना के दिन वह उसे मोटर साइकिल पर कोटा ले गया और अपने परिचित के कमरे पर रुका, लेकिन उसके पास आधार कार्ड नहीं होने पर परिचित व्यक्ति ने उन्हें वहां से भेज दिया। रात अधिक होने के कारण उन्हें कोई कमरा नहीं मिला। इस दौरान सडक़ किनारे आग तापने के दौरान पुलिस आ गई और उन्हें अपने साथ लेकर चली गई।

लोगो डिजाइन की प्रतियोगिता शुरू

जयपुर। राज्य के कृषकों एवं पशुपालकों को कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों की जानकारी उपलब्ध करवाने तथा उन्हें आधुनिक तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम)-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस महत्त्वपूर्ण आयोजन के प्रचार-प्रसार एवं पहचान को सशक्त बनाने हेतु ग्राम-2026 के लिए एक उपयुक्त एवं आकर्षक लोगो के डिजाइन के चयन हेतु राज्य स्तर पर लोगो डिजाइन प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में आमजन, युवा, विद्यार्थी, डिजाइनर एवं रचनात्मक प्रतिभाओं से दिनांक 16 फरवरी 2026 तक प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। लोगो की थीम कृषि में नवाचार, उन्नत तकनीक का उपयोग, किसानों की उन्नित, खुशहाली एवं समृद्धि पर आधारित होगी, जो ग्राम-2026 की मूल भावना को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करे। प्रतिभागियों को अपना लोगो डिजाइन डिजाइन विवरण सहित, साथ ही मौलिकता एवं कॉपीराइट उल्लंघन न करने की अंडरटेकिंग तथा पूर्ण पता अंकित करते हुए ई-मेल के माध्यम से पर भेजना होगा। प्रतियोगिता में चयनित विजेता प्रविष्टि को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

सिविल डिफेंस वालंटियर भर्ती में अनियमितता पर जवाब मांगा

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सिविल डिफेंस वालंटियर भर्ती-2025 में चयन को लेकर अनियमितता करने पर राज्य सरकार, सिविल डिफेंस निदेशक और धौलपुर कलेक्टर सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश गुलाब कुमार व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता प्रेमचंद देवंदा ने अदालत को बताया कि गत 25 मई को धौलपुर कलेक्टर ने सिविल डिफेंस वालंटियर के 550 पदों पर भर्ती निकाली थी। भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रशासन ने 3 अक्टूबर को चयन मापदंड और वेटेज प्रणाली निर्धारित की। जबकि एक बार भर्ती प्रक्रिया आरंभ होने के बाद चयन के नियमों में बदलाव नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद याचिकाकर्ताओं ने निर्धारित कट ऑफ से अधिक अंक प्राप्त किए, लेकिन उन्हें चयन सूची में शामिल नहीं किया गया। याचिका में कहा गया कि भर्ती में तहसीलवार पद निर्धारित किए गए थे, लेकिन धौलपुर तहसील में 110 पदों के मुकाबले 216 उम्मीदवारों का चयन कर लिया गया और उसमें भी तय प्रक्रिया नहीं अपनाई गई।

आगरा रोड पर रिहायशी इलाके में घूमता दिखा लेपर्ड

जयपुर। राजधानी जयपुर के आबादी क्षेत्र में एक बार फिर लेपर्ड की मौजूदगी से दहशत फैल गई। शनिवार तड़के तीन बजे आगरा रोड स्थित सूर्य सिटी कॉलोनी में लेपर्ड का मूवमेंट देखा गया। लेपर्ड करीब एक घंटे से अधिक समय तक कॉलोनी क्षेत्र में घूमता रहा। जिसकी पूरी गतिविधि सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद लेपर्ड का कोई सुराग नहीं लग पाया। वन विभाग ने एहतियातन रात के समय कॉलोनी क्षेत्र में पिंजरा लगाने का निर्णय लिया है। ताकि लेपर्ड के दोबारा लौटने की स्थिति में उसे सुरक्षित रूप से पकड़ा जा सके।

■ **करीब 1 घंटे तक लेपर्ड की मूवमेंट से लोगों में दहशत फैली**

क्षेत्रीय वन अधिकारी जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में लेपर्ड कॉलोनी की सड़क पर घूमता हुआ नजर आ रहा है। फुटेज में यह भी देखा गया कि लेपर्ड सड़क पर मौजूद एक कुत्ते के पास गया। लेकिन किसी तरह की घटना किए बिना वहां से आगे बढ़ गया। कॉलोनी वासियों द्वारा लेपर्ड की सूचना दिए जाने पर वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्रों में गहन तलाशी अभियान चलाया गया, लेकिन लेपर्ड दिखाई नहीं दिया।

वन विभाग के अधिकारियों का मानना है कि लेपर्ड संभवत: जंगल क्षेत्र की ओर लौट गया होगा। इसके बावजूद एहतियातन सूर्य सिटी कॉलोनी एवं आसपास के क्षेत्रों में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

लोगों से विशेष रूप से रात के समय सतर्क रहने,अकेले बाहर न निकलने और बच्चों को सुरक्षित रखने की अपील की गई है। वहीं वन विभाग की टीमें वन क्षेत्र से सटे इलाकों में लगातार निगरानी कर लेपर्ड की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं।

गौरतलब है कि जयपुर के चांदपोल, शास्त्री नगर, सिविल लाइंस (मंत्री आवास क्षेत्र),जलमहल क्षेत्र की गुर्जर घाटी, गोपालपुरा, दुर्गापुरा, जयसिंहपुरा, जगतपुरा और विद्याधर नगर जैसे रिहायशी इलाकों में भी लेपर्ड के मूवमेंट की पुष्टि हो चुकी है।

भाई-बहन की हत्या करने वाले युवक को उम्रकैद

जयपुर। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-5, महानगर द्वितीय ने एक तरफा प्यार के चलते 16 वर्षीय नाबालिग और उसके भाई की चाकु से वारकर हत्या करने वाले अभियुक्त गुलशन को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 60 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी लोकेन्द्र सिंह शेखावत ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने घर में घुसकर भाई-बहन की हत्या की है। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपना सकते।

अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक कमल किशोर मीणा ने अदालत को बताया कि मृतक भाई-बहन के पिता चेतन ने 5 मई, 2022 को सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा कि उसका परिवार और अभियुक्त आस पास किराए पर रहते हैं। अभियुक्त उसकी नाबालिग बेटी पूनम को जबरन शादी करने के लिए परेशान कर रहा है। तीन दिन पहले भी अभियुक्त ने शादी नहीं करने पर उसकी हत्या की धमकी दी थी।

आज सुबह वह और उसकी पत्नी काम पर चले गए थे और घर पर उसका बेटा और बेटी ही थे। इस दौरान अभियुक्त आया और पूनम से विवाद करने लगा। वहीं उसका बेटा तरुण भी आ गया। विवाद बढने पर अभियुक्त ने दोनों भाई-बहनों को चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी।

फैमिली कोर्ट ने रद्द की 32 साल पुरानी शादी

जयपुर (कासं)। जयपुर मेट्रो- प्रथम की फैमिली कोर्ट ने पिछले आठ साल से एक दूसरे से अलग रह रहे और आपराधिक व दीवानी मुकदमेबाजी में फंसे हुए दंपत्ति की 32 साल पुरानी शादी को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि मामले में पति-पत्नी लंबी अवधि से एक-दूसरे से अलग रह रहे हैं और समझाइश भी बेअसर रही है। उनके बीच संपत्ति विवाद सहित आपराधिक व दीवानी केस लंबित चल रहे हैं। ऐसे में अब उनका विवाह विच्छेद करना सही होगा। वहीं अदालत ने इसे मानसिक क्रूरता मानते हुए पति के विवाह-विच्छेद के प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया है।

मामले से जुडे अधिवक्ता डीएस शेखावत ने बताया कि प्रार्थी की शादी अप्रार्थिया के साथ अप्रैल,1994 में हिन्दू रीति-रिवाज के साथ सवाई माधोपुर में हुई थी। इस शादी से उनके जुडवा संतान हुई। यह संतान अप्रार्थिया के साथ ही रहते हैं। विवाह के बाद से ही अप्रार्थिया ने उसके माता-पिता के साथ में रहने से मना कर दिया। जिस पर प्रार्थी पति उसे जयपुर ले आया, लेकिन कुछ समय बाद ही उसका व्यवहार प्रार्थी पति के प्रति गुस्सैल हो गया और वह छोटी-छोटी बातों पर झगडा करने लगी। रिश्तेदारों से भी उसका बर्ताव सही नहीं था। वह आए दिन उसे आत्महत्या की धमकी देती है और शारीरिक संबंध भी बनाने से मना करती है। साल 2017 के दौरान उनके बीच झगडा बढ़ गया और वह धमकियों के कारण अलग रहने लगा। इसलिए उसका विवाह विच्छेद किया जाए। जिसे अदालत ने स्वीकार करते हुए विवाह विच्छेद की डिक्री जारी की है।

केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने किया स्टोन मार्ट का अवलोकन

जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर सीतापुरा में शनिवार को जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल में शरीक होकर स्टॉल्स का अवलोकन किया।

जयपुर। इंडिया स्टोन मार्ट 2026 के समानांतर जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी), सीतापुरा में चल रहे जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल 2026 का शुक्रवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय फेस्टिवल का समापन समारोह केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

केन्द्रीय मंत्री मेघवाल ने इंडिया स्टोन मार्ट 2026 की प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल के क्लोज़िंग सेशन में भाग लेकर फेस्टिवल का औपचारिक समापन किया। केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि स्टोन, आर्किटेक्चर और शहरी विकास भारत की आर्थिक और सांस्कृतिक शक्ति के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल जैसे मंच नीति, डिज़ाइनऔर उद्योग के बीच संवाद को मजबूत करते हैं। उन्होंने राजस्थान के स्टोन उद्योग की राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय भूमिका को रेखांकित करते हुए सस्टेनेबल माइनिंग, वैल्यू एडिशन और आधुनिक तकनीक को अपनानेपर ज़ोर दिया। इसके अतिरिक्त जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल के समापन दिवस पर आंध्र प्रदेश के खान मंत्री कोल्लू रविंद्र गरु ने भी इंडिया स्टोन मार्ट में शिरकत की। उन्होंने स्टोनसेक्टर में अंतरराज्यीय सहयोग, निवेशऔर तकनीकी साझेदारी की संभावनाओं पर सकारात्मक विचार व्यक्त किए।

1804 पशु चिकित्सा संस्थानों में जांची गई सेवाएं

जयपुर। पशुपालन, गोपालन और डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत के मार्गदर्शन में राज्य में पशुओं और पशुपालकों के कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। कुमावत प्रदेश में सेक्स सॉर्टेड सीमन से पशुओं के कृत्रिम गर्भाधान को लेकर बहुत गंभीर हैं।

मंत्री की इसी मंशा अनुसार शासन सचिव पशुपालन डॉ. समित शर्मा के निर्देशानुसार आज प्रदेश के सभी जिलों में विभाग के उच्चाधिकारियों द्वारा पशु चिकित्सा संस्थानों का व्यापक गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य विशेशकर सेक्स सॉर्टेड सीमन योजना के तहत किये जा रहे कृत्रिम गर्भाधान के साथ साथ पशुपालकों को उपलब्ध कराई जा रही पशु चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता, संसाधनों की उपलब्धता तथा व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करना था। शासन सचिव डॉ. शर्मा ने कहा है कि इन निरीक्षणों के आधार पर प्राप्त रिपोर्ट का गहन विश्लेषण किया जाएगा और जरूरत के मुताबिक सुधार की कार्यवाही की जाएगी। आज इस दौरान प्रदेश के 41 जिलों के कुल 1804 संस्थानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान इनमें से 99 प्रतिशत से अधिक संस्थाएं खुली पाई गईं, जबकि 16 संस्थाएं बंद मिलीं। जबकि 98 प्रतिशत से अधिक पशु चिकित्सा संस्थानों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत अच्छी मिली।

सुगम यातायात के लिए ट्रैफिक नियमों में बदलाव

जयपुर। शहर के व्यस्ततम गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहे पर यातायात के बढ़ते दबाव को कम करने के लिए नई ट्रैफिक व्यवस्था लागू की गई है। गवर्नमेंट हॉस्टल, अजमेर रोड और एमआई रोड क्षेत्र में यातायात को सुगम बनाने के उद्देश्य से यह व्यवस्था 8 फरवरी को शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक प्रायोगिक तौर पर लागू की गई।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देशानुसार ट्रैफिक पुलिस ने शहर के अत्यधिक दबाव वाले चौराहों को चिन्हित कर यह पहल की है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहे पर यातायात के साथ-साथ बसों की आवाजाही अधिक रहने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है, जिसे देखते हुए यह प्रयोग किया जा रहा है।

नई ट्रैफिक व्यवस्था के मुताबिक, खासाकोठी से एमआई रोड जाने वाला यातायात गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहे से होकर एमआई रोड पर जा सकेगा। संसार चंद्र रोड से अजमेर रोड की ओर जाने वाला ट्रैफिक गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहा होते हुए गवर्नमेंट प्रेस चौराहा से निकलेगा। अशोका मार्ग, मालवीय मार्ग व सरदार पटेल मार्ग से संसार चंद्र रोड, खासाकोठी व एमआई रोड जाने वाले वाहन गवर्नमेंट प्रेस चौराहा, एमईएस तिराहा और गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहे से अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। अजमेर रोड से खासा कोठी रेलवे स्टेशन जाने वाला यातायात डाक बंगला कट व संजय टर्न से पिंक सिटी पेट्रोल पंप होकर जाएगा।

अजमेर रोड से एमआई रोड व संसार चंद्र रोड जाने वाला ट्रैफिक शालीमार तिराहे से एमईएस तिराहा और गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहे से निकलेगा। अजमेर रोड से सरदार पटेल मार्ग जाने वाले वाहन शालीमार तिराहा, एमईएस तिराहा व गवर्नमेंट प्रेस चौराहे से जाएंगे। इसके अलावा अजमेर रोड से चर्च रोड की ओर वाहनों का प्रवेश पूर्णत: निषेध रहेगा। पोलोविक्ट्री से गणपति प्लाजा होकर खासाकोठी की ओर यातायात नहीं जा सकेगा। एमईएस तिराहा से अजमेर रोड की ओर वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे निर्धारित मार्गों का पालन करें और यातायात सुचारु बनाए रखने में सहयोग करें।

पिस्टल दिखाकर बदमाशों ने नोटों से भरा बैग छीना

जयपुर। राजधानी जयपुर के चित्रकूट क्षेत्र में शनिवार दोपहर दिनदहाड़े लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई। जहां चित्रकूट इलाके में स्थित एसबीआई कियोस्क पर दो बदमाश पिस्टल दिखाकर नोटों से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। हालांकि स्थानीय लोगों की सतर्कता से कुछ ही दूरी पर दोनों आरोपियों को पकडकर पुलिस के हवाले कर दिया गया। पूरी वारदात कियोस्क में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

डीसीपी वेस्ट हनुमान प्रकाश मीणा ने बताया कि वारदात शनिवार दोपहर 12.30 बजे की है। जहां दो युवक हेलमेट पहनकर एसबीआई कियोस्क में घुसे और संचालक हेमंत कपूर को पिस्टल दिखाकर डराया। इसके बाद बदमाशों ने करीब 1.20 लाख रुपए से भरा बैग छीन लिया और मौके से भाग निकले। लुटेरों के भागते ही आसपास मौजूद लोग सतर्क हो गए और उनका पीछा किया। कुछ ही दूरी पर लोगों ने दोनों बदमाशों को दबोच लिया।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर थाने ले गई। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

Shining a Light on Autism

Autism Sunday, observed on February 8th, 2026, is a day dedicated to raising awareness about autism and supporting individuals and families affected by it. The day encourages communities worldwide to foster understanding, acceptance, and inclusion for people on the autism spectrum. Events, campaigns, and discussions highlight the importance of early diagnosis, education, and support systems. It is also a time to celebrate the unique strengths and talents of individuals with autism while advocating for better resources, accessibility, and empathy. Autism Sunday serves as a reminder that awareness and compassion can transform lives.

#MANAGEMENT

Beating Earthquakes

Japan's Earthquake Detection System is a technological marvel born from the 2011 Tsunami Disaster

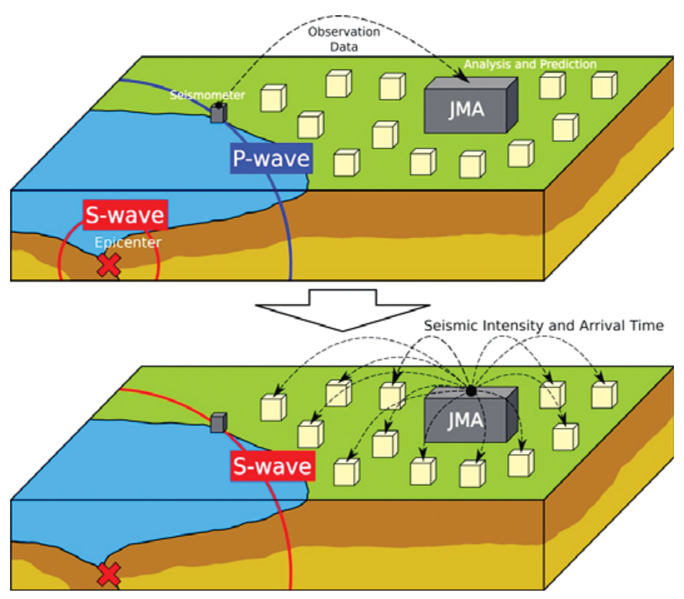

Japan is located on the Pacific Ring of Fire, making it one of the most earthquake-prone countries in the world. The devastating 2011 Tohoku earthquake and tsunami, which caused widespread destruction and loss of life, prompted Japan to enhance its already advanced earthquake detection and early warning systems. Today, Japan's technology is among the most sophisticated in the world, capable of detecting earthquakes in seconds and providing life-saving warnings.

The 2011 earthquake, with a magnitude of 9.0, triggered a massive tsunami and caused the Fukushima Daiichi nuclear meltdown. In the aftermath, Japan recognized the urgent need for faster and more efficient earthquake detection systems to reduce casualties and infrastructure damage. The country's Earthquake Early Warning (EEW) system became the centerpiece of this effort.

Japan's system is powered by a vast network of more than 1,000 seismic sensors spread across the country. These sensors detect P-waves (primary waves), the fastest seismic waves that travel at speeds up to 8 km per second. When a P-wave is detected, the data is transmitted in real time to central processing units, which analyze the location, magnitude, and depth of the earthquake. Based on these calculations, an alert is issued. The system can give up to 30 seconds of warning before the more destructive S-waves (secondary waves) arrive. The quick detection of seismic activity allows Japan to activate automatic safety systems. For example, Shinkansen (bullet trains) are automatically stopped, preventing derailments. Critical infrastructures like factories and nuclear plants are also shut down to prevent fires, explosions, or meltdowns. In addition to automated systems, public warnings are sent out via mobile phones, television broadcasts, and sirens, alerting citizens to take cover or evacuate if necessary. This level of preparedness has proven effective in saving lives during subsequent earthquakes.

The system's speed is a crucial factor. While 30 seconds may seem brief, it can be enough to stop trains, shut off gas lines, or allow people to take cover. The ability to provide timely alerts has saved countless lives and minimized damage, particularly in densely populated areas like Tokyo. However, the system is not foolproof. It relies on the detection of P-waves, which doesn't always happen in every earthquake. Some quakes may not produce strong enough P-waves or may be too deep for the system to detect in time.

Despite these challenges, Japan's EEW system is widely regarded as one of the most advanced in the world. It has influenced other countries, such as Mexico, Turkey, and parts of California, to implement similar early warning systems. Researchers are continually improving Japan's technology, refining algorithms, expanding the network of sensors, and incorporating artificial intelligence to enhance accuracy and response time.

The Justice of Patiala and His First Murder Case

The most infamous case that marked Baba Khadak Singh's entry into the formal legal world was a murder case involving four brutal killings. The case began when a woman, in deep distress, approached Baba Khadak Singh, claiming that her husband had been murdered. What followed was a deeply intricate and intense investigation that challenged Khadak Singh's legal reasoning and emotional intelligence.

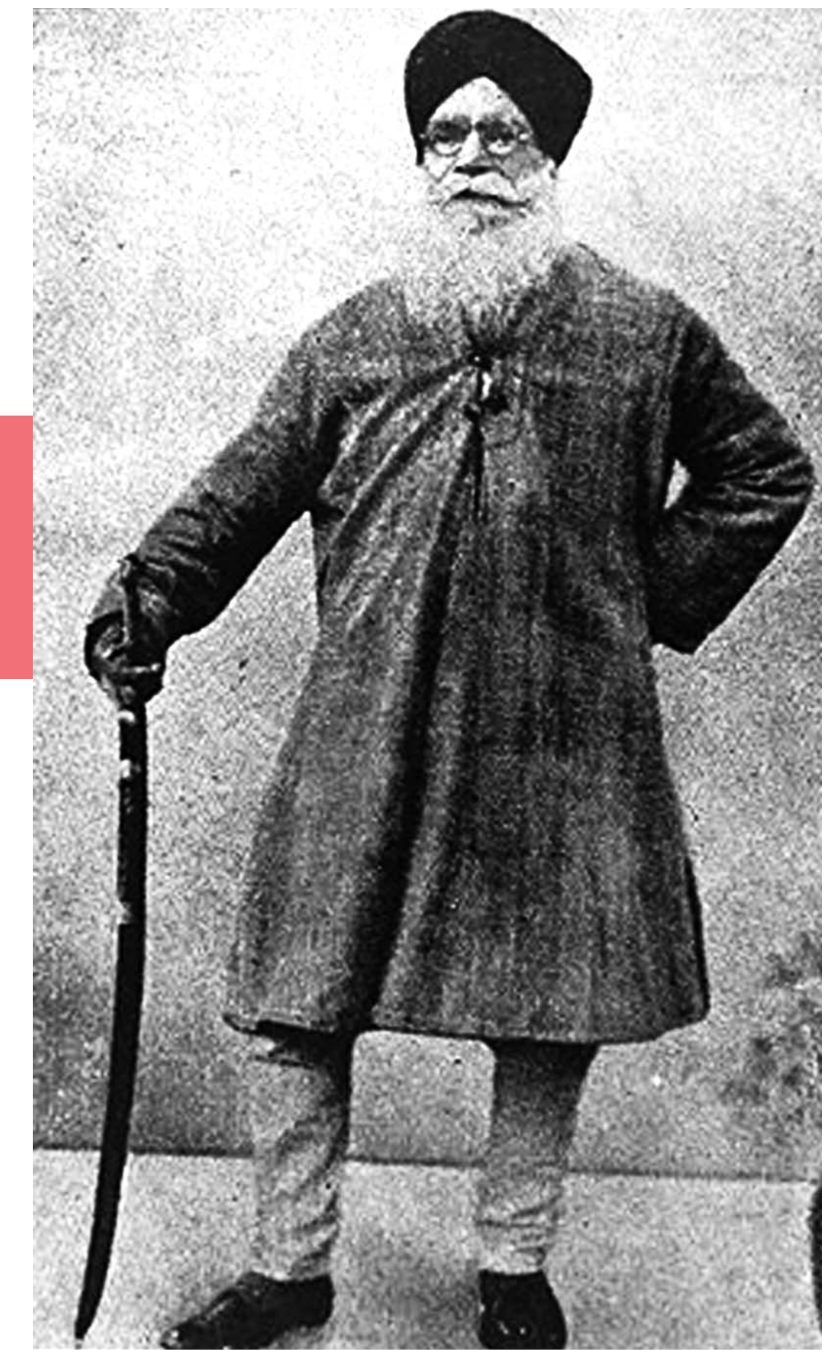

● Kshema Jatuhkarna

Baba Khadak Singh was a multifaceted figure, equally revered for his spiritual leadership as for his commitment to justice. His life took a significant turn when he chose to not only address religious issues but also engage deeply with the social and legal struggles of his time. The tale of Baba Khadak Singh's involvement in a landmark murder case reflects his approach to justice, his wisdom, and his unique ability to balance ethics, spirituality, and legal acumen.

Baba Khadak Singh as Justice in Patiala

Baba Khadak Singh's reputation as a fair and wise leader spread throughout the region of Patiala, where he was seen not only as a spiritual leader but also as someone who could offer counsel in matters of legal disputes. His influence extended well beyond religious teachings. This brought him into the realm of formal justice, where his reputation as a moral and ethical individual made him an ideal figure to be called upon in complex legal situations.

At a time when colonial structures ruled India, many local leaders and prominent individuals sought Baba Khadak Singh's counsel, especially when facing complex cases that involved matters of life and death. His ability to understand and navigate the human condition made him a trusted figure when it came to seeking justice.

The Maharaja's Letter and the Viceroy's Conversation

One pivotal moment in Baba Khadak Singh's journey as a justice figure came when the Maharaja of a nearby kingdom wrote a letter to the British Viceroy, requesting Baba Khadak Singh's assistance in a critical matter of legal importance.

The letter, written in a formal and respectful tone, asked the Viceroy to consider Baba Khadak Singh's judgement and wisdom in resolving a high-profile case that had come to the attention of the colonial administration. This was not an ordinary request. It was indicative of how Baba Khadak Singh's reputation had spread across regions, both among the people and within royal courts. In response, the Viceroy, who was often cautious of any challenge to British authority, had a conversation with the Maharaja to better understand why a figure like Baba Khadak Singh was being called upon in such a matter. The Viceroy's concern, however, was not just about the case at hand, but about how Baba Khadak Singh's influence could be leveraged for the greater good of the colony, or whether it could potentially stir up unrest.

Despite some initial reservations, the Viceroy came to recognize that Baba Khadak Singh's influence was not subversive but was rather an expression of justice, fairness, and deep moral integrity. The conversation ended with the Viceroy conceding that while Baba Khadak Singh's spiritual background was not entirely aligned with colonial administration, his reputation as a fair and ethical individual made him someone who could be trusted to deliver a fair judgment.

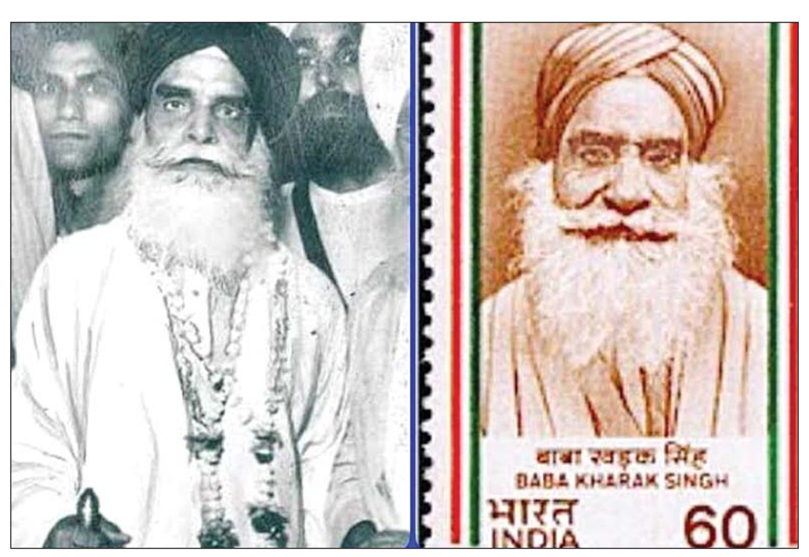

#BABA KHADAK SINGH

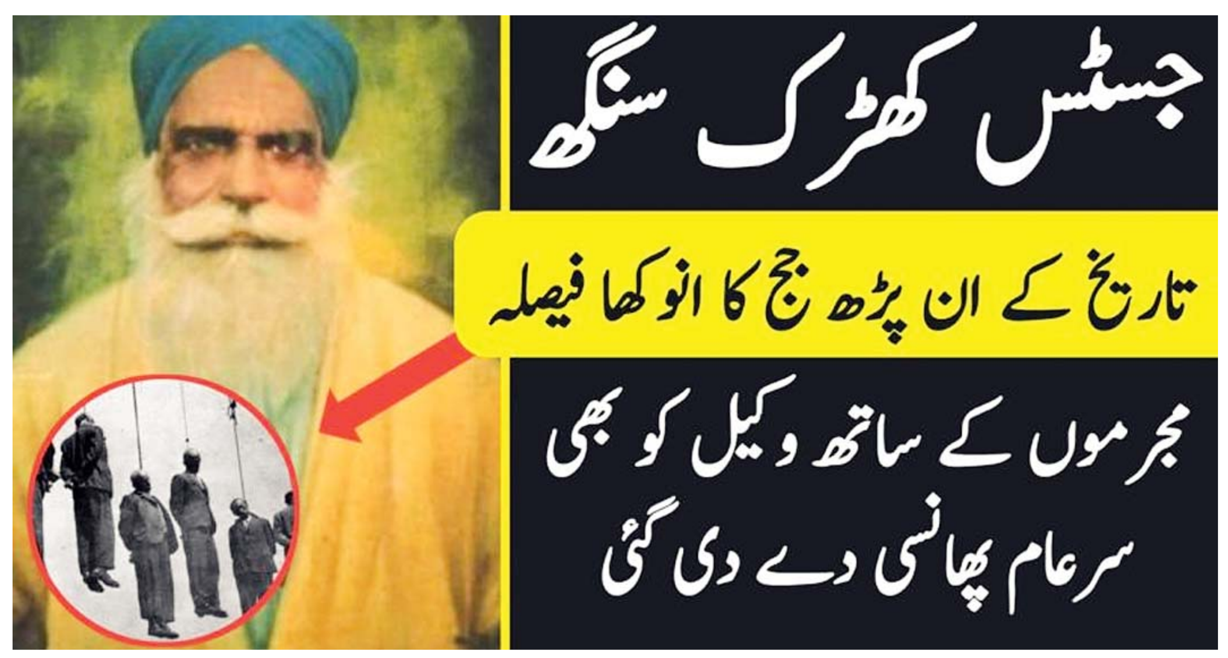

The Murder Case: Four Murders, One Crying Woman

The most infamous case that marked Baba Khadak Singh's entry into the formal legal world was a murder case involving four brutal killings. The case began when a woman, in deep distress, approached Baba Khadak Singh, claiming that her husband had been murdered. What followed was a deeply intricate and intense investigation that challenged Khadak Singh's legal reasoning and emotional intelligence.

The woman, emotionally overwhelmed and inconsolable, described how her husband was killed in a gruesome act involving multiple attackers. The woman's distress and emotional state made her an unreliable witness, but Khadak Singh could not ignore her pleas for justice. He quickly realized that her grief was only a small part of a much larger picture. The investigation revealed that the murder of her husband was part of a larger conspiracy. It wasn't just one man who had killed the woman's husband but a network of people with vested interests. There were four murders in total, each connected to a land dispute. One key piece of evidence came from a man who clarified that the land in question, which was the focal point of the dispute, was not even in the name of the murdered man. This turned the case into a complex web of property disputes, false claims, and a murder that was originally thought to be a personal vendetta.

The Tale (as popularly told):

1. **The Case:** A land dispute led to murder, and four individuals were brought before Judge Khadak Singh.
2. **The Lawyer's Involvement:** The accused's lawyer also appeared in court, arguing for his clients.
3. **The Judge's Ruling:** Judge Khadak Singh, known for his no-nonsense approach, asked who the lawyer was, and upon learning that he represented the accused, ordered him to stand with the murderers.
4. **The Sentence:** He then wrote a swift verdict, sentencing all four murderers and their lawyer to be hanged the next morning, creating immediate fear and reducing crime.

Khadak Singh's Legal Expertise and the Hang Till Death Situation

As the case progressed, Baba Khadak Singh found himself in the uncomfortable position of being drawn into the colonial legal system's harsh realities. The British system, notorious for its severity, would often sentence criminals to death in the most brutal of ways. In this case, Baba Khadak Singh's legal counsel and moral judgment were tested to their limits. A lawyer came to him to explain the technicalities of the law. The lawyers on both sides pushed for the death penalty, as was typical in such high-profile murder cases. But Baba Khadak Singh made even the lawyer stand in question.

The Legacy of Justice Khadak Singh: The Good and the Bad

The case and its aftermath marked a turning point in Baba Khadak Singh's life and legacy. On one hand, it was a victory for justice in a time when the British colonial system often operated with little concern for fairness or human life. Baba Khadak Singh's commitment to truth, compassion, and fairness became an example for many who sought justice, and he was regarded as a voice of reason in a system that was often blind to the human condition. While Baba Khadak Singh's actions in this case helped restore a sense of justice, it also illuminated the inherent flaws in the British colonial justice system and the challenges faced by those trying to bring about real change.

rajeshsharma1049@gmail.com

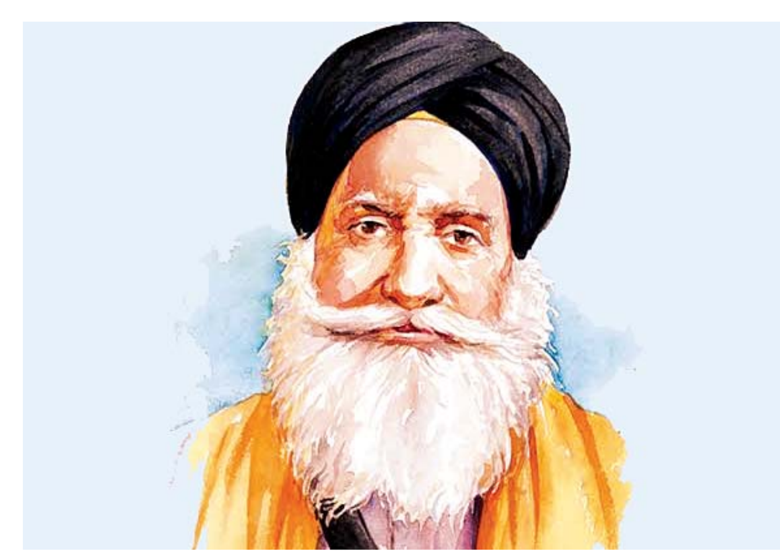

#JOSEPH DAVIDOVITS

Geopolymer Theory of the Great Pyramid of Giza

Supporters of the geopolymer theory point to microscopic and chemical features observed in some pyramid stones as evidence of artificial manufacture

The Great Pyramid of Giza, constructed around 2600 BCE, remains one of the most remarkable engineering achievements in human history. Conventional explanations hold that approximately 2.3 million limestone blocks were quarried, transported, and stacked using copper tools, sledges, ramps, and vast human labor. While this view dominates mainstream Egyptology, an alternative hypothesis proposed by French materials scientist Joseph Davidovits suggests that many of these blocks were not carved stone at all, but rather artificially manufactured using an ancient geopolymer technology.

In the 1970s, Davidovits introduced the term geopolymer to describe these synthetic stone materials. Applying this modern materials science framework to ancient construction, he proposed that the Egyptians developed an early form of geopolymer concrete thousands of years before modern cement. According to Davidovits' theory, much of the limestone used in the Great Pyramid was derived from soft limestone available near the Giza plateau. This limestone could be easily broken down when mixed with water. The Egyptians, Davidovits suggests, combined this limestone slurry with alkaline substances, such as lime and natron, both of which were readily available and already used in other Egyptian technologies. This mixture produced a chemically reactive paste that could be poured into molds and hardened into solid blocks through a low-temperature chemical reaction. Rather than hauling massive stones over long distances, workers could have cast blocks directly on site, layer by layer, using simple wooden molds. Once the mixture set, it formed a stone-like material, chemically similar to limestone but structurally distinct due to its man-made origin. This approach would have drastically reduced the logistical challenges traditionally associated with pyramid construction. Supporters of the geopolymer theory point to microscopic and chemical features observed in some pyramid stones as evidence of artificial manufacture. Analyses have reported the presence of air bubbles and voids within the stone, features typical of cast materials but rare in natural limestone. Additionally, traces of amorphous silica and non-geological mineral phases have been identified, suggesting rapid chemical formation rather than slow sedimentary processes.

Experimental reconstructions conducted by Davidovits and others have demonstrated that limestone-based geopolymer blocks can be created using simple tools, water, and alkaline solutions. These experimental blocks closely resemble natural limestone in appearance, density, and strength, lending practical support to the feasibility of the technique in ancient times.

If correct, the geopolymer theory would suggest that ancient Egyptians possessed a sophisticated understanding of chemistry and materials science, making them early innovators in engineered stone technology. Such knowledge would predate modern cement by millennia and help explain the extraordinary durability of the pyramids, which have survived for over 4,500 years.

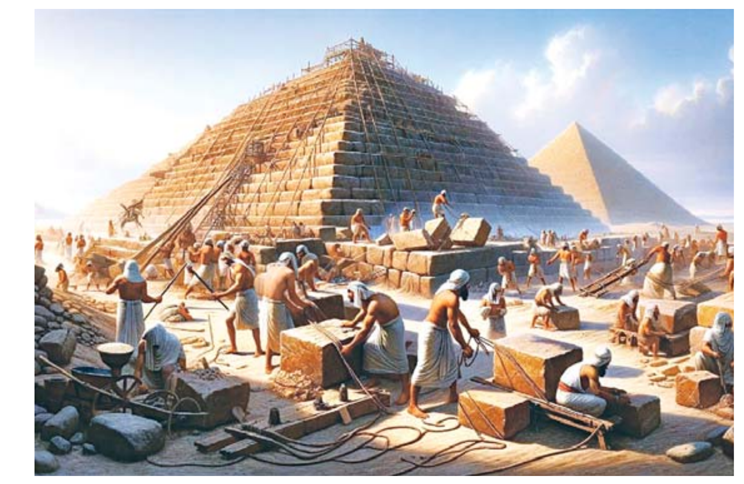

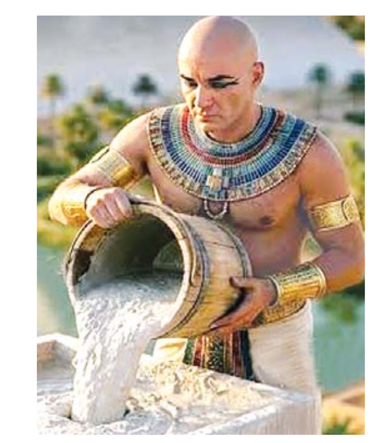

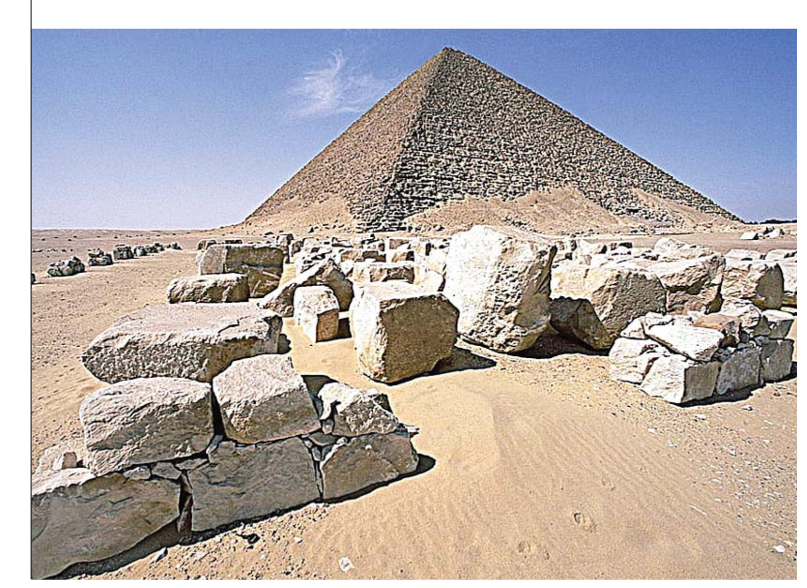

THE WALL

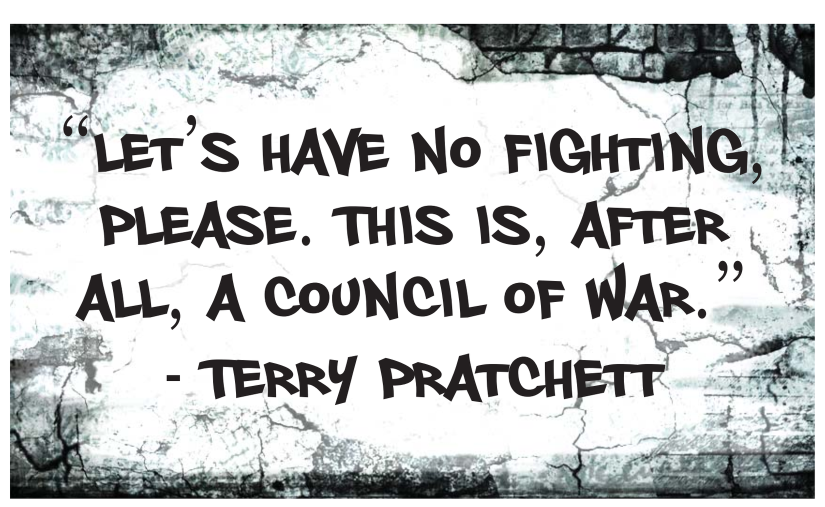

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

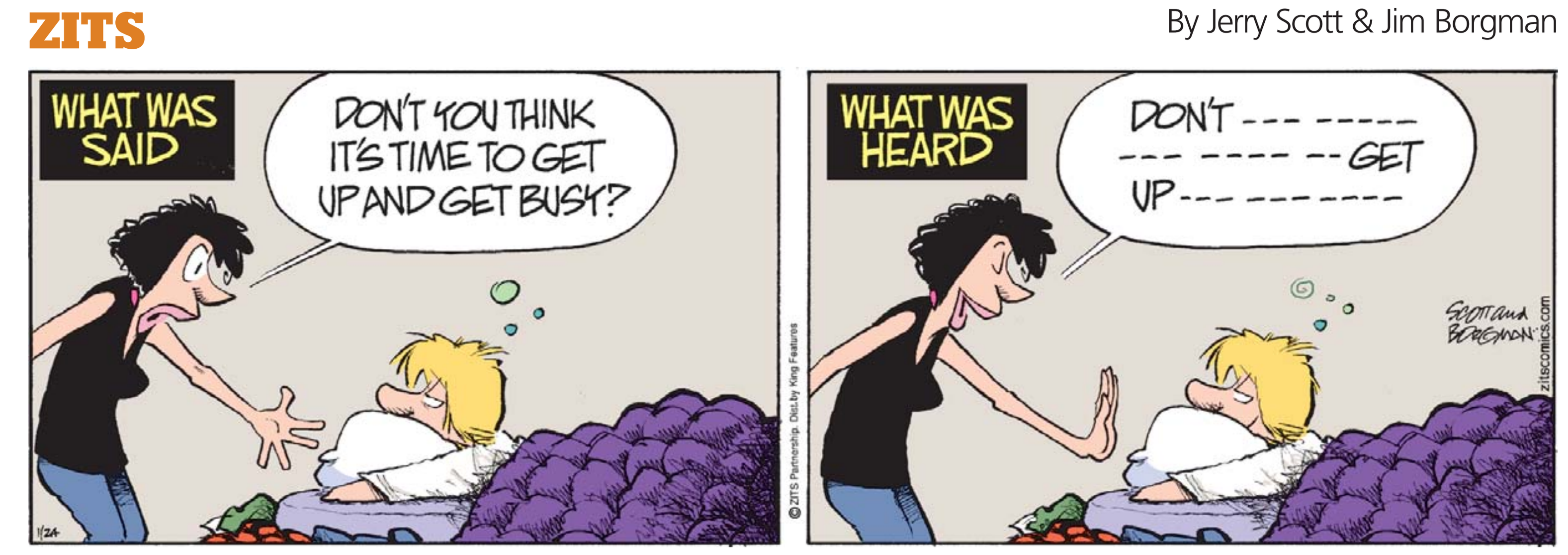

कोटा में एक करोड़ का सोना चोरी का पर्दाफाश, दो बंगाली कारीगर गिरफ्तार

पुलिस टीम ने पश्चिम बंगाल के जिला हुगली से आरोपियों को दस्तयाब किया

कोटा, (निसं)। महावीर नगर थाना इलाके से चोरी हुए एक करोड़ कीमत के सोना चोरी का पर्दाफाश करते हुए पुलिस टीम ने पश्चिम बंगाल से दो आरोपियों को दस्तयाब कर प्रकरण में गिरफ्तार किया। पुलिस की दो टीमों ने करीब 11 दिनों तक पश्चिम बंगाल व मुम्बई में दबिश दी, जिसके बाद कोटा पुलिस टीम ने स्थानीय पुलिस की मदद से पश्चिम बंगाल के जिला हुगली से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

■ **पुलिस की दो टीमों ने 11 दिन तक पश्चिम बंगाल व मुम्बई में दबिश दी**

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 26 जनवरी को फरियादी कपिल सोनी ने महावीर नगर थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि महावीर नगर इलाके में सोने के आभूषण तैयार करने के लिये उसका एक कारखाना है। रिपोर्ट में कहा कि उस कारखाने में 15 कारीगर काम करते हैं और एक नया कारीगर जिसका नाम इमरान मलिक है, रिपोर्ट में कहा कि उसके कारखाने से नया कारीगर इमरान मलिक 761 ग्राम सोने के आभूषण लेकर फरार हो गया, जिसकी कीमत करीब 1 करोड़ से अधिक है। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज किया गया। शहर एसपी ने बताया कि मामले में कार्यवाही के लिये शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलिप सैनी के निर्देशन में पुलिस उपअधीक्षक मनीष शर्मा के सुपरविजन में महावीर नगर थानाधिकारी भुपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

शहर एसपी ने बताया कि सोना चोरी के मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशिक्षु आईपीएस सिद्धार्थ श्रीवास्तव एवं गठित टीम द्वारा घटनास्थल व आसपास के क्षेत्र का मौका मुआयाना किया गया, घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटैज खंगाले गये एवं कई लोगों से पूछताछ की गई। गठित टीम द्वारा तकनीकी आधार पर घटना का विशलेषण कर साक्ष्य एकत्र किये गये। टीम द्वारा तकनीकी आधार व आसूचना से आरोपियों के पश्चिम बंगाल के निवासी होने की सूचना पर एक टीम पश्चिम बंगाल व एक टीम मुम्बई भेजी गई और टीम द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर संभावित स्थानों पर दबिश दी गई। आसूचना व तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के ग्रामीण इलाके में छिपने की सूचना मिलने पर कोटा पुलिस टीम ने स्थानीय पश्चिम बंगाल राज्य की पुलिस की सहायता से कार्यवाही करते हुए आरोपियों को दस्तयाब किया एवं न्यायालय में पेश किया, जहां आरोपियों को ट्रांजिट वारंट प्राप्त कर कोटा लाकर 761 ग्राम सोने के आभूषण चोरी के प्रकरण में गिरफ्तार किया गया। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने मामले में जिला हुगली पश्चिम बंगाल के हुरीपल निवासी इमरान मलिक एवं कुरबानी मंडल को गिरफतार किया है। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

गोदाम में मृत हालत में मिली किशोरी :- उदयपुर में कोटड़ा स्थित सरकारी गेहूं के गौदाम में मृत हालत में मिली किशोरी का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के कोटड़ा कस्बे में स्थित सरकारी गोदाम में 5 फरवरी को किशोरी का शव मिला था। इसका पता चलने पर परिजनों ने मौत पर शंका जताते हुए जांच एवं कार्यवाही की मांग की थी। इस पर पुलिस ने शव को एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवा जांच पुलिस उप अधीक्षक कोटड़ा डूंगरसिंह को सौंपी। शनिवार को पुलिस ने मृतका को मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा।

मजदूर की हत्या का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरणमगरी थाना क्षेत्र में मजदूरी पर जाते समय चाकू से हमला कर मजदूर की हत्या का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया तथा विधी से संघर्षरत एक बाल अपचारी को डिटेन किया।

प्रकरण के अनुसार 5 फरवरी को पीड़िता नन्दनी पत्नी प्रेम गमेती निवासी विजयसिंह पथिक नगर सविना ने रिपोर्ट दी कि प्रेम गमेती हमेशा की तरह तड़के हमाली करने के लिए घर से निकला था। कुछ ही समय बाद फोन आया कि रास्ते में तीन जनों ने उसे चाकू मार दिया है। इस पर मौके पर पहुंच कर सेटेलाईट चिकित्सालय ले गए। वहां से एमबी चिकित्सायल ले गए, जहां मृत्यु हो गई। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीरसिंह के सुपरविजन में हिरणमगरी थानाधिकारी भरत योगी के नेतृत्व में गठित दल ने मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त ईश्वर अहारी उर्फ जैरी पुत्र जीवतराम निवासी श्यामपुरा बैसला फला कलयाणपुर हॉल कच्ची बस्ती विजयसिंह पथिक नगर सविना व विधी से संघर्षरत बाल अपचारी व साथी आरोपी जगदीश मीणा उर्फ जग्गू को नामजद कर तलाश शुरू की। इस दौरान पीपली, ऋषभदेव, चावण्ड, परसाद, बिछीवाड़ा क्षेत्र में तलाश करने के दौरान बिच्छीवाड़ा से बस में बैठकर गुजरात की तरफ जाने की जानकरी सामने आई। इस पर गुजरात में गम्बोई थाने पर सूचना कर नाकाबंदी करवाई, जहां बस से उतरने पर ईश्वर मीणा उर्फ जैरी पुत्र जीवतराम निवासी श्यामपुरा बैसला फला कलयाणपुर व विधी से संघर्षरत एक बाल अपचारी को डिटेन का उदयपुर लेकर रवाना हुए, जहां बीच रास्ते बलीचा में लघुशंका करने के दौरान भागते समय दोनों खाई में जा कूदे जिससे दोनों चोटिल हो गए, जिनका उपचार करवाने के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया तथा बालक को डिटेन किया। जबकि फरार आरोपी जगदीश की तलाश जारी है।

युवक ने आत्महत्या की

उदयपुर, (कासं)। सविना थाना क्षेत्र में युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित जयन्ता पुत्र शिवचंद पादन निवासी भूतिला चाकुलिया उत्तर दिनापुर पश्चिम बंगाल हाल एकलिंगपुरा ने शुक्रवार रात में अपने मकान में फांसी लगा ली। इसका पता चलने पर पुलिस को सूचना दी। इस पर हेडकांस्टेबल राजेन्द्रसिंह झाला ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। जयन्ता मजदूरी करता था। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया। वहीं गत दिनों टीडी थाना क्षेत्र ओरव ब्रीज सर्विस रोड़ पर हुए हादसे में घायल देईमाता गोवर्धन विलास निवासी वीरजी पुत्र मंगलाजी मीणा की एमबी चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई। तीन फरवरी शाम विरजी बाइक पर पडूणा निवासी बहन गंगा से मिल गांव लौट रहा था। एएसआई बद्रीलाल ने पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

टोंक बीडीओ को जान से मारने की धमकी दी

टोंक, (निसं)। पंचायत समिति टोंक की बीडीओ (खण्ड विकास अधिकारी) सरिता राठौड़ को उनके ऑफिस में कार्यरत अरावली संस्था जयपुर के ब्लॉक कॉर्डिनेटर द्वारा जान से मारने की धमकी देने, अभद्र व्यवहार करने, राजकार्य में बाधा डालने का मामला सामने आया है। इसकी रिपोर्ट पीड़िता बीडीओ सरिता राठौड़ ने कोतवाली में दी है, पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू के दी है।

■ **ऑफिस में ही कार्यरत अरावली संस्था जयपुर के ब्लॉक कॉर्डिनेटर ने धमकी दी**

कोतवाल भंवरलाल वैष्णव ने बताया कि शुक्रवार को टोंक पंचायत समिति की विकास अधिकारी सरिता राठौड़ ने एक रिपोर्ट दी कि पचांयत समिति में एसोसिएशन फॉर रूरल एडवांसमेट थ्रू वॉलन्टरी एक्शन एंड लोकल इन्वाल्वमेंट (अरावली) संस्था जयपुर द्वारा राष्ट्रीय ग्राम स्वराज योजना अभियान के लिए अरविंद कुमार मेहरा ब्लॉक कॉर्डिनेटर (बीपीएमयू) पद उपलब्ध कराया था। उन्होंने बताया कि संस्था का यह कार्मिक अरविंद कुमार मेहरा ऑफिस में अनुशासनहीनता और दुर्व्यवहार करते हैं। उसे समझाने के लिए शुक्रवार को बीडीओ ने अपने चेंबर में बुलाया था। बीडीओ उसे समझा रही थी तक वह आवेश में आ गया और जान से मारने की धमकी दे डाली। उसकी तेज आवाज सुनकर ऑफिस के कर्मचारी चेंबर में आए और उसे पकड़ कर बाहर ले गए। उसके बाद लोग एकत्रित हो गए, इसके बाद वह मौके से फरार हो गया।

विकास अधिकारी राठौड़ ने बताया कि राष्ट्रीय ग्राम स्वराज योजना अभियान के लिए अरावली संस्था जयपुर द्वारा अन्य ब्लॉक की तरह टोंक ब्लॉक में भी अरविन्द कुमार मेहरा ब्लॉक कॉर्डिनेटर लगा रखा है, जो इस संस्था का कार्मिक है, लेकिन इसकी हाजिरी यहीं लगती है। यह अधिकांश समय अनुपस्थित रहता था और एक दो दिन में आकर हाजिरी लगा देता था। साथ ही इसका यहां के कर्मचारियों से भी व्यवहार सही नहीं था। दो दिन पहले भी इसमें अनुपस्थित रहने के बावजूद शुक्रवार को आकर हाजिरी लगा दी। इस पर इसे मेरे चेंबर में बुलाया और समझाया, लेकिन अपनी गलती मानने के बजाय मुझसे ही तेज में आकर बात करने लगा। उसे शांति रहकर अपनी बात कहने को कहा तो अभद्र व्यवहार किया, गाली गलौज करने लगा। ऑफिस में मुझे धमकाते हुए कहा कि मैं आपकी चोटी पकड़कर बाहर निकाल दूंगा, चाकू से मार दूंगा। यह सुनकर अन्य कमरों में बैठे कर्मचारी दौड़े आए और उसे पकड़ कर बाहर के गए, वहां भी कुछ देर तक जान से मारने की धमकी देते हुए चला गया। आरोपी ने मुझे जान से मारने की धमकी दी है, साथ ही राजकार्य में बाधा भी पहुंचाई है। आरोपी से मुझे जान का खतरा बना हुआ है, ऐसे में पुलिस को शिकायत सौंपी है।

बीकानेर के गैरेज में खड़ी कार का यूपी में कटा टोल

बीकानेर, (निसं)। फास्टैग सिस्टम की पारदर्शिता और सुरक्षा को लेकर एक चौंकाने वाला मामला बीकानेर से सामने आया है। अम्बेडकर कॉलोनी निवासी हासम अली की कार घर के गैरेज में खड़ी थी, लेकिन उसी रात उत्तरप्रदेश के उमापुर टोल प्लाजा पर फास्टैग के जरिए 80 रुपये का टोल शुल्क कट गया। सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि यह रकम रात करीब दो बजे महज दो मिनट के भीतर दो बार कटने की सूचना मोबाइल पर आई।

जानकारी के अनुसार वाहन हासम अली की बहन यासमीन के नाम पर रजिस्टर्ड है और फास्टैग भी उन्हीं के मोबाइल नंबर से जुड़ा हुआ है। रात में टोल कटने का मैसेज तो आ गया था, लेकिन परिवार ने इसे सुबह देखा। मैसेज पढ़ते ही सभी चौंक गए, क्योंकि उस दौरान कार घर में ही मौजूद थी और कहीं बाहर नहीं गई थी। घटना के बाद हासम अली ने इसे गंभीर तकनीकी गड़बड़ी या फास्टैग के गलत इस्तेमाल की आशंका जताई है। उन्होंने पूरे मामले को लेकर सायबर थाने में शिकायत दर्ज करवाई और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

फास्टैग से बिना वाहन गुजरे टोल कटने की शिकायतें पहले भी सामने आती रही हैं। बावजूद इसके अब तक इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। पीड़ित परिवार का कहना है कि यदि घर में खड़े वाहन से भी टोल कट सकता है, तो फास्टैग सिस्टम पर लोगों का भरोसा डगमगाना स्वाभाविक है।

उदयपुर में हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर वकीलों का प्रदर्शन

उदयपुर, (कासं)। बार एसोसिएशन उदयपुर एवं मेवाड़ वागड हाईकोर्ट बेंच संघर्ष समिति के तत्वाधान में शनिवार को न्यायालय के मुख्य द्वार पर मेवाड़ वागड़ में हाई कोर्ट बेंच की स्थापना हेतु धरना प्रदर्शन किया गया।

बार एसोसिएशन उदयपुर के महासचिव लोकेश गुर्जर ने बताया कि आज बार एसोसिएशन उदयपुर के अध्यक्ष जितेन्द्र जैन की अध्यक्षता में मेवाड़ वागड़ हाईकोर्ट बेंच संघर्ष समिति के संयोजक रमेश नंदवाना के नेतृत्व में हर माह की 7 तारीख को धरना प्रदर्शन किया जाता है जिसके दौरान समस्त अधिवक्ता अपना न्यायिक कार्य त्याग कर आंदोलन करते हैं। उदयपुर में उच्च न्यायालय की खंडपीठ की स्थापना हेतु पूरा मेवाड़ वागड़ विगत 44 वर्षों से उदयपुर में खंडपीठ की स्थापना हेतु आंदोलन कर रहा है। आज धरने पर कई अधिवक्ता उपस्थित हुए और अपने उद्बोधन दिए और कंधे से कंधा मिलाकर उक्त आंदोलन को और तीव्र करने हेतु अपने-अपने विचार रखे हैं।

प्रदेश के जर्जर स्कूल भवनों का जल्द नया निर्माण होगा : शिक्षा मंत्री

निवाई, (निसं)। नगर पालिका द्वारा शहर में करोड़ों रूपए की लागत से करवाए गए विकास कार्यों का टीलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में लोकार्पण व शिलान्यास समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, अध्यक्षता कर रहे विधायक रामसहाय वर्मा, पालिकाध्यक्ष दिलीप इसरानी, भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रवीरसिंह चौहान व शहर अध्यक्ष नितिन छाबड़ा ने विधिवत फीता काटकर लोकार्पण व शिलान्यास किया।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर शुक्रवार की देर शाम करीब नौ बजे बग्गी में बैठकर टीलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। जहां विधायक रामसहाय वर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी, भाजपा लिाध्यक्ष चन्द्रवीरसिंह चौहान व शहर अध्यक्ष नितिन छाबड़ा सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि सरकार प्रदेश के चौमुखी विकास के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने वाला विजन पत्र है। उन्होंने कहा कि टैक्सटाइल, हैंडलूम, एमएसएमई, महिला, शिक्षा, कृषि, पशुपालन एवं ऊर्जा के क्षेत्र में की गई घोषणाओं से राजस्थान को विशेष लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के जर्जर स्कूल भवनों के निर्माण करने की तैयारी हो चुकी है। इन भवनों का जल्द नया निर्माण होगा। इन भवनों पर निर्माण तिथि के साथ एक्सपायर डेट भी लिखी जाएगी, ताकि भवन की अवधि समाप्त होने पर उक्त बिल्डिंग का इस्तेमाल बंद करके उसको गिराया जा सकेगा। मंत्री दिलावर ने कहा कि बच्चों को किसी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। इसके लिए सरकार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। मंत्री ने कहा कि स्कूलों के निर्माण सहित अन्य कार्यों के लिए 575 करोड़ रुपए के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार से भी 1000 करोड़ रुपए का सहयोग मिलेगा। इससे राजस्थान के स्कूलों का कायाकल्प और संसाधनों में बढ़ोतरी की जाएगी।

विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में विकास कार्यों की गति निरंतर तेज हुई है और आने वाले समय में और भी महत्वपूर्ण परियोजनाएं संचालित होगी। क्षेत्र में लगभग 1200 करोड़ रुपए की लागत से विकास कार्य किए जा रहे हैं। जिससे आमजन को सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि सरकार शहर को सुव्यवस्थित, सुविधाजनक एवं विकसित बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने कहा कि नगर पालिका का लक्ष्य केवल निर्माण करना ही नहीं, बल्कि नागरिकों को स्थायी व गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि नगर पालिका क्षेत्र में लगभग 700 कार्य वर्तमान समय में प्रगति पर हैं। नए 5 वार्डों में लगभग 15 करोड़ रुपए के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। जिसमें विभिन्न कार्य शामिल किए गए हैं।

पार्षद परसराम कुमावत ने बताया कि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने करोड़ों रूपए की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमाकांत शर्मा, नरेश बंसल, पार्षद परसराम कुमावत, ओपी गुप्ता, मोला सेन, मदनलाल वर्मा, लालचन्द सैनी, नटवाडा मंडल अध्यक्ष बद्री विजय, डांगरथल मंडल अध्यक्ष केदार जाट, जीतू विजय, बाबूलाल सैनी, शंकरलाल सैनी, मंगलराम मीणा, रमेश सैनी व संजय वर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद थे।

इनामी बदमाश गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। माण्डलगढ़ पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट मामले में पिछले तीन साल से फरार चल रहे एक इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। इस आरोपी पर पुलिस अधीक्षक द्वारा 5000 रुपये का इनाम घोषित था।

भीलवाड़ा एसपी धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत माण्डलगढ़ पुलिस को यह सफलता हाथ लगी है। मामला माण्डलगढ़ थाने के एनडीपीएस एक्ट के एक पुराने प्रकरण से जुड़ा है। आरोपी आबिद हुसैन मंसूरी, जो कि माण्डलगढ़ की पुरानी आबादी का रहने वाला है, पिछले 3 साल से पुलिस को चकमा दे रहा था। वह अपने घर से गायब था और पुलिस की गिरफ्त से दूर था। उसकी गिरफ्तारी न होने पर एसपी भीलवाड़ा ने उस पर 5 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया था। एएसपी पारस जैन और डीएसपी बाबूलाल विश्नोई के सुपरविजन में, थानाधिकारी घनश्याम मीणा ने एक विशेष टीम का गठन किया। टीम ने लगातार प्रयास करते हुए शनिवार को आरोपी आबिद हुसैन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है, जिसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा। इस कार्रवाई में थानाधिकारी घनश्याम मीणा के साथ कॉन्स्टेबल सुरेन्द्र सिंह, गोपाल लाल और राजेन्द्र की अहम भूमिका रही।

थाईलैंड की राजकुमारी सिरिवन्नवारी नारीरत्ना आज जोधपुर में

जोधपुर, (कासं)। थाईलैंड की राजकुमारी सिरिवन्नवारी नारीरत्ना आठ फरवरी से जोधपुर के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगी। वे विशेष विमान से जोधपुर पहुंचेंगी। राजकुमारी के आगमन को लेकर जिला प्रशासन और संबंधित विभागों ने व्यापक तैयारियां की हैं। सुरक्षा, आवागमन, ठहराव और भ्रमण को लेकर अलग-अलग अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

■ **राजकुमारी के आगमन को लेकर जिला प्रशासन और संबंधित विभागों ने तैयारियां की**

थाईलैंड की राजकुमारी के शाही स्वागत को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। एयरपोर्ट से लेकर उनके ठहरने और भ्रमण स्थलों तक विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ यातायात व्यवस्था को भी सुचारु रखने के निर्देश दिए गए हैं। राजकुमारी के स्वागत में पारंपरिक और शाही अंदाज अपनाया जाएगा। राजकुमारी मेहरानगढ़ दुर्ग, उम्मेद भवन पैलेस और जसवंत थड़ा सहित प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण करेंगी।

गौरतलब है कि राजकुमारी सिरिवन्नवारी नारीरत्ना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर के रूप में जानी जाती हैं। उनका खुद का लग्जरी फैशन ब्रांड है, जो दुनिया के कई देशों में लोकप्रिय है। फैशन के क्षेत्र में उनके डिजाइन और कलेक्शन को खास पहचान मिली हुई है। राजकुमारी सिरिवन्नवारी केवल फैशन तक सीमित नहीं हैं, वे थाईलैंड की शाही सेना में मेजर के पद पर भी कार्यरत हैं। इसके अलावा वे एक कुशल घुड़सवार हैं और खेल, कला व संस्कृति के क्षेत्र में उनकी गहरी रुचि है। राजकुमारी सिरिवन्नवारी नारीरत्ना को दुनिया की सबसे अमीर राजकुमारियों की सूची में भी शामिल किया जाता है। उनकी संपत्ति अरबों में बताई जाती है। वह न केवल शाही परिवार की प्रतिष्ठित सदस्य हैं, बल्कि आर्थिक रूप से भी बेहद सशक्त मानी जाती हैं। उनकी संपत्ति और प्रभाव का दायरा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैशन, व्यापार और सामाजिक क्षेत्रों तक फैला हुआ है। जानकारी के अनुसार राजकुमारी भारत के पांच दिवसीय दौरे पर आई हैं। इस दौरान वे राजस्थान के विभिन्न शहरों के साथ-साथ आगरा का भी भ्रमण करेंगी।

रेलवे में नौकरी का झांसा देकर लाखों की ठगी

उदयपुर, (कासं)। रेलवे में नौकरी दिलाने का झांसा देकर करीब तेरह लोगों से लाखों की नकदी हड़पने वालें दो आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित अर्जुनसिंह पुत्र डूंगरसिंह राजपूत निवासी बरोडिया ने जयपुर निवासी सुरेश शर्मा एवं अमीत के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि मेरा जयपुर आना-जना रहता है। इस दौरान वर्ष 2024 में आरोपियों से संपर्क हुआ। जिनसे बातचीत होने पर दोनों ने सरकार के मंत्रियों एवं अधिकारियों से अच्छा संपर्क होने की बात कही तथा पुत्र सत्येन्द्रसिंह व किशनसिंह को रेलवे में नौकरी दिलाने के लिए बातचीत के लिए गांव बुलाया। इस दौरान बातचीत में आरोपियों ने अन्य लोगों को भी नौकरी लगाने की बात कही तो गांव के गजेन्द्र सिंह, दिलीप सिंह, पियुष सिंह, प्रवीण सिंह, युवराज सिंह, सुरेन्द्रसिंह, मनोहर सिंह, प्रवीणसिंह, राजेन्द्रसिंह, विरेन्द्र सिंह व अन्य के नाम तय कर प्रत्येक से 3-3 लाख रूपये लेना तय कर नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया। इस पर मैने सभी ने रूपये इकठ्ठा कर वर्ष 2024-25 में आरोपियों को 30 लाख 50 हजार रूपये का भुगतान किया। गत दिनों संपर्क किया तो मोबाइल स्वीच ऑफ था। इस पर जयपुर जाकर देखा तो मकान पर ताला लगा हुआ था।

नकली घी के संदेह में सीएसटी ने दबिश दी : जोधपुर में कमिश्नर स्पेशल टीम ने मंडोर मंडी में एक दुकान में नकली घी के कारोबार के संदेह में दबिश दी, जिस फर्म पर रेड दी गई है वह पार्टनरशिप में चल रही है। देर शाम तक सीएसटी की कार्रवाई जारी थी। सीएसटी प्रभारी एसआई मेहराज ने बताया कि मंडोर मंडी में हर्षित एंटरप्राइजेज नाम की दुकान में नकली घी के कारोबार की जानकारी मिली थी। जिस पर मय जाब्ते के वहां रेड दी गई। दुकान में भारी में मात्रा घी के टिन और वेपर मिले। घी नकली है अथवा असली इसका पता लगाया जा रहा है। फूड इंस्पेक्टर को भी सूचना दी गई है। फर्म के मालिक नवीन जैन और महावीर जैन है जोकि पार्टनरशिप में काम करते हैं। फिलहाल इस बारे में आगे की कार्रवाई जारी है।

कोटा में यूडी टैक्स जमा नहीं कराने पर निगम की कार्रवाई

कोटा नगर निगम ने आकाश मॉल सहित छह दुकानें सीज की

कोटा, (निसं)। नगरीय विकास कर जमा नहीं करवा रहे लोगों के खिलाफ नगर निगम का एक्शन शनिवार को एक बार फिर दिखाई दिया। निगम की टीम ने शनिवार को एरोड्रम सर्किल स्थित आकाश मॉल सहित छह दुकानों को सीज कर दिया। यह कार्यवाही होते ही हड़कम्प की स्थिति बन गई और आकाश मॉल के संचालकों सहित सभी दुकान मालिकों ने शाम होते-होते बकाया चल रहा 20 लाख रुपए से अधिक का नगरीय विकास कर जमा करवा दिया।

■ **व्यापारियों ने शाम को बकाया चल रहा करीब 20 लाख का नगरीय विकास कर जमा करवाया**

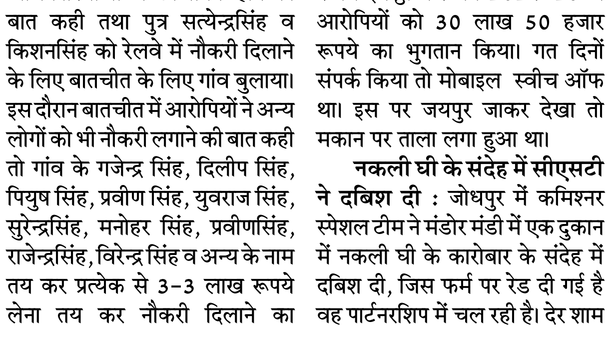

कोटा नगर निगम ने यूडी टैक्स जमा नहीं करवाने पर कार्रवाई की।

आयुक्त ओमप्रकाश मेहरा ने बताया कि नगरीय विकास कर के बकाए की वसूली के लिए कार्य योजना तैयार की गई है। उपायुक्त राजस्व धीरज कुमार सोनी के नेतृत्व में एक टीम पिछले कई दिनों से उन सभी बकायादरों की सूची तैयार करने में जुटी थी जो लंबे समय से नगरीय विकास कर जमा नहीं करवा रहे हैं। इनके खिलाफ गुरुवार से कार्रवाई प्रारंभ की गई। सबसे पहले कैथून रोड स्थित एक वेयरहाउस को सीज कर 25 लाख रुपए से अधिक का नगरीय विकास कर वसूला गया। अब टीम ने शनिवार सुबह आकाश मॉल और नई धानमंडी तथा मोटर मार्केट क्षेत्र की पांच दुकानों को सीज कर दिया। आकाश मॉल के संचालक पिछले तीन वर्ष से नगरीय विकास कर जमा नहीं करवा रहे थे, जबकि शेष दुकानदारों पर वर्ष 2007 से ही नगरीय विकास कर बकाया चल रहा था। आकाश मॉल को सीज किए जाने के बाद सुबह जब वहां स्थित दुकानों के मालिक और ऑफिसों और बैंकों के अधिकारी-कर्मचारी पहुंचे तो गेट पर ताला लगा देख सन्न रह गए। ऐसे में आकाश मॉल के संचालकों ने कुछ ही देर बाद बकाया 12 लाख रुपए नगरीय विकास कर जमा करवा दिया। इसी तरह बाकी दुकानदार भी शाम होते-होते अपना बकाया यूडी टैक्स जमा करने निगम कार्यालय पहुंच गए। राशि जमा करवाए जाने के बाद सीजिंग को खोल दिया गया।

आयुक्त ओमप्रकाश मेहरा ने बताया कि नगरीय विकास कर वर्ष 2007 से संपूर्ण राजस्थान में लागू है। ऐसे में वे सभी आवासीय भवन और प्लॉट जो 2700 वर्ग फीट क्षेत्र से अधिक के हैं तथा व्यावसायिक प्लॉट और भवन जो 900 स्क्वायर फीट से अधिक क्षेत्र के हैं, सभी वर्ष 2007 से ही नगरीय विकास कर के दायरे में आते हैं। इन सभी भूखंड और भवन मालिकों से आग्रह है कि वे निगम कार्यालय में संपर्क कर अपना बकाया यूडी टैक्स जल्द से जल्द जमा करवा दें। आने वाले दिनों में निगम बकायेदारों के खिलाफ सीजिंग की कार्यवाही को और गति देगा।

नसीराबाद में परिषद चुनाव संपन्न

नसीराबाद, (निसं)। भारत विकास परिषद नसीराबाद शाखा की वार्षिक आमसभा के दौरान संगठनात्मक चुनाव शांतिपूर्ण एवं सर्वसम्मति से संपन्न हुए। सदस्यों की सहमति से चंद्रप्रकाश बंसल को अध्यक्ष, सुनील माहेश्वरी को सचिव तथा दिलीप मित्तल को कोषाध्यक्ष चुना गया। चुनाव कार्यक्रम लादूरामजी की धर्मशाला में आयोजित किया गया, जहां शाखा के सक्रिय सदस्यों ने नई कार्यकारिणी के गठन में भाग लिया। चुनाव प्रभारी एवं मुख्य अतिथि मुकेश शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि राजेश कामदार की मौजूदगी में निर्वाचन प्रक्रिया पूरी की गई। संगठन को और अधिक सक्रिय बनाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकल्पों के लिए भी जिम्मेदारियां सौंपी गईं। सेवा प्रकल्प की कमान संजय कंसल, संस्कार प्रकल्प की जिम्मेदारी ज्ञानेंद्र गर्ग, पर्यावरण प्रकल्प का दायित्व प्रदीप मित्तल, संपर्क प्रकल्प रवि सोनी तथा महिला सहभागिता संयोजिका शिल्पा चौकड़ीवाल को सौंपी गई।

नवनियुक्त अध्यक्ष चंद्रप्रकाश बंसल ने कहा कि परिषद के मूल मंत्र सेवा, संस्कार और समर्पण के साथ नसीराबाद शाखा को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी गतिविधियां सामूहिक सहभागिता से संचालित होंगी और शीघ्र ही शेष कार्यकारिणी का गठन भी किया जाएगा।

उदयपुर में एक सप्ताह से पैंथर के मूवमेंट से दशहत

भीलू राणा कॉलोनी के लोगों में दहशत

उदयपुर, (कासं)। मस्तान बाबा दरगाह के समीप स्थित स्थित भीलू राणा कॉलोनी में गत एक सप्ताह से पैंथर का आवागमन बना रहने से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार पैंथर एक सप्ताह पहले एडवोकेट सज्जाद खान के घर से पालतू कुत्ते का शिकार कर ले गया और तीन दिन पहले भी भीलू राणा कॉलोनी में आधी रात के बाद विचरण करते देखा गया। पैंथर शुक्रवार रात को 2.30 बजे एडवोकेट सज्जाद के घर के सामने स्थित सेवानिवृत्त हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के कर्मचारियों के आवास के बाहर बैठा हुआ कैमरे में कैद हुआ। वन्य जीव प्रेमी हरीश पालीवाल को एडवोकेट सज्जाद हुसैन ने घटनाक्रम की जानकारी दी, जिस पर वन्य जीवप्रेमी व विभाग के साथ जुड़े हरीश पालीवाल ने उन्हें वन्य जीव अभयारण्य के अधिकारियों के नंबर मुहिया करवाए और उन्हें वहां शिकायत करने की बात की। तीन दिन बीत जाने के बाद भी विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई ना ही विभागीय अधिकारी

उदयपुर के मल्लातलाई क्षेत्र की भीलू राणा स्थित कॉलोनी में एक मकान के बाहर बीती रात ढाई बजे पैंथर दिखाई दिया।

मौके पर पहुंचे। लगातार पैंथर के मूवमेंट बना रहने से भीलू राणा कॉलोनी में निवास करने वाले बच्चों महिलाओं और वृद्धों में दशहत का माहौल है। उल्लेखनीय है कि यह कॉलोनी सज्जनगढ़ अभयारण्य से लगी पहाड़ के नीचे स्थित है जहां पर वन्यजीवों का आवागमन आसानी से होता है।

माण्डलगढ़ में लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान नवनिर्मित कक्षा कक्ष का फर्श धंसा

गनीमत रही कि हादसे के समय कक्षा कक्ष में बच्चे नहीं थे, बड़ा हादसा टला

माण्डलगढ़, (निसं)। सरकारी स्कूलों में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। माण्डलगढ़ क्षेत्र के राजगढ़ पंचायत मुख्यालय पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में नवनिर्मित कक्षा कक्ष के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान अचानक फर्श धंस गया। गनीमत रही कि उस समय कक्षा कक्ष में बच्चे मौजूद नहीं थे, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

नव निर्मित कक्षा कक्ष के लोकार्पण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद विधायक गोपाल खंडेलवाल ने घटना पर गहरी नाराज़गी जताते हुए इसे घटिया निर्माण का स्पष्ट उदाहरण बताया और संबंधित निर्माण कार्य की तत्काल जांच के निर्देश शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों को दिए। विधायक खंडेलवाल ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मौक़े पर मौजूद ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि स्कूल में 2 कक्षा कक्ष के निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है। फर्श को सीमेंट के बजाय मिट्टी में लगाया गया है। घटिया सामग्री से छत भी कमजोर बनाई गई है, जो पिछले दिनों हुई बारिश में टपकने लगी थी। निर्माण के दौरान समग्र शिक्षा अभियान योजना के जिम्मेदार अफसरों और तकनीकी अधिकारियों ने निरिक्षण तक नहीं किया हैं, दोनों कक्षा कक्ष की नींव भी बरसों पूर्व भरी गई थी, उसी नीव पर भवन निर्माण कर दिया गया। इस घटना ने राज्य में सरकारी स्कूल भवनों की निर्माण गुणवत्ता को लेकर गंभीर चिंता खड़ी कर दी है। वहीं निर्माणाधीन हॉल के मोके पर लगे सूचना प्रदर्श बोर्ड पर भी आधी अधूरी जानकारी लिखी मिली हैं, संवेदक के मोबाइल नम्बर तृटिपूर्ण लिखे हुए है, वहीं लागत भी अंकित नहीं की हुई है।

माण्डलगढ़ के राजगढ़ में लोकार्पण के दौरान विद्यालय में कक्षा कक्ष का फ़र्श धंस गया।

- कार्यक्रम में मौजूद विधायक गोपाल खंडेलवाल ने घटना पर गहरी नाराज़गी जताते हुए जांच के निर्देश दिये

उल्लेखनीय है कि महज़ 6 माह पूर्व झालावाड़ जिले में घटिया निर्माण से बनी स्कूल बिल्डिंग की छत गिरने से बड़ा हादसा हुआ था, जिसमें कई मासूम बच्चों की मौत हो गई थी और कई बच्चे गम्भीर घायल भी हुए थे। उस दर्दनाक घटना के बाद पूरे प्रदेश में स्कूल भवनों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठे थे और व्यापक जांच के दावे किए गए थे, लेकिन माण्डलगढ़ के राजगढ़ स्कूल की यह ताजा घटना बताती है कि जमीनी स्तर पर हालात अब भी नहीं सुधरे हैं।

स्थानीय लोगों और अभिभावकों का कहना है कि सरकारी भवनों के निर्माण में गुणवत्ता की अनदेखी आम बात हो गई है। ठेकेदार कम लागत में काम पूरा कर भुगतान लेने में सफल हो जाते हैं, जबकि निगरानी करने वाले विभागीय अधिकारी सिर्फ औपचारिकता निभाते नजर आते हैं। ऐसे में सबसे बड़ा खतरा उन मासूम बच्चों की जान को है, जो रोज़ इन्हीं जर्जर या कमजोर भवनों में पढ़ने को मजबूर हैं। अब स्कूल प्रबंधन और कार्यकारी एजेंसी सवालों के घेरे में आ रही कि लोकार्पण से पहले भवन की सुरक्षा जांच क्यों नहीं कराई गई।

जोधपुर के एमडीएम अस्पताल के आईसीयू में भर्ती मरीज की मौत

- मरीज के परिजनों का आरोप है कि अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ और गार्ड की लापरवाही से मरीज की जान गई है
- शनिवार सुबह आईसीयू में भर्ती पीलिया का मरीज उठकर आईसीयू से बाहर निकल गया था
- द्वितीय फ्लोर पर लिफ्ट के पास आकर गिर गया और उसके सिर में चोट लग गई, बाद में उसकी मौत हो गई
- परिजनों की मांग को लेकर सीनियर अधीक्षक रहे डॉ. गणपत की अध्यक्षता में जांच कमेटी गठित की

जोधपुर, (कासं)। शहर के मथुरादास माथुर (एमडीएम) अस्पताल में शनिवार सुबह आईसीयू में भर्ती पीलिया का मरीज उठकर निकल गया। द्वितीय फ्लोर पर वह लिफ्ट के पास आकर गिर गया और उसके सिर में चोट लग गई, बाद में उसकी मौत हो गई। मरीज के परिजनों का आरोप है कि अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ और गार्ड की लापरवाही से मरीज की जान गई है। इसको लेकर कार्रवाई की मांग की गई। सूचना पर शास्त्रीनगर पुलिस भी एमडीएम अस्पताल पहुंची।

जानकारी के अनुसार पुष्पेंद्र सिंह पुत्र अमरसिंह नाम के एक मरीज को तीन फरवरी को पीलिया से ग्रस्त होने पर एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उसे आईसीयू वार्ड द्वितीय फ्लोर पर रैफर कर दिया गया। तीन चार दिन से वह आईसीयू में ही भर्ती था। शनिवार की सुबह परिजन कागजी कार्रवाई और जांचें करवाने के लिए व्यस्त हो गए। तब दस बजे के आसपास पुष्पेंद्र सिंह अपने बेड संख्या 12 से उठा और नाक में लगी नली को निकाला, फिर उठकर रवाना हो गया। उसे किसी स्टाफ द्वारा ना रोका गया और ना ही टोका गया। वह पैदल चलकर गेट तक पहुंचा और फिर द्वितीय फ्लोर की लिफ्ट तक दौड़कर आया। वहां आकर गिर गया। उसके सिर में भी चोट लग गई। बाद में पता लगने पर परिजन तत्काल पहुंचे और उसे बेड पर लाकर लिटाया गया, मगर पुष्पेंद्र की मौत हो गई।

मृतक पुष्पेंद्र सिंह के परिजनों का आरोप है कि नर्सिंग स्टाफ और गार्ड की लापरवाही से उसकी जान गई है। स्टाफ ने परिजन को साफ तौर पर कह रखा था कि आईसीयू में कोई प्रवेश नहीं करेगा, जरूरत होने पर बुला देंगे। उसके बावजूद वह बेड से उठकर रवाना हो गया। गेट पर हमेशा गार्ड भी रहता है, मगर वहां गेट पर गार्ड भी तैनात नहीं था। इनकी लापरवाही के चलते पुष्पेंद्र की मौत हुई है। इधर अस्पताल में परिजन के हंगामा और विरोध की जानकारी पर शास्त्रीनगर थानाधिकारी जुल्फिकार अली आदि अस्पताल पहुंचे। यथास्थिति को समझा और समझाइश का प्रयास किया गया।

मथुरादास माथुर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित ने बताया कि चार फरवरी से आईसीयू में मरीज भर्ती था। वह एल्कोहलिक लिवर डिजीज के पेशेंट से और बहुत इरिटेबल थे। रात को भी अटेंडेंट को साथ बैठाया जाता था। स्टाफ वगैरह सब उपस्थित थे, लेकिन वह अचानक से सब कुछ निकालकर बाहर चला गया। स्टाफ ने भी रोकने की कोशिश की, लेकिन वह नीचे चले गया। इसके बाद उसे ऊपर लेकर आए, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई।

परिजनों की मांग को देखते हुए सीनियर अधीक्षक रहे डॉ. गणपत की अध्यक्षता में जांच कमेटी गठित कर दी गई है। कमेटी मामले की जांच करेगी और यदि किसी स्टाफ ने किसी तरह की लापरवाही बरती है तो उसके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।

अलवर में किसान और लैपर्ड भिड़े, लैपर्ड की मौत

- किसान ने खुद की जान बचाने के लिए लैपर्ड पर वार किया था, जिससे उसकी मौत हो गई
- किसान गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में भर्ती कराया, खरकड़ी गांव का है मामला

अलवर, (निसं)। अलवर के नारायणपुर थाना क्षेत्र के गांव खरकड़ी कला में किसान और लैपर्ड के बीच संघर्ष हो गया। 10-15 मिनट तक चले संघर्ष में लैपर्ड की मौत हो गई। वहीं किसान गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला शनिवार सुबह करीब सात बजे नारायणपुर थाना क्षेत्र के खरकड़ी गांव का है।

ग्रामीणों ने बताया कि श्रवण गुर्जर (52) सुबह खेत में डाली काटने के लिए गया था। खेत में पहुंचकर जब पेड़ पर चढ़ रहा था, तभी झाड़ियों में छिपे लैपर्ड ने अचानक हमला कर दिया। लैपर्ड ने श्रवण को दबोच लिया और काफी दूर तक घसीट ले गया। इसके बाद उसने उनके शरीर पर लगातार पंजों और दांतों से अटैक किया, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। इस बीच श्रवण ने अपनी गर्दन को बचाए रखा, वरना बचना मुश्किल था। लैपर्ड ने कई बार गर्दन पर अटैक करने का प्रयास किया, लेकिन किसान ने गर्दन के आगे अपने हाथ रख लिए थे। लैपर्ड से संघर्ष के दौरान किसान को मौका मिला और उसने लैपर्ड के सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया, जिससे लैपर्ड वहीं ढेर हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि किसान ने हिम्मत दिखाई और उसने खुद की जान बचा ली। किसान ने खुद की जान बचाने के लिए लैपर्ड पर वार किया था, जिससे उसकी जान चली गई। ग्रामीणों की मदद से घायल श्रवण को तुरंत नारायणपुर सीएचसी ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए अलवर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

बॉर्डर के पास मिला पाकिस्तानी गुब्बारा

बीकानेर, (निसं)। जिले से लगती अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे खाजूवाला क्षेत्र में एक बार फिर पाकिस्तान की संदिग्ध गतिविधि सामने आई है। खाजूवाला थाना क्षेत्र के 6जीएम अलादीन गांव के पास एक पाकिस्तानी गुब्बारा मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। गुब्बारे पर पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस लिखा हुआ था, जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई। ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने के बाद मौके पर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर जांच शुरू की। गुब्बारे की बारीकी से जांच की गई, हालांकि उसमें कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। बताया जा रहा है कि बॉर्डर इलाके में पहले भी कई बार इसी प्रकार के गुब्बारे मिल चुके हैं। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि यह भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को गुमराह करने और माहौल बिगाड़ने की पाकिस्तान की साजिश हो सकती है। खाजूवाला क्षेत्र संवेदनशील होने के चलते सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं और आसपास के इलाके में निगरानी बढ़ा दी गई है। मामले को लेकर आगे भी जांच जारी है।

घर के आंगन में बुजुर्ग की हत्या, खाट पर मिला लहूलुहान शव

- मृतक के परिजनों ने गांव के ही एक जने पर हत्या का शक जताया

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के देवल मनात फला गांव में एक बुजुर्ग की अज्ञात व्यक्तियों ने हत्या कर दी। बुजुर्ग का लहूलुहान शव घर के आंगन में खाट पर पड़ा मिला। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सदर थाने के सीआई ने बताया कि मनात फला गांव निवासी धुला मनात ने रिपोर्ट में बताया कि शुक्रवार सुबह वह मजदूरी के लिए देवल गया था। उस समय उसके पिता शंकर मनात गांव के ही शांतिलाल पुत्र शंकर कोटेड के साथ घर पर बातचीत कर रहे थे। देर शाम धुला को सूचना मिली कि उसके पिता शंकर घर के आंगन में खाट पर लहूलुहान हालत में पड़े हैं और बोल नहीं रहे हैं। घर पहुंचने पर उसने देखा कि निर्माणाधीन कमरे के बाहर खाट पर पिता का शव पड़ा था। मृतक के सिर, गले और सीने पर गंभीर चोट के निशान थे तथा सिर व गले से खून बह रहा था। धुला मनात ने तुरंत अपने बड़े भाई बाबूलाल मनात को घटना की सूचना दी। कुछ ही देर में बाबूलाल भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद परिजनों ने सदर थाना पुलिस को सूचना दी। रात को पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। शनिवार सुबह परिजन और पुलिस मोर्चरी पहुंचे। इस दौरान परिजनों ने गांव के ही शांतिलाल कोटेड निवासी बटका फला देवल पर मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है और हत्या का मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

डोडा-चूरा तस्कर को 15 साल की सज़ा

- कोर्ट ने डेढ़ लाख का जुर्माना भी लगाया

भीलवाड़ा, (निसं)। विशिष्ट न्यायाधीश एनडीपीएस न्यायालय भीलवाड़ा ने मादक पदार्थों की तस्करी के एक मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी को 15 वर्ष के कठोर कारावास की सज़ा सुनाई है।

जानकारी के अनुसार घटना 12 मई 2016 की है। पुर थाना अधिकारी रामअवतार चौधरी अपनी टीम के साथ -79 पर नाकाबंदी कर रहे थे। चित्तौड़गढ़ की तरफ से आ रहे एक मिनी ट्रक के चालक ने पुलिस को देखकर गाड़ी भगा दी और बाद में गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। तलाशी लेने पर ट्रक से 638 किलो अफीम डोडा चूरा ज़ब्त किया गया था। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने वाहन चालक नासिर पुत्र बाबू खां मिरासी, निवासी पादूकलां, नागौर को गिरफ्तार कर चार्जशीट पेश की। विशिष्ट लोक अभियोजक रामस्वरूप गुर्जर ने बताया कि अभियोजन पक्ष ने कुल 12 गवाह और 92 दस्तावेज़ कोर्ट के सामने रखे। विशिष्ट न्यायाधीश जगदीश प्रसाद शर्मा ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद नासिर को दोषी माना और उसे 15 साल की जेल के साथ अर्थदंड से दंडित किया।

मुख्यमंत्री आज अलवर में

अलवर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आठ फरवरी को जिले के दौरे पर रहकर विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री श्भजनलाल शर्मा 8 फरवरी को प्रातः 5:45 बजे प्रताप ऑडिटोरियम से आयोजित अलवर टाइगर इंटरनेशनल हाफ मैराथन के कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इसके उपरान्त प्रातः 11 बजे ग्राम बहाला टोल प्लाजा के पास (पंचायत समिति रामगढ) में आयोजित ग्रामोत्थान शिविर का अवलोकन कर जनसभा को संबोधित करेंगे। तत्पश्चात दोपहर 12:25 बजे किशनगढबास के ग्राम बघेरी कलां के लिए प्रस्थान करेंगे।

26.60 लाख का डोडा-चूरा सहित दो तस्कर गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। नशे के खिलाफ कोटा ग्रामीण पुलिस की ओर से चलाये जा रहे ऑपरेशन रूट क्लियरेंस के तहत ग्रामीण इलाके की बपावर कलां पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए एक कार से करीब 26 लाख 60 हजार कीमत का अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए 177.300 किलोग्राम डोडा-चूरा जब्त किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि थानाधिकारी मदनलाल ढाका के नेतृत्व में टीम गठित कर कार्रवाई के लिये निर्देशित किया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि गठित टीम ने बारां-झालावाड़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की। ग्रामीण एसपी ने बताया कि नाकाबंदी के दौरान तेज रफ्तार से आ रही कार को रोकने की कोशिश की गई तो कार चालक ने कार को छबड़ा रोड की तरफ ले जाकर नाकाबंदी तोड़कर भागने का प्रयास किया, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस टीम ने पीछा कर सनखेड़ा गांव के पास कार को रोका और कार में बैठे दोनों व्यक्तियों को डिटेन कर कार की तलाशी ली। पुलिस टीम ने कार में तलाशी के दौरान 177.300 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा जब्त किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा जब्त किये गये मादक पदार्थ डोडा-चूरा की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 26 लाख 60 हजार रूपये करीब बताई गई है। पुलिस टीम ने जोधपुर के विष्णु नगर नान्दिया प्रभावति निवासी बंशीलाल एवं विष्णु की ढाणी निवासी विष्णु को गिरफ्तार किया।

दो लाख का डोडा-चूरा सहित तस्कर गिरफ्तार : -कोटा ग्रामीण इलाके की कनवास पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए एक कार से तलाशी के दौरान अवैध मादक पदार्थ 14 किलो 586 ग्राम डोडा-चूरा बरामद किया है। पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये अवैध मादक पदार्थ की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में करीब 2 लाख रूपये कीमत बताई जा रही है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि कनवास थानाधिकारी अनूप सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने कोटा-झालावाड़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की। नाकाबंदी के दौरान पुलिस टीम ने एक कार को रोककर उसकी तलाशी ली तो कार से अवैध मादक पदार्थ 14 किलो 586 ग्राम डोडा-चूरा बरामद किया। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए जिला गुरदासपुर पंजाब के वेरो नांगल निवासी सुरजीत सिंह को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने अवैध मादक पदार्थ एवं कार को भी जब्त किया।

स्मैक सहित दो आरोपी पकड़े : -कोटा में सीमलिया पुलिस टीम ने इलाके में नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ 1.80 ग्राम स्मैक सहित बाइक सवार दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि सिमलिया थानाधिकारी नन्द सिंह मय जाब्ता कोटा बारां फोरलेन पुलिया के नीचे कराड़ियां टीम लेकर पहुंचे, जहां नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की गई। बाइक सवार दो जने पुलिस नाकाबंदी को देखकर एकदम भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस टीम ने संदेह होने पर घेरा देकर उन्हे पकड़ कर डिटेन किया और तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान अवैध मादक पदार्थ 1.80 ग्राम स्मैक बरामद की गई। पुलिस टीम ने अवैध मादक पदार्थ व बाइक को जब्त किया एवं कल्याणपुरा निवासी महावीर उर्फ सिन्टु (34) एवं पावर हाउस कॉलोनी सिमलिया निवासी अक्षय (22) को गिरफ्तार किया।

गोल्ड गबन मामले में आरोपी रिमांड पर

नवलगढ़, (निसं)। पंजाब नेशनल बैंक की नवलगढ़ नानसा गेट शाखा में हाल ही में हुए गोल्ड लोन घोटाले में पुलिस लगातार जांच में जुटी हुई है। मामले में बैंक के तत्कालीन मैनेजर अमित जांगिड़ व बैंक के बीसी संतोष सैनी को गिरफ्तार कर शुक्रवार को झुंझुनूं एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने खुलासा किया था। पुलिस ने आरोपी मैनेजर अमित जांगिड़ व बैंक के बीसी संतोष सैनी को शुक्रवार को नवलगढ़ न्यायालय में पेश किया। दोनों आरोपियों को 3 दिन के पीसी रिमांड पर भेजा गया। थाने में मुकदमा दर्ज होने के बाद जिले के शीर्ष पुलिस अधिकारी लगातार नवलगढ़ में डेरा डाले हुए हैं। एएसपी देवेंद्र सिंह राजावत शनिवार को भी नवलगढ़ पुलिस थाने पर मौजूद रहे।

ब्लैक लिस्टेड कार्मियों की बोर्ड परीक्षा में नहीं लगेगी ड्यूटी

बीकानेर, (निसं)। 12 फरवरी से शुरू होने वाली 10वीं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में ब्लैक लिस्टेड कार्मिकों की ड्यूटी नहीं लगाई जाएगी। ब्लैक लिस्टेड कार्मिक सहित जिन कार्मिकों पर विभागीय जांच प्रस्तावित है तथा दुराचरण व परीक्षा में लापरवाही का आरोप है, ऐसे कार्मिकों को बोर्ड परीक्षा के समस्त कार्यों से दूर रखा जाएगा। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने इस संबंध में समस्त संयुक्त निदेशक और जिला शिक्षा अधिकारियों को पांच बिंदुओं की गाइडलाइन जारी की है।

निर्देश के मुताबिक सभी संयुक्त निदेशक और मुख्य जिला शिक्षा अधिकारियों को अपने कार्य क्षेत्र के सभी परीक्षा केन्द्रों पर सफलता से परीक्षा आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं आवश्यकता अनुसार वीक्षकों की ड्यूटी लगाने के साथ-साथ स्कूलों में से शैक्षणिक व्यवस्था को भी सुचारू रखना होगा। इस बार 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में प्रदेशभर से 19.86 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। बोर्ड परीक्षा को लेकर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में 9 फरवरी से नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जाएगा। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर से 10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षा के प्रश्न पत्र बीकानेर पहुंच चुके हैं। प्रश्न पत्रों का वितरण शनिवार को सुबह 7.30 बजे से संबंधित केंद्राधीक्षक को किया जाएगा। डीईओ माध्यमिक किशनदान चारण ने बताया कि प्रश्न पत्र का वितरण ट्रेजरी से किया जाएगा। बीकानेर जिले में पंजीकृत लगभग 77 हजार अभ्यर्थियों के लिए 215 परीक्षा केंद्र गठित किए गए हैं।

स्मैक तस्कर को दो साल की सजा सुनाई

जोधपुर, (कासं)। एनडीपीएस न्यायालय जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने 13 साल पुराने अवैध मादक पदार्थ स्मैक के मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी को दो वर्ष का कठोर कारावास और बीस हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

सरकार की ओर से पैरवी हेतु विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस जोधपुर नियुक्त गोविन्द जोशी ने बताया कि छह मार्च 2013 को पुलिस थाना बनाड़ के तत्कालीन थानाधिकारी हनुमान सिंह झांझरिया ने बनाड़ रेलवे फाटक के पास से कावा की ढाणी भवाद श्यामलाल पुत्र हुकमाराम से 15 ग्राम स्मैक बरामद कर गिरफ्तार किया तथा अनुसंधान के बाद आरोपी के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया। विशिष्ट लोक अभियोजक गोविन्द जोशी ने न्यायालय से वर्तमान में अवैध मादक पदार्थों के मामलों में उत्तरोत्तर वृद्धि होने, अवैध मादक पदार्थों के अपराध गंभीर किस्म की प्रकृति के अपराध होने और उसका समाज में प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की वजह से आरोपी को कठोरतम सजा देने की मांग की, जबकि आरोपी ने नरमी बरतने का आग्रह किया।

विशिष्ट न्यायालय एनडीपीएस जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत 10 गवाह, 37 दस्तावेजी साक्ष्य और 2 आर्टिकल के आधार पर अभियुक्त श्यामलाल को अवैध मादक पदार्थ स्मैक रखने के आरोप में दोषी ठहराते हुए दो वर्ष का कठोर कारावास व बीस हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई।

"मारवाड़ हॉर्स शो" शुरू, देशभर से मारवाड़ी अश्व जोधपुर पहुंचे

- 'आयोजन का मुख्य उद्देश्य मारवाड़ी नस्ल के घोड़ों की पहचान व गुणवत्ता को बनाये रखने का प्रयास है'
- मारवाड़ हॉर्स शो में राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु व कर्नाटक सहित अनेक राज्यों के मारवाड़ी अश्व भाग ले रहे हैं
- गजसिंह द्वारा मारवाड़ी नस्ल की पहचान को बनाए रखने के लिए व संरक्षण के लिए निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं

जोधपुर, (कासं)। ऑल इण्डिया मारवाड़ी हॉर्स सोसायटी, जोधपुर व मारवाड़ी हॉर्स बुक रजिस्ट्रेशन सोसायटी ऑफ इण्डिया के संयुक्त तत्वावधान में पूर्व नरेश गजसिंह के मुख्य संरक्षण में दो दिवसीय 11वां मारवाड़ हॉर्स शो शनिवार से शुरू हुआ। इस हॉर्स शो में भाग लेने देशभर से मारवाड़ी अश्व आए हैं।

ऑल इंडिया मारवाड़ी हॉर्स सोसायटी व मारवाड़ी हॉर्स स्टड बुक रजिस्ट्रेशन सोसायटी ऑफ इण्डिया जोधपुर के सचिव इन्द्रजीत सिंह नाथावत ने बताया कि शो का उद्घाटन समारोह गजसिंह के मुख्य आतिथ्य में हुआ। समारोह में अश्वों के साथ मार्च पास्ट, सामूहिक लोक नृत्य, लंगा व मांगणियार की स्वर लहरियां, मेहरानगढ़ बैण्ड, बीएसएफ बैण्ड, सुन्दर बैण्ड व पुलिस लाइन बैण्ड की धुनों के साथ शो का शुभारंभ हुआ। मारवाड़ हॉर्स शो में राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु व कर्नाटक सहित अनेक राज्यों के मारवाड़ी अश्व भाग ले रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य मारवाड़ी नस्ल के घोड़ों की पहचान व गुणवत्ता को बनाये रखने का प्रयास है। गजसिंह द्वारा मारवाड़ी नस्ल की पहचान को बनाए रखने के लिए व संरक्षण के लिए निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं। उनके संरक्षण में यह 11वां आयोजन हो रहा है। मारवाड़ हॉर्स शो में आज जजिंग रिंग-अदंत बछेरी, अदंत बछेरी एफएस (फाउंडेशन स्टॉक) दो दांत बछेरी जजिंग रिंग हुई। इसके साथ ही कोल्ट मिल्क टीथ, कोल्ट मिल्क टीथ एफएस, कोल्ट 2 टीथ जजिंग रिंग भी हुई। आठ फरवरी को सुबह 9.30 से 11 तक प्रजजन घोड़ियों की जजिंग रिंग, 11 से दोपहर 12.30 तक शो जंपिंग, मारवाड़ी अश्वों की ड्रेसाज प्रस्तुति, दोपहर 1.30 से 3.30 बजे तक नर घोड़ा (स्टेलियन) जजिंग रिंग, बेस्ट अश्व प्रतियोगिता, हैक्स लेडिज हैक्स ओपन प्रतियोगिता, 3.30 से चार बजे तक टैंट पेगिंग प्रतियोगिता का आयोजन होगा। दो दिवसीय प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण समारोह रविवार सांय चार बजे आयोजित होगा। आठ श्रेणियों में नर घोड़ा एवं प्रजनन योग्य घोड़ियों की श्रेणी में प्रथम आने वाले अश्व को एक लाख रुपए का नगद पुरस्कार व कप प्रदान किया जाएगा। द्वितीय व तृतीय आने वाले अश्व को 51 व 21 हजार की नगद राशि प्रदान की जाएगी।

कोटा में नाबालिग छात्र ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर थाना इलाके में एक नाबालिग छात्र ने ट्रेन के आगे कूदकर सुसाईड कर लिया। मृतक छात्र कक्षा 11वीं का छात्र था। मृतक इलाके के प्रेमनगर द्वितीय का निवासी था।

उद्योग नगर थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह ने बताया कि मृतक इलाके के प्रेमनगर द्वितीय निवासी 17 वर्षीय नाबालिग है।पुलिस को सूचना मिली कि दिल्ली-मुम्बई रेलवे ट्रैक पर एक नाबालिग छात्र ट्रेन के आगे कूद गया है। छात्र के परिजन भी छात्र के पीछे भागे, लेकिन जब तक छात्र ने ट्रेन के आगे छलांग लगा दी थी। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, थानाधिकारी ने बताया कि मृतक छात्र के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया, फिलहाल सुसाईड के पीछे कोई कारण सामने नहीं आया है। मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

अलवर में सिलीसेढ झील पर "बर्ड फेस्टिवल" शुरु

अलवर, (निसं)। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री तथा अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव तथा वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने सिलीसेढ झील पर आयोजित अलवर बर्ड वॉचिंग फेस्टिवल में शिरकत कर कार्यक्रम की शुरूआत की।

केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने आमजन को बर्ड फेस्टिवल की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अलवर केवल प्रकृति का उपहार नहीं, बल्कि बाबा भर्तृहरि की तपोभूमि के रूप में आध्यात्म की धरती है। उन्होंने कहा कि अलवर में 200 से ज्यादा पक्षियों की प्रजाति दुनियाभर से आती है जो यहां आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष फरवरी में टाइगर मैराथन और बर्ड फेस्टिवल का आयोजन अलवर के पर्यटन को विश्व स्तर पर उभारने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि 8 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय स्तर की टाइगर मैराथन का आयोजन होगा तथा अगले वर्ष फरवरी में सिलीसेढ में बर्ड फेस्टिवल का भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश-दुनिया के लोग यहां आकर अलवर की पहचान दुनिया तक लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत में 98 रामसर साइट घोषित की गई है तथा हिन्दुस्तान में पहली बार केंद्रीय बजट में बर्ड वाचिंग का विषय भी रखा गया है तथा प्रकृति का यह उपहार भी अलवर को मिला है। वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व एवं केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में अलवर में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक काम किए गए हैं।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक, उच्च माध्यमिक व्यावसायिक, वरिष्ठ उपाध्याय एवं मूक बधिर (CWSN) परीक्षा-2026 के परीक्षा कार्यक्रम में आंशिक संशोधन सूचना (सैद्धान्तिक परीक्षाओं के लिये)

विषय एवं विषय कोड	पूर्व निर्धारित तिथि व समय	संशोधित तिथि व समय
कम्प्यूटर विज्ञान (03)/ इन्फोरमेटिक्स प्रेक्टिसेस (04)	17.02.2026 प्रातः 08:30 से 11:45 तक	17.02.2026 अपराह्न 2:00 से 5:15 तक
चित्रकला (17)	24.02.2026 प्रातः 08:30 से 11:45 तक	24.02.2026 अपराह्न 2:00 से 5:15 तक

सचिव

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जब भी दिल्ली जाते हैं, राजस्थान के लिए कुछ न कुछ उपलब्धि लेकर आते हैं : सी.आर.पाटिल

"मुख्यमंत्री भजनलाल जल समस्या के समाधान को लेकर अत्यंत सजग हैं और दिल्ली प्रवास के दौरान रामजल सेतु परियोजना, ईआरसीपी एवं यमुना जल समझौते जैसे विषयों को प्रभावी ढंग से उठाते है।"

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर.पाटिल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जब भी दिल्ली जाते हैं, तब-तब वे राजस्थान के लिए कुछ ना कुछ उपलब्धि लेकर आते हैं। राजस्थान में आने वाले समय में पानी की कोई किल्लत नहीं होगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जल समस्या के समाधान को लेकर अत्यंत सजग हैं और दिल्ली प्रवास के दौरान रामजल सेतु परियोजना, ईआरसीपी एवं यमुना जल समझौते जैसे विषयों को प्रभावी ढंग से उठाते है। वे शनिवार को जयपुर में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर.पाटिल शनिवार को जयपुर में पत्रकारों से रूबरू हुए, उनके साथ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भी उपस्थित थे।

मंत्री पाटिल ने कहा कि, लंबे समय से यमुना के जल पर राजस्थान का अधिकार था, लेकिन पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान इस दिशा में कोई ठोस कार्य नहीं हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों से यह ऐतिहासिक एमओयू हस्ताक्षरित हुआ। अब डीपीआर पर भी सहमति बन चुकी है और यमुना का सरप्लस पानी राजस्थान को मिल सकेगा, जो राज्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने संशोधित पीकेसी-ईआरसीपी (रामजल सेतु लिंक परियोजना) पर जानकारी देते हुए कहा कि राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच एमओयू हो चुका है तथा डीपीआर मंत्रालय को प्राप्त हो गई है, जिस पर कार्य प्रगति पर है। इस परियोजना पर लगभग 77 हजार करोड़ से लेकर 1 लाख करोड़ रुपये तक का निवेश प्रस्तावित है और शीघ्र ही इसका कार्य प्रारंभ होगा।

पाटिल ने कहा कि, प्रधानमंत्री की अमृत सरोवर योजना और जल जीवन मिशन ऐतिहासिक साबित हो रहे हैं। अमृत सरोवर योजना के तहत देशभर में 69 हजार से अधिक सरोवरों का निर्माण किया गया है, जिससे भूजल स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जल जीवन मिशन के लिए 67 हजार 300 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

- 'देश में 9वीं बार लगातार केंद्रीय बजट पेश कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बनाया रिकॉर्ड'
- राजस्थान में आने वाले समय में नहीं होगी पानी की किल्लत, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मेहनत लाएगी रंग : पाटिल

अब तक 16 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाया जा चुका है तथा इस योजना को 2028 तक विस्तारित किया गया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटील ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 सर्वांगीण विकास का बजट है, जो कि "विकसित भारत-2047" के संकल्प को पूरा करने में निर्णायक कदम होगा। यह देश के इतिहास में पहली बार है जब किसी महिला वित्त मंत्री ने लगातार 9वीं बार केंद्रीय बजट प्रस्तुत किया है। बजट किसी एक वर्ग या संस्था के लिए नहीं , बल्कि देश के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। युवा, महिला, किसान, गरीब और वंचित-हर वर्ग के कल्याण को इसमें प्राथमिकता दी गई है। देश की सुरक्षा सुदृढ़ करने के लिए केंद्रीय बजट में लगभग 1 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान किया है।

भारत आज रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनते हुए हथियारों के निर्यातक देश की भूमिका में पहुंच चुका है। बजट में औद्योगिक विकास, केमिकल पार्क, कपड़ा उद्योग, एमएसएमई सेक्टर, इंफ्रास्ट्रक्चर, पूंजीगत निवेश में वृद्धि, ऊर्जा क्षेत्र के लिए आगामी पांच वर्षों की योजना तथा सात विशेष रेल कॉरिडोर जैसे प्रावधानों से रोजगार के व्यापक अवसर सृजित होंगे। प्रेसवार्ता के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, महामंत्री भूपेंद्र सैनी, मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक बलजीत यादव को जेल भेजा

अदालत ने ईडी को जवाब के लिए 9 फरवरी तक का समय दिया

जयपुर (कासं)। ईडी मामलों की विशेष अदालत ने एमएलए लोकल एरिया डेवलपमेंट फंड से जुडे करीब 3.72 करोड रुपये की धांधली से जुड़े मामले में गिरफ्तार बहरोड़ के पूर्व विधायक बलजीत यादव को 10 फरवरी तक न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। वहीं अदालत ने गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए बचाव पक्ष की ओर से पेश प्रार्थना पत्र पर जवाब के लिए ईडी को 9 फरवरी तक का समय दिया है।

तीन दिन का पुलिस रिमांड पूरा होने पर ईडी ने आरोपी यादव को विशेष अदालत में पेश किया। ईडी की ओर से अधिवक्ता अपेक्षा तिवारी ने अदालत को बताया कि आरोपी से पूछताछ पूरी कर ली गई है। ऐसे में उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जाए। वहीं आरोपी की ओर से अधिवक्ता कपिल गुप्ता ने प्रार्थना पत्र पेश कर कहा कि मामले में गिरफ्तारी ही अवैध है। उनकी ओर से कहा गया कि ईडी प्रकरण में खरीदे गए सामान की गुणवत्ता पर सवाल उठा रही है। सामान के बदले कुल भुगतान 2.73 करोड रुपए का है। ऐसे में इस समान राशि का मनी लॉन्ड्रिंग का केस कैसे हो सकता है। इसके अलावा ईडी की ओर से दिए गए समन का जवाब भी उनकी ओर से दिया गया है, लेकिन ईडी ने उन्हें नहीं माना। इसके अलावा हाईकोर्ट पूर्व में तय कर चुका है कि ऐसे मामलों में ईडी गिरफ्तार नहीं कर सकती। इसलिए उसकी गिरफ्तारी अवैध है। बचाव पक्ष के प्रार्थना पत्र का जवाब देने के लिए ईडी ने समय मांगा। इस पर अदालत ने ईडी को जवाब के लिए समय देते हुए मामले की सुनवाई 9 फरवरी को तय करते हुए आरोपी को 10 फरवरी तक जेल भेजा है।

- एमएलए लोकल एरिया डवलपमेंट फंड से जुडे करीब 3.72 करोड रुपये की धांधली का मामला

मामले के अनुसार ईडी ने गत वर्ष 24 जनवरी को जयपुर, दौसा और बहरोड में बलजीत यादव से जुड़े करीब दस ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया था। यह छापेमारी मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत की गई थी। जांच में सामने आया की साल 2021-22 के दौरान बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र के 32 सरकारी स्कूलों के लिए बैडमिंटन और क्रिकेट किट की खरीद की गई थी। आरोप है कि खेल किट की खरीद के नाम पर एमएलए लोकल एरिया डेवलपमेंट फंड से करीब 3.72 करोड रुपए खर्च हुए और इस राशि का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया गया। मामले में एसीबी ने पहले की एफआईआर दर्ज की थी और उसके आधार पर ईडी ने जांच आरंभ की। ईडी ने गत दिनों बलजीत यादव को गिरफ्तार कर कोर्ट से उसका तीन दिन का पुलिस रिमांड लिया था।

ऑपरेशन चक्रव्यूह : चप्पल में छिपा रखी थी 35 लाख की ब्राउन शुगर

प्रतापगढ़ पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार कर 115 ग्राम ब्राउन शुगर और 116 ग्राम केमिकल जब्त किया

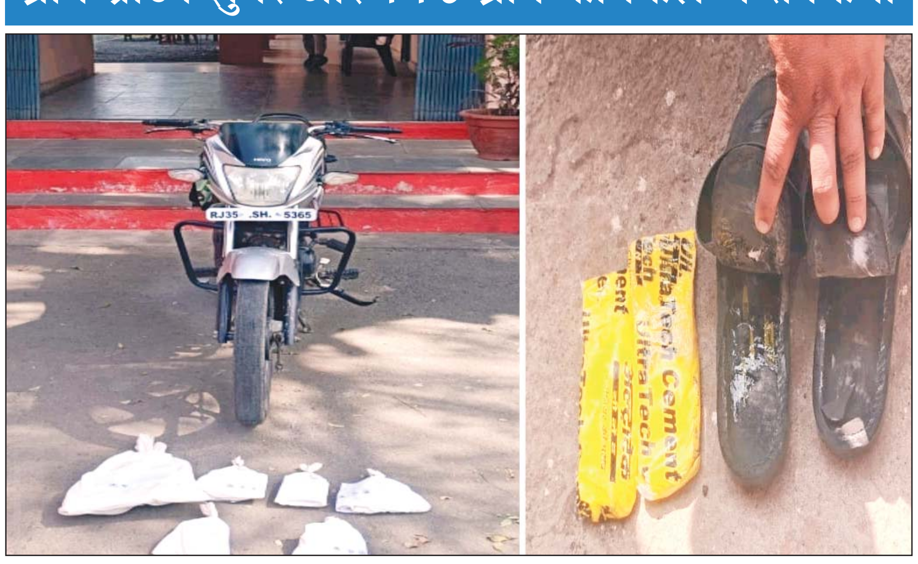

प्रतापगढ़ पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार कर ड्रग्स जब्त की।

जयपुर। प्रतापगढ़ जिले की अरनोद पुलिस ने ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत ड्रग्स तस्करों के एक शातिर मंसूबे को नाकाम कर दिया है। पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 115 ग्राम ब्राउन शुगर और इसमें मिलाने वाला 116 ग्राम घातक केमिकल पाउडर बरामद किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस खेप की अनुमानित कीमत करीब 35 लाख रुपये बताई जा रही है।

एसपी बी. आदित्य ने बताया कि तस्करों ने पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए तस्करी का बेहद अजीबोगरीब तरीका अपनाया था। अभियुक्त संजर खान ने अपने घर पर प्लास्टिक की चप्पलों को काटकर उनके भीतर ब्राउन शुगर और केमिकल पाउडर के पैकेट छिपाए और फिर उन्हें फेविक्विक से वापस चिपका दिया। आरोपी गजराज इन नशीली चप्पलों को पहनकर बाइक पर पीछे बैठकर रतलाम जाने की फिराक में था।

एसपी आदित्य के निर्देशन में नौगांवा चौकी के सामने पुलिस टीम नाकाबंदी कर रही थी। तभी एक बाइक पर सवार दो संदिग्धों ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। थानाधिकारी शिवलाल मीणा और उनकी टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए घेराबंदी कर दोनों को धर दबोचा। तलाशी के दौरान जब गजराज की चप्पलें काटी गईं, तो पुलिस भी दंग रह गई। एक चप्पल से ब्राउन शुगर और दूसरी से मिलावट वाला केमिकल पाउडर बरामद हुआ।

3000 रुपये की मजदूरी और पुराना आपराधिक रिकॉर्ड

पूछताछ में सामने आया कि मुख्य आरोपी संजर खान उर्फ संजू (30) निवासी देवल्दी ने गजराज दर्जी (45) निवासी पडूनि थाना अरनोद को ड्रग्स रतलाम पहुंचाने के लिए 3000 रुपये की मजदूरी तय की थी, जिसमें से 800 रुपये एडवांस दिए गए थे। आरोपी संजर खान उर्फ संजू के खिलाफ पूर्व में भी जावरा और पिपलोदा में एनडीपीएस के मामले दर्ज हैं जबकि गजराज दर्जी मजदूरी के लालच में इस तस्करी का हिस्सा बना। आरोपी संजर खान गजराज को बस में बैठाने के लिए बाइक से छोड़ने निकला था।

इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में थानाधिकारी शिवलाल मीणा, एएसआई रामावतार, हैड कांस्टेबल दिनेश दास, कांस्टेबल दिनेश कुमार, अशोक कुमार, मुकेश, देशराज, जयपाल सिंह, जीवन लाल, गोविन्द और चालक लक्ष्मण सिंह शामिल रहे। पुलिस अब इस नेटवर्क के मुख्य सरगनाओं और सप्लाई चेन का पता लगाने में जुटी है।

आन्ध्रप्रदेश के खान मंत्री ने राजस्थान के माइन्स सेक्टर में रुचि दिखाई

जयपुर (कासं)। जयपुर के जेईसीसी सीतापुरा में चल रहे इंडिया स्टोनमार्ट में आंध्र प्रदेश के खान मंत्री कोल्लू रविन्द्र ने राजस्थान के खान, भूविज्ञान व आरएसएमएम के पेवेलियन का अवलोकन कर राज्य के खनिज खोज, खनन और प्रसंस्करण सेक्टर्स के प्रति खासा रुचि दिखाई।

उन्होंने अधिकारियों से गोल्ड, मार्बल, सेंड स्टोन,डायमेंशनल स्टोन, ग्रेनाइट, क्रिटिकल व स्ट्रेटेजिक खनिज आदि के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने राजस्थान को खनिजों का भण्डार बताते हुए कहा कि भविष्य के खनिज रेयर अर्थ मिनरल्स की राजस्थान में उपलब्धता से देश की आयात निर्भरता कम होगी। इस अवसर पर उनको राजस्थान की खनिज नीति और एम सेंड नीति की प्रति भी भेंट की गई।

रविन्द्र को पेवेलियन प्रभारी एस.एन. डोडिया और संजय सक्सेना ने राजस्थान में उपलब्ध खनिजों के भण्डार के बारे में जानकारी दी। रविन्द्र ने राजस्थान के गोल्ड खनिज सेंपल्स देखकर यह जानना चाहा कि राजस्थान में गोल्ड के कहां और कितने भण्डार हैं। उन्होंने गोल्ड खनन के बारे में भी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि बांसवाड़ा, उदयपुर में गोल्ड के भण्डार हैं और गोल्ड खानों की नीलामी प्रक्रिया जारी है। उन्होंने रेयर अर्थ मिनरल्स के भण्डारों के बारें में भी जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि बाडमेर-सिवाणा रेंज में इसके भण्डार हैं। अधिकारियों ने बताया कि राजस्थान में यूरेनियम के भी प्रचुर मात्रा में है। उन्होंने आरएसएमएम के रॉक फास्फेट, लाइम स्टोन, लिग्नाइट आदि के भी सेंपल देखे। श्री कोल्लू रविन्द्र राजस्थान में डायमेंशनल स्टोन्स की 40 से अधिक किस्मों की उपलब्धता पर आश्चर्य व्यक्त किया। खान मंत्री के साथ आन्ध्र प्रदेश के खान निदेशक ड्ब्लू.बी. चन्द्रशेखर ने भी पेवेलियन का अवलोकन किया।

भारत-यूएस ट्रेड डील से राजस्थान के व्यापारियों को होगा दोगुना फायदा : भजनलाल शर्मा

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर : पाटिल

जयपुर (कासं)। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने कहा कि भारत-यूएस ट्रेड डील से राजस्थान के व्यापारियों को दोगुना फायदा होगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। देश के उद्यमी, विकसित भारत के शिल्पकार हैं, सिंगल विंडो सिस्टम से व्यापार में सुगमता आएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रस्तुत केन्द्रीय बजट 2026-27 में उद्योग एवं व्यापार सुगमता के लिए कई प्रावधान किए गए हैं। सिंगल विंडो सिस्टम से काम करने में सरलता होगी तथा उद्योग आगे बढ़ पाएंगे। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री शनिवार को केन्द्रीय बजट 2026-27 पर व्यापारी एव व्यवसायी संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

- उद्यमी विकसित भारत के शिल्पकार, सिंगल विंडो सिस्टम से व्यापार में आएगी सुगमता : केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को जयपुर में केंद्रीय बजट 2026-27 पर व्यापारियों से संवाद किया। समारोह में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल भी मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री रहते हुए देश की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान पर थी, जबकि अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत अर्थव्यवस्था होने से लोगों की आय में वृद्धि हुई है और इसी को देखते हुए आमजन को आयकर की सीमा में राहत दी है।

उन्होंने कहा कि उद्योग के साथ ही अर्थव्यवस्था में कृषि का भी बड़ा योगदान होता है और हमारी सरकार ने किसानों को हर तरीके से मदद दी है। देश में पहली बार किसानों को किसान सम्मान निधि मिल रही है। इस केन्द्रीय बजट में भी आम आदमी की आवश्यकताओं के साथ ही हर वर्ग का ध्यान रखा गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व बदलाव हुए है। देश की अर्थव्यवस्था 11वें से चौथे स्थान पर पहुंची है और जल्द ही हम विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेंगे।

ब्रिटेन एवं जापान जैसे देशों को भी हम पीछे छोड़ चुके हैं। प्रत्येक जरूरतमंद को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है, नक्सलवाद-आतंकवाद का खात्मा हुआ है तथा विश्वपटल पर भारत का डंका बज रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में यूएस के साथ संपन्न हुई ट्रेड डील से प्रदेश के व्यापारियों को दोगुना फायदा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार ने युवाओं के सपनों के साथ कुठाराघात किया तथा जमकर भ्रष्टाचार किया, जबकि भाजपा सरकार प्रदेश के युवाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ नौकरी दे रही है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, सांसद मंजू शर्मा सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में व्यापारीगण उपस्थित रहे।

सावधान! आपका व्हाट्सएप हो सकता है हैक

जयपुर। डिजिटल युग में सुविधाओं के साथ-साथ साइबर अपराध का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है। अब साइबर ठग आमजन के सबसे भरोसेमंद संचार माध्यम व्हाट्सएप को निशाना बनाकर ठगी को अंजाम दे रहे हैं। महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम के निर्देशानुसार राजस्थान पुलिस ने एक विशेष सुरक्षा एडवाइजरी जारी कर आमजन को सतर्क रहने की अपील की है।उपमहानिरीक्षक पुलिस (साइबर क्राइम) विकास शर्मा ने बताया कि साइबर अपराधी अनजान लिंक, फर्जी फोन कॉल या स्क्रीन साझा करने वाले अनुप्रयोगों (ऐप) के माध्यम से मोबाइल फोन में सेंध लगाते हैं। एक बार व्हाट्सएप खाते पर नियंत्रण मिलते ही ठग पीड़ित के संपर्क सूत्रों से पैसों की मांग करते हैं अथवा मोबाइल में मौजूद बैंकिंग अनुप्रयोगों का दुरुपयोग कर कुछ ही मिनटों में बैंक खाता खाली कर देते है।

श्री सालासर ओवरसीज कंपनी के निदेशक और कर्मचारियों के खिलाफ ठगी का मामला दर्ज

कंपनी निदेशक ज्ञान चंद के खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में 300 से अधिक मामले हैं दर्ज

जयपुर। मानसरोवर इलाके में प्लॉट का सपना दिखाकर लाखों रुपए की ठगी करने वाले श्री सालासर ओवरसीज प्राईवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक समेत कर्मचारियों के खिलाफ 17 साल बाद धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। कंपनी के निदेशक ज्ञान चंद अग्रवाल, पूर्व में कई ऐसे मामलों के विवाद में घिरे हुए है। जिसके खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में 300 से अधिक धोखाधड़ी का मामले दर्ज है।

गौरतलब है कि श्री सालासर ओवरसीज प्राईवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक ज्ञानचंद अग्रवाल, कर्मचारी प्रमोद कुमार अग्रवाल और बद्री ने पीड़ित दिल्ली निवासी बृज मोहन खन्ना और जयपुर निवासी रमेश चंद से वर्ष 2008 में नारायण विहार, अजमेर रोड स्थित आवासीय भूखंड दिलाने के नाम पर संपर्क किया था। आरोप है कि कंपनी प्रतिनिधियों ने उन्हें प्लॉट संख्या 163 (200 वर्ग गज) आवंटित किया और इसके एवज में पूरी राशि वसूल ली। जिसके पश्चात जेडीए शुल्क, विकास कार्य और अन्य मदों के नाम पर अतिरिक्त चॉर्ज वसूल लिया। पूरा भुगतान करने के बावजूद न तो पीड़ितों को प्लॉट का कब्जा दिया गया और न ही पट्टा जारी किया। इसके बाद कंपनी ने बाउंड्री वॉल और कमरे के निर्माण के नाम पर नकद 1.50 लाख रुपये और वसूल किए। काफी समय तक टालमटोल के बाद वर्ष 2009 में पुराने प्लॉट को बदलकर नया प्लॉट संख्या 298 आवंटित करने का आश्वासन दिया, परंतु उसका भी कब्जा नहीं दिया गया। पीड़ितों के अनुसार, अप्रैल 2025 में जब दोबारा मौके का निरीक्षण किया गया, तो वहां न तो कोई प्लॉट मिला और न ही कोई निर्माण पाया गया। पीड़ित ने आरोपियों के कार्यालय में जाकर संपर्क किया तो वहां भी ताला लगा मिला। जिसके बाद पीड़ित ने थाने पहुंच आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

केंद्रीय बजट और जनहितैषी नीतियां सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर लोगों तक पहुंचाएं : मदन राठौड़

भाजपा प्रदेश कार्यालय में भाजपा सोशल मीडिया-आईटी एवं मीडिया के संयुक्त तत्वावधान में इनफ्लुएंसर समिट का आयोजन

जयपुर (कासं)। भाजपा सोशल मीडिया, आईटी एवं मीडिया के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय जयपुर में इनफ्लुएंसर समिट का आयोजन किया गया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने वाला एक दूरदर्शी और सशक्त बजट है। इस बजट में किसान, युवा, महिलाएँ, मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग-सभी के लिए ठोस एवं प्रभावी प्रावधान किए गए हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स से आव्हान किया कि वे बजट की वास्तविक उपलब्धियों, तथ्यों और सकारात्मक पहलुओं को सरल भाषा में आमजन तक पहुंचाएं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि यह बजट भारत को अगले दो दशकों में आत्मनिर्भर, समृद्ध और वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र बनाने की स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत करता है।

मोदी सरकार ने दीर्घकालीन सोच के साथ ऐसी नीतियों और योजनाओं को प्राथमिकता दी है, जो आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक न्याय और समावेशी प्रगति को भी सुनिश्चित करें। ऐसे में सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स की भूमिका और जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है कि वे समाज के सामने सत्य और तथ्यपरक जानकारी प्रस्तुत करें।

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ ने कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया के समन्वय से ही सरकार की नीतियों और योजनाओं की सही तस्वीर जनता तक पहुंचाई जा सकती है। केंद्रीय बजट में निहित अवसरों और विकास की दिशा को सकारात्मक एवं विश्वासपूर्ण संवाद के साथ प्रस्तुत करना समय की आवश्यकता है।

भाजपा प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी हिरेंद्र कौशिक ने कहा कि आज सोशल मीडिया जनमत निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम बन चुका है। केंद्रीय बजट से जुड़ी सकारात्मक और सटीक जानकारी को रचनात्मक कंटेंट, रील्स, पोस्ट और संवाद के माध्यम से जनता तक पहुंचाने में इनफ्लुएंसर्स की अहम भूमिका है। भाजपा प्रदेश आईटी प्रभारी अविनाश जोशी ने कहा कि डेटा-आधारित कंटेंट, डिजिटल टूल्स और रणनीतिक संवाद के माध्यम से बजट से जुड़े संदेशों को व्यापक स्तर तक पहुंचाया जा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स के साथ केंद्रीय बजट की प्रमुख घोषणाओं, योजनाओं और आम नागरिक से जुड़े पहलुओं को सरल, प्रभावी और भरोसेमंद तरीके से जनता तक पहुंचाने पर विस्तृत चर्चा की गई।

इसके साथ ही भ्रम एवं नकारात्मक प्रचार के प्रभाव को समाप्त करने के लिए जन-हितैषी नीतियों को सोशल मीडिया पर प्रमुखता से प्रस्तुत करने की अपील की गई।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी, प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ, प्रदेश आईटी प्रभारी अविनाश जोशी एवं प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी हिरेंद्र कौशिक मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन अजय विजयवर्गीय ने किया।

राज्यपाल से मिले जम्मू कश्मीर के विद्यार्थी

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शनिवार को "भारत दर्शन यात्रा" के तहत लोक भवन में जम्मू कश्मीर के छात्र-छात्राओं ने डिप्टी कमांडेड राजेश अग्निहोत्री के नेतृत्व में मुलाक़ात की। राज्यपाल बागडे ने इस दौरान विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें "राष्ट्र प्रथम" की सोच रखते जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारत दर्शन एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना से साक्षात होना है।

खेल जगत

भारत के खिलाफ हाल ही में खेली गई पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के दौरान पावरप्ले में गेंदबाज़ी पर नियंत्रण न रख पाना हमारी टीम के लिए चिंता का एक प्रमुख विषय रहा। **-मिशेल सैंटनर**

न्यूजीलैंड के कप्तान, अपनी टीम की गेंदबाजी को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी ▶ **राशिद खान**

टी 20 इतिहास में 700 विकेट के मील के पत्थर को हासिल करने की कगार पर खडे अफ़ग़ानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने कहा कि यहां तक पहुंचना एक बड़ी उपलब्धि होगी। डेथ ग्रुप में मजबूत न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टीम के अहम पहले मैच से पूर्व मीडिया से बात करते हुए, जिसमें दक्षिण अफ्रीका दूसरा मज़बूत दावेदार है (पांच टीमों के ग्रुप में से सिर्फ़ दो ही सुपर 8 में पहुंचेंगी), राशिद ने शनिवार को कहा, ''यह एक अच्छा एहसास है। मैंने 9-10 साल तक इंटरनेशनल क्रिकेट खेला है। यह मेरे लिए एक सपना होगा। मेरे लिए इसे हासिल करना बहुत खास है...मैंने इसके बारे में ज़्यादा नहीं सोचा था।''

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट में लगातार चार साल तक 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड मैथ्यू हेडन के नाम है। उन्होंने 2001 से 2004 तक लगातार चार बार 1000 या अधिक रन बनाए।

टी20 विश्व कप 2026: डबल प्रेशर से घबराया पाकिस्तान, क्या भारत के खिलाफ खेलेगा मैच?

नई दिल्ली, 7 फरवरी। टी20 विश्व कप का शुभारंभ शनिवार को कोलंबो में पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच मैच के साथ हुआ। हालांकि, 15 फरवरी को होने वाले बहुप्रतीक्षित भारत-पाकिस्तान मुकाबले पर अभी भी अनिश्चितता के बादल छाए हुए हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने घोषणा की है कि टीम बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाते हुए टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ नहीं खेलेगी। इस बीच सूत्रों के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान के साथ इस स्थिति को उसी तरह संभाला है जैसे उसने अतीत में इसी तरह के संवेदनशील मुद्दों से निपटा है - टकराव के बजाय प्रक्रिया, मिसाल और संवाद पर ज़ोर देते हुए। सूत्रों का कहना है कि इसका उद्देश्य टी20 विश्व कप की गरिमा को बनाए रखना है, साथ ही खिलाड़ियों के कल्याण, प्रशंसकों की रुचि और आयोजन की निष्पक्षता को भी सर्वोपरि रखना है। सूत्रों के अनुसार, इस मामले पर आईसीसी ने संयमित लेकिन दृढ़ प्रतिक्रिया दी। दावे को सिरे से खारिज करने के बजाय, वैश्विक संस्था ने पीसीबी से यह स्पष्ट करने को कहा कि शेष मैचों में भागीदारी जारी रहने के बावजूद एक मैच पर अप्रत्याशित घटना (फोर्स मेज्योर) कैसे लागू हो सकती है। आईसीसी ने यह भी स्पष्ट करने को कहा कि पाकिस्तान ने स्थिति को संभालने के लिए क्या कदम उठाए थे - क्या उन्होंने कोई वैकल्पिक उपाय तलाशे, छूट मांगी या मैच से हटने से पहले कोई समाधान प्रस्तावित किया था। आईसीसी की विस्तृत प्रतिक्रिया प्राप्त होने के बाद, पीसीबी ने आगे की बातचीत शुरू करने के लिए संपर्क किया है। आईसीसी के एक अधिकारी के अनुसार, संभावित समाधानों पर विचार-विमर्श के लिए फिलहाल सुनियोजित तरीके से बातचीत चल रही है। सूत्रों के मुताबिक, मूल संदेश अपरिवर्तित है: खेल के हित एकतरफा निर्णयों से ऊपर होने चाहिए, और किसी भी निर्णय का परिणाम स्थापित प्रक्रिया और पूर्व उदाहरणों के अनुरूप होना चाहिए। वहीं, श्रीलंका के राष्ट्रपति ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से इस फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है और इस बात पर जोर दिया है कि अगर यह महत्वपूर्ण मैच तय समय पर नहीं होता है तो श्रीलंकाई बोर्ड को भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पीसीबी श्रीलंका सरकार से मिले अनुरोध पर विचार करने के लिए एक बार फिर पाक सरकार से परामर्श करेगा। एक एजेंसी सूत्र ने बताया कि स्पष्ट रूप से, पाकिस्तान के श्रीलंका के साथ सरकार स्तर और क्रिकेट स्तर पर हमेशा से ही घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। इसलिए उनके बोर्ड के पत्र को यूं ही नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सूत्रों के अनुसार, श्रीलंका बोर्ड के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने मोहसिन नक़वी से सीधे संपर्क किया और उन्हें याद दिलाया कि श्रीलंका को पाकिस्तान से कितना महत्वपूर्ण समर्थन चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत-पाकिस्तान मैचों के बिना, श्रीलंका को टिकट बिक्री और होटल सेवाओं से होने वाली आय में भारी नुकसान होगा। नक़वी ने सिल्वा को आश्वासन दिया कि वे सरकार से परामर्श करेंगे और उसके अनुसार निर्णय लेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि मीडिया में छपी वे खबरें गलत हैं जिनमें दावा किया गया था कि पाकिस्तान ने श्रीलंका के अनुरोध को पहले ही अस्वीकार कर दिया है।

बीसीसीआई ने विश्व विजेता भारतीय अंडर-19 टीम को दिये 7.5 करोड़ रूपये

मुंबई, 7 फरवरी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंडर-19 विश्वकप 2026 का खिताब जीतने वाली भारतीय टीम के लिए साढ़े सात करोड़ रूपये के नगद पुरस्कार की घोषणा की है। बीसीसीआई के मानद सचिव देवजीत सैकिया ने छठी बार अंडर-19 विश्वकप का खिताब जीतने वाली भारतीय टीम, कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ और जूनियर क्रिकेट कमेटी के लिए साढ़े सात करोड़ रूपये के नगद पुरस्कार की घोषणा की। सोशल मीडिया मंच एक्स पर देवजीत सैकिया ने कहा, ''भारत के इंग्लैंड को हराकर आईसीसी अंडर 19 क्रिकेट विश्व कप जीतने के बाद पूरा देश खुश है... हमने विश्व कप जीतने वाली टीम के लिए 7.5 करोड़ रुपये के इनाम की घोषणा की है।'' उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को हरारे में खेले गये अंडर 19 विश्व कप के फाइनल में भारत ने इंग्लैंड को 100 रनों से हराकर छठी बार खिताब जीता था।

चोटिल मलिंगा की जगह मदुशन को श्रीलंका की टीम में शामिल किया गया

कोलंबो, 7 फरवरी। प्रमोद मदुशन को इशान मालिंगा की जगह श्रीलंका की टी20 विश्व कप टीम में शामिल किया गया है। इंग्लैंड के ख़िलाफ इसी महीने घरेलू सीरीज के दूसरे टी20 में मलिंगा के कंधे पर चोट लगी थी। उस मैच को बारिश के कारण रोकना पड़ा था। उसके बाद जैसे ही मैच फिर से शुरू हुआ, पहले ही ओवर में फ़ॉलो थ्रू के दौरान मलिंगा को वह चोट लग गई। इसके बाद वह तीसरे टी20 में भी नहीं खेल पाए। 2025 के आईपीएल में मलिंगा ने कमाल की गेंदबाज़ी की थी। उसी कारण उन्हें राष्ट्रीय टीम में भी तरक्की मिली। उन्होंने पिछले साल नवंबर में श्रीलंका के लिए टी20 में डेब्यू किया था। अब तक उन्होंने कुल आठ टी20 मैच खेले हैं और 9.41 की इकॉनमी रेट से आठ विकेट लिए हैं। उनकी जगह पर टीम में रिप्लेसमेंट के तौर पर मदुशन को शामिल किया गया और उन्होंने भी आठ ही मैच खेले हैं। मदुशन ने 2022 में डेब्यू किया था।

भारत ने अमेरिका को 29 रनों से हराया

कप्तान सूर्या की फिफ्टी, सिराज को तीन विकेट

मुम्बई, 7 फरवरी। कप्तान सूर्यकुमार यादव (नाबाद 84) की अर्धशतकीय पारियों के बाद मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह और अक्षर पेटल (दो-दो विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारत ने शनिवार को टी-20 विश्वकप 2026 के तीसरे मुकाबले में अमेरिका को 29 रनों से हराया।

162 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अमेरिका की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 13 रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिये। ऐंड्रियस गौस (छह) को मोहम्मद सिराज ने आउट किया। इसके बाद अगले ही ओवर में अर्शदीप सिंह ने कप्तान मोनांक पटेल (शून्य) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। चौथे ओवर में सिराज ने साई तेजा एम (दो) का शिकार कर लिया। इसके बाद मिलिंद कुमार और संजय कृष्णमूर्ति की जोड़ी ने चौथे विकेट के लिए 58 रन जोडे। 12वें ओवर में वरूण चक्रवर्ती ने मिलिंद कुमार को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। मिलिंद कुमार ने 34 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए 34 रन बनाये। 16वें ओवर में अक्षर पटेल ने संजय कृष्णमूर्ति का शिकार किया। संजय कृष्णमूर्ति ने 31 गेंदों में एक चौका और दो छक्के उड़ाते हुए 37 रनों की पारी खेली। इसी ओवर की अगली ही गेंद पर अक्षर ने हरमित सिंह (शून्य) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। 18वें ओवर में अर्शदीप सिंह ने मोहम्मद मोहसिन (आठ) को आउटकर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। मैच की आखिरी गेंद पर मोहम्मद सिराज ने शुभम रांजने (37) को आउट किया। अमेरिका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 132 रन ही बना सकी और मुकाबला 29 रनों से हार गई। भारत के लिए मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने दो-दो विकेट लिये। वरुण चक्रवर्ती ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां अमेरिका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसने अभिषेक शर्मा (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद तिलक वर्मा और इशान किशन ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 37 रनों की साझेदारी हुई। छठें ओवर में शैडली वान शाल्कविक ने तीन विकेट झटक कर भारत को बैकफुट पर धकेल दिया। इशान किशन (20), तिलक वर्मा (25) और शिवम दुबे (शून्य), हार्दिक पंड्या (पांच) रन पर आउट हुई। 77 रन पर छह विकेट गंवाने पर संकट में फंसी भारतीय टीम को अक्षर पटेल ने सूर्यकुमार यादव के साथ संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने सातवें विकेट के लिए 41 रन जोड़े। 17वें ओवर में हरमित सिंह ने अक्षर पटेल (14) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। अर्शदीप सिंह (चार) और वरूण चक्रवर्ती (शून्य) पर आउट हुये, हालांकि इस दौरान सूर्यकुमार यादव एक छोर थामे तेजी के साथ रन बनाते रहे। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 161 रन का स्कोर बनाया। सूर्यकुमार यादव ने 49 गेंदों में 10 चौके और चार छक्के उड़ाते हुए नाबाद 84रनों की पारी खेली। अमेरिका के लिए शैडली वान शाल्कविक ने चार विकेट लिये। हरमित सिंह को दो विकेट मिले। अली खान और मोहम्मद मोहसिन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

ए प्लस से बी वर्ग में खिसके रोहित और कोहली

मुंबई, 7 फरवरी। टेस्ट और टी 20 से संन्यास ले चुके पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की अनुबंध सूची में ए प्लस से बी वर्ग में खिसक गए हैं। इस बार किसी भी खिलाड़ी का नाम ए प्लस वर्ग में नहीं है। टेस्ट कप्तान शुभमन गिल, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और आलराउंडर रवींद्र जडेजा केंद्रीय अनुबंध के ए वर्ग में रखे गए हैं जबकि टी20 कप्तान सूर्य कुमार यादव बी वर्ग में हैं।

बीसीसीआई ने साल 2025-26 के लिए केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची को मंजूरी दी जिसमें कुल 30 पुरुष खिलाड़ियों को जगह दी गई है : पुरुष खिलाड़ियों की केंद्रीय अनुबंध सूची

ए वर्ग: शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा। **बी वर्ग:** रोहित शर्मा, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, वाशिंगटन सुंदर, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, मोहम्मद सिराज, रिषभ पंत, कुलदीप यादव, यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर। **सी वर्ग:** अक्षर पटेल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, ध्रुव जुरैल, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, नीतीश कुमार रेड्डी, अभिषेक शर्मा, साई सुदर्शन, रवि बिश्नोई, रुतुराज गायकवाड़।

हल्के वक्त में घबराना नहीं, अच्छे वक्त में पागल होना नहीं : सूर्यकुमार

मुंबई, 7 फरवरी। सूर्यकुमार यादव घरेलू मैदान पर खासकर मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में विश्व कप में भारत की कप्तानी करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि घर पर खेलने से अतिरिक्त प्रेरणा और जिम्मेदारी मिलती है, लेकिन उनकी टीम दबाव का सामना करने के लिए तैयार है। टूर्नामेंट के लिए सूर्यकुमार का मंत्र है अच्छा क्रिकेट खेलने पर ध्यान केंद्रित करना। भारत शनिवार को वानखेड़े स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ अपने खिताब का बचाव शुरू करेगा, जिसका लक्ष्य टी20 विश्व कप खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बनना और अपने खाते में तीसरी टी20 विश्व कप ट्रॉफी जोड़ना है।

30 साल की उम्र में 2021 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले सूर्यकुमार के लिए यह एक विशेष क्षण है, क्योंकि घरेलू क्रिकेट की तमाम मेहनत, आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए शानदार प्रदर्शन और एक भारतीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर के रूप में संघर्ष के बाद, उन्हें आखिरकार कप्तान के रूप में घरेलू विश्व कप खेलने और उस मैदान पर टूर्नामेंट शुरू करने का मौका मिला है जहां से भारत के मिस्टर-360 के करियर की शुरुआत हुई थी।

बीसीसीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में, सूर्यकुमार, जो वीडियो के दौरान मरीन ड्राइव पर एक कार में थे, जहां टी20 विश्व कप 2024 की जीत के बाद एक भव्य ट्रॉफी परेड हुई थी, ने उस आयोजन का हिस्सा होने पर अपने विचार व्यक्त किए, जहां हजारों उत्साहित भारतीय प्रशंसक अपने नायकों के साथ खिताब की जीत का जश्न मनाने के लिए एकत्रित हुए थे। उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले, यहां (टी20 विश्व कप के जश्न के बाद ट्रॉफी परेड के दौरान) ठीक से सांस लेने की भी जगह नहीं थी। यह एक अविश्वसनीय अनुभव था क्योंकि मैंने इसे पहली बार अनुभव किया था। जब तक आप इसका अनुभव नहीं करते, तब तक आप इसे नहीं जानते। जब मैंने इस भावना को उभरते हुए नए खिलाड़ियों को समझाया, तो वे जोश से भर गए।

उन्होंने टीम के मंत्र के बारे में भी बात करते हुए कहा, ''हल्के वक्त में घबराना नहीं, अच्छे वक्त में पागल होना नहीं।'' उन्होंने आगे कहा कि अपने घरेलू मैदान पर, अपने दर्शकों के सामने टी20 विश्व कप में कप्तानी करने को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं। यह एक अच्छी चुनौती और बड़ी जिम्मेदारी है। दबाव तो है, लेकिन हम अच्छा क्रिकेट खेलकर इसे पार करने की कोशिश करेंगे। यह एक खास एहसास है, मैंने अपना सारा क्रिकेट यहीं खेला है, यहां तक कि फ्रेंचाइजी क्रिकेट भी। इसलिए भारत में वापस जाना, अपनी जर्सी में खेलना, विश्व कप में टीम की कप्तानी करना, मुझे बेहद रोमांच और थोड़ी घबराहट महसूस हो रही है। पेट में थोड़ी बेचैनी होगी, लेकिन मुझे यकीन है कि साथी खिलाड़ी और प्रशंसक मेरा काम आसान कर देंगे।

इंग्लैंड ने विश्व कप के पहले मैच के लिए प्लेइंग की घोषणा की

मुंबई, 7 फरवरी। इंग्लैंड ने रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में नेपाल के खिलाफ पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के पहले ग्रुप मैच के लिए अपनी प्लेइंग की घोषणा कर दी है। हैरी ब्रूक टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि पूर्व कप्तान जोस बटलर विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। इंग्लैंड की बल्लेबाजी की शुरुआत फिल साल्ट और बटलर करेंगे। मिडिल ऑर्डर में जैकब बेथेल और टॉम बैंटन के साथ ब्रूक, सैम करेन और विल जैक्स शामिल हैं। इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर करेंगे, जिन्हें ल्यूक वुड, लियाम डॉसन और आदिल राशिद का साथ मिलेगा। यह मैच टूर्नामेंट में इंग्लैंड का पहला मैच है।क्योंकि वे नेपाल के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत कर रहे हैं। **इंग्लैंड :** फिल साल्ट, जोस बटलर , जैकब बेथेल, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक (कप्तान), सैम करेन, विल जैक्स, लियाम डॉसन, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, ल्यूक वुड।

शेफर्ड का पंजा, वेस्टइंडीज ने स्कॉटलैंड को 35 रनों से हराया

कोलकाता, 7 फरवरी। शिमरॉन हेटमायर (64) और ब्रैंडन किंग (35) की शानदार बल्लेबाजी के बाद रोमारियो शेफर्ड (पांच विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत वेस्टइंडीज ने शनिवार को टी-20 विश्वकप के दूसरे मुकाबले में स्कॉटलैंड को 35 रनों से शिकस्त दी।

183 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्कॉटलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 37 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिये। माइकल जोंस (एक), ब्रैंडन मक्मलेन (14) और जॉर्ज मंसी (19) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद कप्तान रिचर्ड बेरिंग्टन और टॉम ब्रूस की जोड़ी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए 78 रन जोड़े। 14वें ओवर में जेसन होल्डर ने रिचर्ड बेरिंग्टन को आउटकर इस साझेदारी को अंत किया। रिचर्ड बेरिंग्टन ने 24 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए 42 रनों की पारी खेली। अगले ही ओवर में गुडाकेश मोती ने टॉम ब्रूस को पगबाधा आउटकर पवेलियन भेज दिया। टॉम ब्रूस ने 28 गेंदों में एक चौका और दो छक्के लगाते हुए 35 रन बनाये।

इसके बाद रोमारियो शेफर्ड की गेंदबाजी के आगे स्कॉटलैंड की पारी ताश के पत्तों की तरह ढहती चली गई। स्कॉटलैंड ने 133 के स्कोर पर अपने चार विकेट गंवाये। 19वें ओवर की पांचवें गेंद पर जेसन होल्डर ने मार्क वॉट (15) को आउटकर स्कॉटलैंड की पारी का 147 के स्कोर पर अंत कर दिया। इसी साथ वेस्टइंडीज ने 35 रनों मुकाबला जीत लिया।

वेस्टइंडीज के लिए रोमारियो शेफर्ड ने पांच विकेट लिये। जेसन होल्ड को तीन विकेट मिले। गुडाकेश मोती और शमार जोसेफ ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। हेटमाएर को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। इससे पहले आज यहां स्कॉटलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज के लिए ब्रैंडन किंग और कप्तान शाई होप की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 52 रन जोड़े। नौवें ओवर में माइकल लीस्क ने शाई होप (19) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। अगले ही ओवर में ऑलिवर डेविडसन ने ब्रैंडन किंग को आउटकर वेस्टइंडीज को दूसरा झटका दिया। ब्रैंडन किंग ने 30 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 35 रनों की पारी खेली। रोवमन पॉवेल ने 14 गेंदों में दो छक्के और एक चौका लगाते हुए 24 रन बनाये।

डेविस कप के पहले मैच में नागल डेन ओडेन से हारे, नीदरलैंड्स 1-0 से आगे

बेंगलुरु, 7 फरवरी। भारत का डेविस कप 2026 अभियान एक चुनौतीपूर्ण नोट पर शुरू हुआ, क्योंकि सुमित नागल शनिवार को एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में पहले राउंड के टाई के शुरुआती सिंगल्स मैच में नीदरलैंड्स के डेन ओडेन से हार गए। डेन ओडेन ने 6-0, 4-6, 6-3 से जीत हासिल की, जिससे नीदरलैंड्स को 1-0 की महत्वपूर्ण बढ़त मिली, लेकिन मुकाबला स्कोरलाइन से कहीं ज़्यादा पेचीदा था।भारत के टॉप रैंक वाले सिंगल्स खिलाड़ी नागल पहले सेट में अपनी लय नहीं पकड़ पाए। डेन ओडेन आक्रामक इरादे से उतरे, बेसलाइन से खेल को कंट्रोल किया, अपने स्पिन में बदलाव किया, और लगातार गहरे, सटीक शॉट लगाए जिससे भारतीय खिलाड़ी से गलतियाँ हुईं। बार-बार सर्विस ब्रेक करते हुए, डच खिलाड़ी ने पहला सेट 6-0 से जीत लिया, जिससे नागल बैकफुट पर आ गए और उनके मानसिक संतुलन की परीक्षा हुई। स्थानीय दर्शक शोर मचा रहे थे, लेकिन डेन ओडेन ने उस एनर्जी को बिना खुद पर हावी होने दिए सोख लिया।दूसरा सेट लचीलेपन और रणनीतिक बदलाव का उदाहरण था। नागल ने खुद को संभाला, अपनी पहली सर्विस को बेहतर किया, और गेंद को जल्दी लेना शुरू किया, जिससे डेन ओडेन को लंबी रैलियों में जाना पड़ा।

मरुधरा, राजपूताना, जयपुर प्राइड और डेजर्ट वारियर्स अंतिम 4 में

जयपुर, 7 फरवरी। मरुधरा बीकाना, राजपूताना, जयपुर प्राइड और डेजर्ट वारियर्स ने शनिवार को यहां जयपुर क्लब में शुरू हुई

42वीं राज्य स्तरीय ब्रिज प्रतियोगिता में टीम ऑफ फोर डुप्लीकेट स्पर्धा के सेमी फाइनल में प्रवेश कर लिया।

टूर्नामेंट डायरेक्टर एनके शर्मा के अनुसार प्रतियोगिता में जयपुर, उदयपुर, बीकानेर, भीलवाड़ा, जोधपुर और कोटा की दस टीमें हिस्सा ले रही हैं। पांच राउण्ड के मुकाबलों के बाद मरुधरा बीकाना ने 78.18 अंकों के साथ शीर्ष पर रहते हुए सेमी फाइनल में प्रवेश किया। वहीं राजपूताना टीम 68.92 अंकों के साथ दूसरे, जयपुर प्राइड 61.25 अंकों के साथ तीसरे और डेजर्ट वॉरियर्स 52.14 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहते हुए अंतिम चार में पहुंची हैं। सेमी फाइनल में मरुधरा बीकाना का मुकाबला जयपुर प्राइड से होगा, जबकि दूसरा सेमी फाइनल राजपूताना और डेजर्ट वॉरियर्स के मध्य खेला जाएगा। सेमी फाइनल में आठ-आठ बोर्ड के दो सैशन खेले जाएंगे।

राजस्थान ब्रिज एसोसिएशन के तोषनीवाल अध्यक्ष, माथुर सचिव : राजस्थान कॉन्टेक्ट ब्रिज एसोसिएशन के शनिवार को यहां जयपुर क्लब में हुए चुनाव में आनन्द तोषनीवाल को अध्यक्ष और केपी माथुर को सचिव पद पर चुना गया। चुनाव अधिकारी राजेन्द्र कुमार के अनुसार एसोसिएशन की साधारण सभा की बैठक में कार्यकारिणी के सभी पदों के लिए निर्विरोध निर्वाचन हुआ। पूर्व अध्यक्ष डीबी चौधरी को खेल के विकास में उनके अमूल्य योगदान को देखते हुए एसोसिएशन का एमिरेट्स प्रेसिडेंट बनाया गया है।

नई कार्यकारिणी : अध्यक्ष- आनन्द तोषनीवाल, उपाध्यक्ष- दिनेश गलुंडिया, श्रीमती सुषमा अग्रवाल, सचिव- केपी माथुर, कोषाध्यक्ष- एनके शर्मा, संयुक्त सचिव (एमपी)- जीके व्यास, संयुक्त सचिव (एडमिन)- पीके अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य- अमिताब मुखर्जी, डा. सतीश पाण्डे।

उदघाटन मैच में सुराना एकेडमी की रोमांचक जीत

जयपुर, 7 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित व वन रियलिटी द्वारा प्रायोजित के एल सैनी ए डिवीजन लीग में आज के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में सुराना एकेडमी ने यूनियन क्रिकेट क्लब को रोमांचक मैच में एक विकेट से हराया। आज प्रात: सुराना एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले यूनियन क्रिकेट क्लब को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया । यूनियन क्रिकेट क्लब ने आदित्य शर्मा के 42 रन, देव प्रताप के 11 रन, आरव सैनी के 31 रन, आदित्य टांक के 49 रन, पुरु देवदवाल के 15 रन से 47.3 ओवर में 214 रन बनाए। सुराना एकेडमी के लिए प्रशांत यादव ने 35 पर 3, आदित्य झाला ने 20 पर 2, आदित्य वाधवा ने 29 पर 2, आशीष चोपड़ा, ऋषभ मोदी व अभिषेक यादव ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में सुराना एकेडमी ने आर्यमन कटारिया के 64 रन, आदित्य झाला के 43 रन, अभिषेक यादव के 44 रन, हर्ष परवानी के 20 रन नाबाद व आशीष चोपड़ा के 17 रनो से 40.5 ओवर में 9 विकेट पर 215 रन बनाकर रोमांचक जीत दर्ज की । यूनियन क्रिकेट क्लब के लिए आदित्य टांक ने 52 पर 3, आदित्य शर्मा ने 45 पर 2, देवराज सैनी व दीपक चौधरी ने एक - एक विकेट लिया। मैच से पूर्व उदघाटन समारोह में प्रतियोगिता के प्रायोजक वन रियलिटी के डायरेक्टर कृष्णा गुप्ता, पूर्व रणजी कप्तान विनोद माथुर, जेडीसीए एडहॉक कमेटी के कन्वीनर सुरेश शर्मा, सदस्य राजेश ताम्बी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस अवसर पर महेंद्र सिंह राजवी, हरि चरण गौतम, मोहम्मद सलीम, ओम शर्मा, तपेश कौशिक, रणजीत सैनी, प्रमोद सिंह, दिनेश सोयला, सौरभ मेहता प्रवीण शर्मा, विकी बारी सहित अनेक खिलाड़ी उपस्थित रहे।

इस अवसर कन्वीनर सुरेश शर्मा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि जयपुर जिला क्रिकेट संघ की प्रतियोगिताओं की शुरुआत आज ए डिवीजन लीग से हुई है तथा आने वाले 4 महीनों में बी डिवीजन लीग, सी डिवीजन लीग, हॉट वेदर, महिला ए डिवीजन लीग, अंडर 19 व अंडर 16 के टूर्नामेंट आयोजित किए जाएंगे जिससे जयपुर के हर आयु वर्ग के खिलाड़ियों को टूर्नामेंट खेलने को मिलेंगे। सभी टूर्नामेंट अच्छे मैदानों पर पूरी सुविधाओं के साथ आयोजित किए जाएंगे।

पूर्व रणजी खिलाड़ी स्व. शमशेर सिंह की स्मृति में 21 मार्च से ''ए'' डिवीजन लीग

जयपुर, 7 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा महिला खिलाड़ियों के लिए पूर्व रणजी खिलाड़ी स्व. शमशेर सिंह की स्मृति में दिनांक 21 मार्च से ''ए'' डिवीजन लीग की आयोजित की जाएगी। महिला ए डिवीजन लीग पहली बार आयोजित की जाएगी तथा हर वर्ष आयोजित होगी। इस लीग में 6 टीम भाग लेगी। प्रत्येक टीम में राजस्थान का प्रतिनिधित्व किए हुए 4 खिलाड़ी जयपुर के बाहर से शामिल किए जाएंगे। यह प्रतियोगिता रंगीन पोशाक में सफेद बॉल से खेली जाएगी। प्रतियोगिता लीग कम नॉक आउट आधार पर आयोजित होगी। सभी टीमों को 50 ओवर के 5 लीग मैच खेलने को मिलेंगे। सभी मैचों को यू ट्यूब पर लाइव किया जाएगा।

एन.बी एकेडमी की जीत में विहान, रिशभ, रोहन व लक्षित चमके

जयपुर, 7 फरवरी। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित प्रथम श्रीमती मुमताज खान स्मृति रिशभ नोगिया 3 रन पर 3 विकेट, रोहन मीणा 30 रन पर 3 विकेट, लक्षित 25 रन पर 3 विकेट की शानदार गेंदबाजी पर खेले गए मैच में विहान जैन 61 रन की अद्धर्शतकीय पारी तथा रिशभ नोगिया 3 रन पर 3 विकेट, रोहन मीणा 30 रन पर 3 विकेट, लक्षित 25 रन पर 3 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत एन.बी. क्रिकेट एकेडमी ने शास्त्री क्रिकेट एकेडमी को 8 विकेट से हराकर सेमीफाईनल में प्रवेश किया जहां उसका मुकाबला नैना क्रिकेट एकेडमी से होगा। टॉस जीतकर शास्त्री एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जतिन शर्मा 31 रन निखिल सोनी 22 रन, अर्नव 17 रन व मोहम्मद भाटी 12 रन को छोडकर कोई भी बल्लेबाज एन.बी एकेडमी के गेंदबाजों रिशभ नोगिया 3 रन पर 3 विकेट, रोहन मीणा 30 रन पर 3 विकेट, लक्षित 25 रन पर 3 विकेट की शानदार गेंदबाजी के समक्ष नहीं टिक सका और पूरी टीम 32.4 ओवर में 132 रन बनाकर सिमट गयी। जवाबी पारी में एन.बी एकेडमी की ओर से विहान जैन 61 रन (36 गेंद, 13 चौके) देवांश सिंह उप्पल 30 रन ने मिलकर 9.2 ओवर में 97 रन की साझेदारी निभाकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। शौर्य धिमन 12 रन नाबाद मौनिक धवन 11 रन नाबाद की मदद से विजय लक्ष्य 127 रन 2 विकेट खोकर 13.4 ओवर में हासिल कर 8 विकेट से जीत दिलाकर अपनी टीम को सेमीफाईनल में पहुंचा दिया।

केजीके रॉयल्स और राजपूताना राइडर्स के बीच ड्रॉ रहा एग्जीबिशन मैच

वी पोलो और ऑप्टिमस अचीवर्स के बीच होगा फाइनल का मुकाबला

जयपुर, 7 फरवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत शनिवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर केजीके पोलो कप का एग्जीबिशन मैच खेला गया। यह रोमांचक मुकाबला दोनों टीमों केजीके रॉयल्स और राजपूताना राइडर्स के बीच ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

दोनों टीमों के बीच 6-6 का स्कोर रहा। टीम केजीके रॉयल्स से भवानी सिंह काल्वी ने 4 गोल किए। रणशेय पुरोहित और शुभम गुप्ता ने 1-1 गोल हासिल किया। टीम से मैनुअल पराडो भी खेले। वहीं, राजपूताना राइडर्स की ओर से डीनो धनखड़ ने 3 गोल, हुर्र अली ने 2 गोल और कुलदीप सिंह राठौड़ ने 1 गोल किया। टीम में प्रताप सिंह कानोता भी शामिल थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजस्थान के उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, नवरत्न कोठारी, सिद्धार्थ कोठारी और महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान की।

द लीला महाराजा सवाई मान सिंह पोलो कप (08 गोल्स) का सेमिफाइनल : इससे पूर्व, पीपीसी ग्राउंड पर द लीला महाराजा सवाई मान सिंह पोलो कप (08 गोल्स) के लिए सेमिफाइनल मुकाबले भी आयोजित किए गए। पहला मुकाबला टीम जयपुर लीला और टीम वी पोलो के बीच खेला गया। जिसमें वी पोलो 10-8 के स्कोर से जयपुर लीला को हराकर मैच की विजेता बनी। विजेता टीम वी पोलो से सैंटियागो मारम्बियो ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और टीम के लिए 6 गोल बनाए। अंगद कलान ने 2 गोल, विवान मेहता और सलीम आजमी ने 1-1 गोल हासिल किए। दूसरी ओर, जयपुर लीला से हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 5 गोल और लांस वाटसन ने 3 गोल किए। टीम के लिए मिर्जा मोहम्मद बेग और भवानी सिंह काल्वी भी खेले।

दिन का दूसरा सेमिफाइन मुकाबला टीम ऑप्टिमस अचीवर्स और जिंदल बेदला के बीच हुआ। ऑप्टिमस अचीवर्स ने 8-4 के स्कोर से जिंदल बेदला को पराजित किया। ऑप्टिमस अचीवर्स से ध्रुवपाल गोदारा ने 3 गोल किए। आर्यमान सिंह और शमशीर अली ने 2-2 गोल अर्जित किए। डेनियल ओटामेंडी ने टीम के लिए 1 गोल किया। दूसरी तरफ, टीम जिंदल बेदला से सिद्धांत शर्मा ने 3 गोल और सिमरन शेरगिल ने 1 गोल किया। टीम से राव हिम्मत सिंह बेदला और वैंकटेश जिंदल भी खेले।

द लीला महाराजा सवाई मान सिंह पोलो कप का फाइनल कल : रविवार, 8 फरवरी को द लीला महाराजा सवाई मान सिंह पोलो कप का फाइनल मैच खेला जाएगा। यह मुकाबला टीम वी पोलो और ऑप्टिमस अचीवर्स के बीच राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर दोपहर 3.30 बजे से आयोजित होगा।

हॉकी और कबड्डी के खिलाड़ियों ने स्किल टेस्ट में लगाया ज़ोर

जयपुर, 7 फ़रवरी। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद द्वारा सवाई मानसिंह स्टेडियम में अकादमियों/बालिका खेल संस्थानों की के लिये आयोजित की जा रही आठ दिवसीय चयन ट्रायल के अंतर्गत शनिवार को पांचवें दिन जहाँ हॉकी और कबड्डी के खिलाड़ियों ने स्किल टेस्ट में ज़ोर लगाया।

वही बालक बास्केटबाल अकादमी-जैसलमेर (53), बालक बास्केटबाल अकादमी (सी0वर्ग)-जयपुर (19), बालिका बास्केटबाल अकादमी-जयपुर (45), बालक बास्केटबाल अकादमी (प्रस्तावित)-सीकर (21), एवं बालक बास्केटबाल अकादमी (प्रस्तावित)-बाड़मेर (28) कुल 166 ने रजिस्ट्रेशन करवाया। उसके बाद मेडिकल और फिर बैटरी टेस्ट लिया गया। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की सचिव श्रीमती नीतू बारूपाल ने बताया कि रविवार को बालक बास्केटबाल अकादमी-जैसलमेर, बालक बास्केटबाल अकादमी (सीनियर वर्ग)-जयपुर, बालिका बास्केटबाल अकादमी-जयपुर, बालिका खेल संस्थान बास्केटबाल-उदयपुर, बालक बास्केटबाल अकादमी (प्रस्तावित)-सीकर, बालक बास्केटबाल अकादमी (प्रस्तावित)-बाड़मेर के लिए स्किल टेस्ट होगा। उन्होंने बताया कि रविवार को ही बालिका फुटबाल अकादमी-कोटा, बालक फुटबाल अकादमी-जोधपुर, बालिका खेल संस्थान फुटबाल-जयपुर, बालक फुटबाल अकादमी,(प्रस्तावित)-कोलिड़ा, सीकर, बालक फुटबाल अकादमी (प्रस्तावित)-बांसवाड़ा के लिये ट्रायल में भाग लेने आने वाले खिलाड़ियों का रजिस्ट्रेशन और मेडिकल करवाने के बाद बैटरी टेस्ट लिया जायेगा।

सटीक जनगणना विकास योजनाओं का महत्वपूर्ण आधार है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने जनगणना- 2027 पर राज्यस्तरीय सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित किया

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आंकड़े सही नहीं होंगे तो, ना तो योजनाएं अच्छे से बन पाएंगी, और न ही उनका क्रियान्वयन लक्ष्यों के अनुरूप हो पाएगा।

जयपुर, 7 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सटीक जनगणना विकास योजनाओं का एक महत्वपूर्ण आधार है। जनगणना के समय संकलित आंकड़ों से ही केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का निर्धारण एवं क्रियान्वयन प्रभावशीलता के साथ संभव हो पाता है। इसलिए सभी कार्मिक जनगणना कार्य को राष्ट्रीय कर्तव्य मानकर पूरी निष्ठा से संपन्न करें।

शर्मा शनिवार को जनगणना-2027 पर वर्चुअली आयोजित राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनगणना के पहले चरण, अर्थात् मकानों का सूचीकरण और मकानों की गणना का काम जितना सटीक होगा, व्यक्तियों की गणना का अगला चरण उतना ही त्रुटि रहित और सही होगा। उन्होंने कहा,

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

आंकड़े सही नहीं होंगे तो न तो योजनाएं अच्छे से बन पाएंगी और न ही इनका क्रियान्वयन लक्ष्यों के अनुरूप हो पाएगा। शर्मा ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन भी जनगणना आंकड़ों के आधार पर होता है। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार डिजिटल तकनीक का व्यापक उपयोग करते हुए जनगणना कार्य किया जाएगा।

'क्या अनिल अंबानी ने ...

■ तो, क्या यह विवाद भी कालांतर में, आरोप-प्रत्यारोपों की बौछार की धुंध में दबकर लुप्त हो जाएगा या कभी सच्चाई सामने आएगी, क्योंकि सच्चाई से देश की सुरक्षा जुड़ी है।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
पर अंबानी ने एपस्टीन को किसी यात्रा के दौरान एक महिला की व्यवस्था करने को लेकर लिखा था। पर्यवेक्षकों का कहना है कि इस तरह की भाषा एपस्टीन की उस चर्चित भूमिका से मेल खाती है, जिसमें वह शक्तिशाली लोगों के लिए एक सामाजिक फ़िक्सर के तौर पर काम करता था। हालाँकि इन दस्तावेज़ों में किसी भी तरह के आपराधिक कृत्य की पुष्टि नहीं होती, लेकिन भारत के कॉरपोरेट जगत में अनिल अंबानी की हैसियत और देश के राजनीतिक नेतृत्व से उनकी लंबे समय से मानी जाने वाली निकटता के कारण इन खुलासों की गहन जांच करने की आवश्यकता पैदा हो गई है। रिलायंस एडीए ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का करीबी माना जाता रहा है, यह रिश्ता मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहने के समय से है। यह संबंध 2016-17 में खास तौर पर चर्चा में आया, जब अंबानी समूह राफेल लड़ाकू विमान निर्माण परियोजना में एक प्रमुख भारतीय साझेदार के रूप में उभरा। यह सौदा लगभग 30,000 करोड़ रू. का था और फ्रांसीसी सरकार तथा डसॉल्ट एविएशन के सहयोग से किया गया था। राफेल सौदा पहले ही लंबे समय से राजनीतिक विवादों में घिरा रहा है। विपक्षी दलों ने ऑफ़सेट साझेदार के रूप में रिलायंस डिफेंस, जिसके पास एयरोस्पेस निर्माण का सीमित अनुभव था-के चयन पर सवाल उठाए थे। हालाँकि सुप्रीम कोर्ट ने बाद में राफेल समझौते की न्यायालय-निगरानी में जांच के आदेश देने से इनकार कर दिया था, लेकिन आलोचकों का कहना है कि पारदर्शिता और उचित जांच से जुड़े कई अहम सवाल अब भी अनुत्तिरत हैं।

अब एपस्टीन दस्तावेज़ों में अंबानी के नाम के दोबारा सामने आने से राजनीतिक विरोधियों को नया हथियार मिल गया है। उनका तर्क है कि जिन व्यक्तियों की पहुंच संवेदनशील रक्षा परियोजनाओं तक है, उनसे सर्वोच्च स्तर की ईमानदारी और उनकी कड़ी जांच की अपेक्षा की जानी चाहिए। राजनीतिक विश्लेषकों और पूर्व नौकरशाहों का कहना है कि यह मुद्दा केवल व्यक्तिगत प्रतिष्ठा तक सीमित नहीं है। एपस्टीन के खुफिया एजेंसियों, वैश्विक अभिजात वर्ग और गंभीर आरोपों से जुड़े होने के इतिहास को देखते हुए विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि ऐसे किसी नेटवर्क से किसी भी प्रकार का, चाहे वह अप्रत्यक्ष ही क्यों न हो - संबंध राष्ट्रीय सुरक्षा से संबधित वैध सवाल खड़े करता है। एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, जब रक्षा निर्माण, रणनीतिक परिसंपत्तियाँ और विदेशी सरकारें शामिल हों, तो अप्रमाणित संबंध भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं, लोकतांत्रिक व्यवस्थाएँ प्रतिक्रियात्मक इनकार की बजाय सक्रिय पारदर्शिता की मांग करती हैं। विपक्षी नेताओं ने इस मामले पर संसद में चर्चा की मांग की है और ज़ोर दिया है कि सरकार स्पष्ट करे कि क्या भारतीय एजेंसियों को ऐसे अंतरराष्ट्रीय संबंधों की जानकारी थी और क्या रणनीतिक रक्षा परियोजनाओं से जुड़े सभी हितधारकों की पर्याप्त पृष्ठभूमि जांच की गई थी।

फ़िलहाल अनिल अंबानी या प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से एपस्टीन फ़ाइलों में सामने आए संदर्भों पर कोई विस्तृत प्रतिक्रिया नहीं आई है। सरकारी सूत्रों ने निजी तौर पर इस विवाद को "राजनीतिक रूप से प्रेरित अटकलें" बताते हुए खारिज कर दिया है और इस बात पर ज़ोर दिया है कि किसी दस्तावेज़ में नाम आना दोष सिद्ध होने के बराबर नहीं है। कानूनी विशेषज्ञ भी इसी रुख की पुष्टि करते हैं और चेतावनी देते हैं कि निजी संवादों में उल्लेख को अवैध गतिविधि के प्रमाण के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। हालांकि, वे यह भी रेखांकित करते हैं कि राजनीतिक रूप से जुड़े व्यावसायिक व्यक्तियों के लिए सार्वजनिक जवाबदेही के मानक स्वाभाविक रूप से अधिक कड़े होते हैं। यह प्रकरण एक बार फिर भारत में धन, सत्ता और शासन की सांठगांठ को उजागर करता है। यह देखना बाकी है कि यह विवाद किसी औपचारिक जांच की ओर बढ़ता है या पक्षपातपूर्ण राजनीति के शोर में दबकर रह जाता है। लेकिन फिलहाल, एपस्टीन से जुड़े खुलासों ने इस असहज सवाल को फिर से खोल दिया है कि भारत का राजनीतिक नेतृत्व और कॉरपोरेट अभिजात वर्ग कितनी गहराई से आपस में जुड़े हैं - और अंततः सार्वजनिक हित की रक्षा की जिम्मेदारी किसकी है।

अमेरिका ने अपने ...

■ इस परिवर्तन से, जैसा कि पाकिस्तान के सोशल मीडिया से जाहिर होता है, पाकिस्तान हिल गया है। क्योंकि, अब तक पाकिस्तान की विदेश नीति का आधार ही कश्मीर के विवाद को जारी रखना था, तथा हालांकि, अमेरिका ने कभी पाकिस्तान की कश्मीर नीति का खुलकर समर्थन नहीं किया था, पर, येन-केन-प्रकारेण कश्मीर विवाद को मरने भी नहीं दिया, सदा जीवित रखा।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
भारत के आधिकारिक क्षेत्रीय नक्शे का इस्तेमाल एक बड़े आर्थिक साझेदारी के ऐलान के साथ करके अमेरिका ने व्यापार से आगे का संदेश दिया है। अमेरिका ने जम्मू-कश्मीर पर भारत के रुख के साथ खुद को जोड़ लिया है और इस मुद्दे को विवादित सवाल नहीं, बल्कि तय भौगोलिक सच्चाई के रूप में दिखाया है।

पाकिस्तान के लिए यह एक ऐसा झटका है, जो एक रुटीन डिप्लोमैटिक झटके से कहीं ज्यादा गंभीर है। इस्लामाबाद लंबे समय से कश्मीर मुद्दे को इंटरनैशनल लैवल पर जिंदा रखने के लिए बड़ी ताकतों, खासकर अमेरिका की अस्पष्ट नीति पर निर्भर रहा है। जबकि अमेरिका अक्सर दोनों पक्षों का खुलकर समर्थन करने से बचता रहा है और पहले भी विवादित क्षेत्रों को डैश वाली लाइनों या स्पष्टीकरण नोट के साथ दिखाता रहा है। यू.टी.एस.आर. के नक्शे में ऐसे चिन्हों का न होना इस नीति से अलग माना जा रहा है। ऐसा लगता है कि अमेरिका अपनी प्राथमिकताओं में बदलाव का संकेत दे रहा है। पाकिस्तान वॉशिंगटन के लिए टैक्टिकल इंटरैस्ट का हिस्सा बना हुआ है, चाहे वह सीमित काउन्टर टैररिज़्म को, ऑपरेशन के लिए हो, रीजनल स्टेबिलिटी की चिंताओं के लिए हो, या खास रिसोर्स तक पहुंचने के लिए हो। लेकिन उसे अब पहले जैसा रणनीतिक साझेदार नहीं माना जा रहा है। दूसरी तरफ भारत व्यापार, तकनीक, सप्लाई चेन और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शक्ति संतुलन के मामले में अमेरिका की रणनीति में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह प्राथमिकता अब नीति के साथ-साथ आधिकारिक तस्वीरों में भी दिखाई दे रही है। इसलिए वॉशिंगटन का संदेश कई परतों वाला, लेकिन साफ है। पाकिस्तान अभी भी महत्वपूर्ण है, लेकिन दक्षिण एशिया में अमेरिकी नीति को तय करने वाला मुख्य देश अब भारत है। आधिकारिक व्यापार ग्राफिक में जम्मू-कश्मीर को भारत की सीमा के अंदर दिखाकर अमेरिका ने संकेत दिया है कि वह इस क्षेत्र को पुराने विवाद के बजाय, मौजूदा स्थिति के आधार पर देखता है।

ट्रंप ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
की भारी राजनीतिक कीमत पार्टी को चुकानी पड़ेगी। अश्वेत व हिस्पैनिक आदि मतदाताओं के एक बड़े वर्ग ने डॉनल्ड ट्रंप का समर्थन किया था और उन्हें वोट दिया था, लेकिन अब वे खुद को पूरी तरह ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस पोस्ट ने अमेरिकी समाज में नस्लवाद की गहराई और विस्तार को उजागर कर दिया है, और वह भी सर्वोच्च स्तर पर। कई अश्वेत मतदाता और यहां तक कि रिपब्लिकन पार्टी के सदस्य भी अब उस दौर को याद कर रहे हैं, जब अमेरिका में अलगाव (सेग्रेगेशन) के दौर में भेदभाव और उत्पीड़न आम बात थी। उस दौर में अश्वेत समुदाय पर अत्याचार हुए और व्यापक स्तर पर भेदभाव किया गया। अमेरिकी टीवी चैनल अश्वेत और अन्य नागरिकों के साक्षात्कारों से भरे पड़े हैं, जहां लोग अपनी पीड़ा और आधिकारिक संस्थानों के प्रति अविश्वास व्यक्त कर रहे हैं। श्वेत वर्चस्ववादी वर्गों ने अक्सर अश्वेत समुदाय के सदस्यों के खिलाफ अपमानजनक और आक्रामक व्यवहार किया है। इसके बावजूद, डॉनल्ड ट्रंप को अश्वेत और हिस्पैनिक समुदाय के सदस्यों से काफ़ी समर्थन मिला था। अब इन समुदायों का बड़ा वर्ग इस घटनाक्रम से स्तब्ध है। यह घटना आगामी मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी के लिए भारी शर्मिंदगी और राजनीतिक नुकसान का कारण बन सकती है।

अमेरिका के साथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
तहत, बांग्लादेश चीन से आयात कम करने और अमेरिका से सैन्य ख़र्च बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताएगा। अमेरिका बांग्लादेशी बाज़ारों तक मुक्त पहुंच चाहता है और यह भी चाहता है कि अमेरिकी वाहन और उनके पुर्ज़े बिना निरीक्षण के आयात किए जाएँ।

अप्रैल 2025 में, ट्रंप प्रशासन ने बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जिसे बाद में घटाकर 35 प्रतिशत और अंततः 20 प्रतिशत कर दिया गया। इस नए समझौते के तहत, टैरिफ को और घटा कर 15 प्रतिशत तक किए जाने की उम्मीद है। यूनुस सरकार द्वारा अमेरिका के साथ जल्दबाज़ी में समझौता करने की एक बड़ी वजह भारत से जुड़ी है। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था अमेरिका को होने वाले वस्त्र और रेडीमेड परिधान निर्यात पर काफ़ी हद तक निर्भर है, जो अमेरिका को उसके कुल निर्यात का लगभग 90 प्रतिशत है। बाँग्लादेश को आशंका है कि भारत-अमेरिका समझौते के औपचारिक रूप में आने के बाद, भारत उसका बाज़ार हिस्सा छीन सकता है। ढाका स्थित अख़बार "प्रथम आलो" के अनुसार, बांग्लादेश-अमेरिका समझौते पर 12 फ़रवरी को वॉशिंगटन में हस्ताक्षर किए जाएंगे। बताया जा रहा है कि बांग्लादेश के वाणिज्य सलाहकार एस.के. बशीरउद्दीन पहले ही इस समझौते पर हस्ताक्षर कर चुके हैं, तथा अमेरिका में ट्रेड रिप्रेज़ेंटेटिव जैम्सन ग्रीर इस पर हस्ताक्षर करेंगे।

राहुल गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा, बड़ी उम्र के किसी भी नेता को पुनः नामित किये जाने या सांसद के रूप में लाने की संभावना नहीं है। जहां कांग्रेस सामाजिक इंजीनियरिंग और जातीय समीकरण पर ध्यान केन्द्रित कर रही है, वहीं नेताओं का मानना है कि राज्यसभा में प्रतिभा के लिए कोटा होना चाहिए और व्यक्ति के पास विशेष ज्ञान या गहरी राजनीतिक समझ होनी चाहिए। वर्तमान व्यवस्था में यह पहलू गायब नज़र आता है।

टी-20 विश्व कप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
लिए एक बार फिर अपनी सरकार से सलाह करेगा। श्रीलंका ने पाक क्रिकेट बोर्ड से इस बारे में अनुरोध किया है।

पाकिस्तान सरकार ने पीसीबी को टी20 विश्व कप के लिए राष्ट्रीय टीम भेजने की अनुमति तो दे दी है, लेकिन भारत के खिलाफ खेलने से इसे रोक दिया है। ज्ञातव्य है कि भारत-पाकिस्तान मुकाबला आईसीसी और उसके प्रसारकों के लिए व्यावसायिक रूप से सबसे बड़ा मैच माना जाता है।

इस वजह से श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने पीसीबी को एक ईमेल भेजा है, जिसमें कहा गया है कि 15 फ़रवरी को चिर-प्रतिद्वंद्वियों के बीच होने वाला यह हाई-प्रोफाइल मैच नहीं होने से एसएलसी को आर्थिक नुकसान होगा और भारत के साथ संयुक्त रूप से टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहे इस द्वीपीय देश (श्रीलंका) में प्रतियोगिता की छवि और आयोजन को भी ठेस पहुंचेगी।

भाजपा की रितु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
15 जनवरी को हुए नगर निकाय चुनाव में वार्ड नंबर 5 से चुने गए शिवसेना के संजय शंकर घाड़ी उप-महापौर होंगे। वे 15 महीने तक इस पद पर रहेंगे। शिवसेना उप-महापौर का कार्यकाल अपने चार पार्षदों में बाँटेगी।

भाजपा नेता अमित सातम ने ऋतु तावड़े के नाम की घोषणा की, जबकि शिवसेना नेता राहुल शेवाले ने शनिवार को संजय घाड़ी की उम्मीदवारी का ऐलान किया। ये अति महत्वपूर्ण चुनाव नौ साल के अंतराल के बाद हुए। इस दौरान 7 मार्च 2022 से राज्य सरकार द्वारा नियुक्त प्रशासक नगर निकाय प्रमुख के रूप में कार्यरत था, क्योंकि नगर निकाय का पिछला कार्यकाल समाप्त हो गया था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908